पारा आपडेट
मैक्सिमम 30.00 | मिनीमम 22.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 18.24
सूर्योदय (कल) ▸ 05.24
बोकारो से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
हर खबर पर नजर
श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा,विक्रम संवत 2083

पेज 12

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, गुरुवार 13 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 09 अंक : 44 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखंड के 29 पुलिस अधिकारियों-कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस पर मिलेगा पुलिस पदक

संवाददाता

रांची। झारखंड के तीन भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों समेत 29 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उनकी विशिष्ट, वीरतापूर्ण और सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। गृह विभाग ने पदक पाने वाले अधिकारियों और कर्मियों की सूची जारी कर दी है।

जारी सूची के अनुसार, एक एएसआई को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक, पांच पुलिसकर्मियों को वीरता पदक और तीन आईपीएस अधिकारियों समेत 23 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया जाएगा। इस बार सम्मान पाने वालों में पांच महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

पदक पाने वाले अधिकारियों और कर्मियों की सूची जारी

विशिष्ट सेवा के लिए जैप-1 के एएसआई कैलाश प्रसाद श्रेष्ठ को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, वीरता पदक पाने वालों में लातेहार के अवर निरीक्षक विनय कुमार, आईआरबी-4 लातेहार के सहायक उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार राय, लातेहार जिला बल के आरक्षी वेद प्रकाश महतो और रामचंद्र कुमार महतो तथा आईआरबी-1 जामताड़ा के आरक्षी कृष्णा मुर्मू शामिल हैं।

सराहनीय सेवा के लिए पदक पाने वालों में महानिरीक्षक रेल डॉ. माइकल राज एस, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात आईपीएस अधिकारी अन्नेपु विजयालक्ष्मी और कोल्हान के उपमहानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा शामिल हैं।

इनके अलावा स्पेशल ब्रांच के उपाधीक्षक नीरज कुमार, वायरलेस के इंस्पेक्टर अरुण कुमार, एसटीएफ के इंस्पेक्टर मनोज कुमार राय, आईटीएस रांची के इंस्पेक्टर असित कुमार मोदी, एसटीएफ के एएसआई अरविंद कुमार पालित, वशिष्ठ कुंवर, संजीव कुमार झा और विजय कुमार को भी सराहनीय सेवा पदक दिया जाएगा।

रांची जिला के एएसआई दीपक पुंज, सीआईडी के एएसआई महेंद्र महतो, एसटीएफ के हवलदार इकबाल, हवलदार बिन्दराय मुण्डरी और हवलदार विजय थापा भी सराहनीय सेवा के लिए सम्मानित होंगे।

इस बार पदक पाने वालों में पांच महिला पुलिसकर्मी शामिल हैं। जैप-10 होटवार की महिला आरक्षी मान्ती खलखो और प्रभा देवी तथा महिला हवलदार रंजिता कुजूर को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा जैप-10 की महिला आरक्षी पुष्पा ओड़ेया को भी सराहनीय सेवा के लिए पदक प्रदान किया जाएगा। गढ़वा के आरक्षी विदेशी मांझी, चतरा के आरक्षी अजय कुमार दूबे और गुमला के आरक्षी दीपक कुमार सिंह को भी सराहनीय सेवा पदक मिलेगा। पुलिस मुख्यालय ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया है कि पदक प्राप्त करने वाले अधिकारी और कर्मी 13 अगस्त 2026 की अपराह्न तक वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के समक्ष रिपोर्ट करें।

पुलिस मुख्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी पदक प्राप्तकर्ता का इस बीच स्थानांतरण या पदस्थापन हो गया है तो संबंधित वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक अथवा नियंत्रक पदाधिकारी इसकी सूचना पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध कराएंगे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया जाने वाला यह सम्मान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की विशिष्ट, वीरतापूर्ण एवं सराहनीय सेवाओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सपरिवार पहुंचे बोकारो, अधिकारियों ने किया स्वागत

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को सपरिवार बोकारो पहुंचे। बोकारो एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री के आगमन पर जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया गया। एयरपोर्ट पर उतरते ही पुलिस के जवानों द्वारा मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर देकर औपचारिक सम्मान प्रदान किया गया। इस दौरान उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिन्हा, उपायुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

एयरपोर्ट से औपचारिक अगवानी के बाद मुख्यमंत्री अपनी धर्मपत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन और बच्चों के साथ कोऑपरेटिव कॉलोनी स्थित एक निजी क्लिनिक पहुंचे। वहां उन्होंने अपने दांतों का इलाज व रूटीन चेकअप कराया।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री इससे पूर्व भी दंत चिकित्सा के लिए सड़क मार्ग से बोकारो आ चुके हैं। बुधवार को एक बार फिर वे विशेष रूप से अपने इलाज के सिलसिले में बोकारो पहुंचे थे। मुख्यमंत्री के इस व्यक्तिगत दौरे को लेकर बोकारो एयरपोर्ट से लेकर कोऑपरेटिव कॉलोनी तक सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। एयरपोर्ट परिसर एवं रूट पर सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए जिला व पुलिस प्रशासन के तमाम वरीय अधिकारी तैनात रहे।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा पर लगे आरोपों को जांच समिति ने सही माना

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से बिना हिसाब की नकदी बरामद होने के मामले में तीन सदस्यीय जांच समिति ने उनपर लगे तीनों आरोपों को सही पाया है। समिति के अनुसार उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में बिना हिसाब की नकदी मिली थी। लोकसभा में आज समिति की रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा गया। रिपोर्ट के अनुसार उनके खिलाफ किसी तरह की साजिश होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। यह भी कहा गया है कि इतनी बड़ी मात्रा नकद नजरअंदाज रहे, यह नहीं हो सकता। समिति ने यह भी कहा कि घटना से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्यों को उचित तरीके से सुरक्षित नहीं रखा गया और न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं थे।

राज्यसभा से राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक 2026 ध्वनिमत से पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा ने बुधवार को करीब एक घंटे तक चली चर्चा के बाद राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इससे पहले यह विधेयक मंगलवार को लोकसभा से भी पारित हो चुका है। इस बीच कांग्रेस ने सदन से गृहमंत्री के सदन में जवाब की मांग को लेकर बहिर्गमन किया।

सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल द्वारा प्रस्तुत यह विधेयक राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) अधिनियम, 1962 में संशोधन करता है, जिससे सहकारी समितियों को सीधा वित्त पोषण और ऋण मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस संशोधन विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की वित्तीय क्षमता और अधिकारों का विस्तार करना है ताकि वह सहकारी क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं और परियोजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से वित्तीय सहायता दे सके।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि देश में 8 लाख से अधिक सहकारी संस्थाएं हैं, जिनसे करीब 30 करोड़ लोग जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद पिछले पांच वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि 3,000 करोड़ रुपये की लागत से देश की 80,000 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के कंप्यूटरीकरण का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक के कानून बनने से अब पात्र सहकारी समितियों और सहकारिता विकास से जुड़ी संस्थाओं को सीधे ऋण और वित्तीय सहायता प्रदान कर सकेगा। निगम के सहायता दायरे में कृषि और पशुधन के अलावा प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद तथा केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य वस्तुएं भी शामिल की गई हैं। विभिन्न सहकारी संस्थाओं और विकास से जुड़ी इकाइयों की शेयर पूंजी में भी निवेश कर सकेगा। औद्योगिक वस्तुओं और संबंधित सेवाओं पर लागू कुछ पुराने भौगोलिक प्रतिबंध हटाए गए हैं, जिससे देशभर में सहकारी संस्थाओं तक वित्तीय सहायता पहुंचाना आसान होगा। इससे पहले राज्यसभा में अमित शाह की गैर मौजूदगी को लेकर खरगे-नड्डा में तीखी बहस देखने को मिली। सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने विधेयक पर चर्चा के दौरान अमित शाह की गैरमौजूदगी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इस विधेयक के समक्ष गृहमंत्री का नाम है, उन्हें सदन में आना चाहिए । इस पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि विपक्ष के नेता सदन को गुमराह कर रहे हैं और विपक्ष चर्चा से बचने की कोशिश कर रहा है।

इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी बहस हुई। हंगामे के बीच कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दलों के सांसदों ने नारेबाजी की और सदन से वॉकआउट कर दिया। इसके बाद सदन में विधेयक पर चर्चा जारी रही।

विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं: रिजिजू

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में जारी गतिरोध के बीच संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को कहा कि वह मौजूदा स्थिति से निराश हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में पहली बार वे ऐसी स्थिति देख रहे हैं, जब सरकार खुद संसद में चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से पीछे हट रहा है। किरण रिजिजू ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं पूरी तरह निराश हूं। पहली बार अपने जीवन में ऐसी स्थिति देख रहा हूं, जहां सरकार संसद में चर्चा चाहती है लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा है।

उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में सामान्य तौर पर विपक्ष चर्चा की मांग करता है और सरकार उस पर जवाब देती है लेकिन मौजूदा स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। उन्होंने कहा कि सरकार स्पष्ट रूप से कह रही है कि वह चर्चा कराने और सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष सरकार का जवाब सुनना नहीं चाहता। रिजिजू ने कहा कि लोकतंत्र के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने विपक्ष के सामने बार-बार चर्चा के लिए अपनी सहमति और तत्परता जाहिर की लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं हो रहा है।

मुंबई के घाटकोपर में पहाड़ी धसी, मलबा घरों पर गिरा, 7 की मौत

एजेंसी

मुंबई (महाराष्ट्र)। मुंबई के उपनगर घाटकोपर के अशोक नगर में बुधवार को तड़के पहाड़ी का हिस्सा धसककर गौसिया चॉल के छह घरों पर गिर जाने से 7 लोगों की मौत हो गई है। कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और पुलिस जवान राहत और बचाव अभियान में लगे हुए हैं।क्षेत्रीय पुलिस उपायुक्त ने बताया कि यह हादसा तड़के करीब सवा तीन बजे का है। भूस्खलन के मलबे से अब तक 7 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। अभी भी करीब छह लोगों के दबे होने की आशंका है।

मुंबई की महापौर रितु तावड़े ने बताया कि मलबे की चपेट में कई घर आए हैं। इलाके के कुछ घरों को नोटिस जारी किए गए थे। अब पूरे मामले की समीक्षा की जाएगी। उपनगर जिलाधिकारी ने मृतकों के परिजनों को ३-३ लाख रुपये की आर्थिक मदद दिए जाने की घोषणा की है। जिलाधिकारी के अनुसार, प्रशासन की पहली प्राथमिकता मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना और आसपास के जोखिम वाले घरों को सुरक्षित करना है। राहत और बचाव कार्य जारी है।

सरकार संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन पर चर्चा को तैयार : शाह

एजेंसी

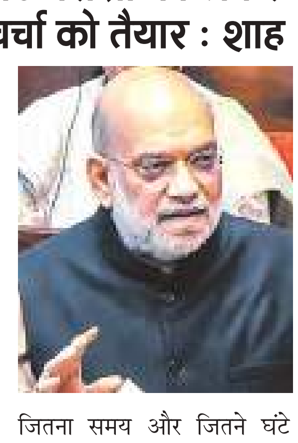

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा कि सरकार संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से चर्चा कर इस विषय पर पर्याप्त समय आवंटित करने का अनुरोध किया है।

अमित शाह ने पत्र में कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सरकार की ओर से संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा के लिए सहमति दी है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के आग्रह पर पहले ही संसद के मौजूदा सत्र में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा हो चुकी है, जिसमें विपक्ष के किसी भी सांसद ने नीट परीक्षा के संबंध में सदन में कोई विचार व्यक्त नहीं किया। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए फिर तैयार है।

गृहमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि विपक्ष से चर्चा कर आपसी सहमति से आज से जितना समय और जितने घंटे उचित समझें, उतना समय इस मुद्दे पर चर्चा के लिए आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय के दौरान वह सदन में उपस्थित रहकर इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेना चाहते हैं और विपक्ष के सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हैं।

शाह ने कहा कि लोकतंत्र में चर्चा और संवाद से ही समाधान निकलता है। उन्होंने कहा कि उन्हें लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है और उनका मानना है कि सदन चर्चा और संवाद के लिए ही है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से विपक्ष के नेताओं से चर्चा कर इस महत्वपूर्ण विषय पर सदन में अच्छा वातावरण बनाने का आग्रह किया ताकि पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्य इस मुद्दे पर अपने विचार प्रस्तुत कर सकें।

विश्व एलीफेंट दिवस : हाथी संरक्षण में अति महत्वपूर्ण स्थान है मध्य प्रदेश का

- भारत में एशियाई हाथियों की वैश्विक संख्या की 60 प्रतिशत आबादी पाई जाती है
- केरल और दक्षिण भारत के मंदिरों में हाथियों का विशेष स्थान जगजाहिर है

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के शैलचित्रों से लेकर कला, साहित्य और राजकीय प्रतीकों तक में हाथियों की मौजूदगी हजारों वर्षों से दर्ज है। करोड़ों वर्ष पहले जीवाश्म, जो यहां संग्रहालयों में भी रखे हुए है, यह दर्शाते हैं कि मध्य प्रदेश विश्व के प्राचीनतम हाथी क्षेत्रों में से एक रहा है। भारत में एशियाई हाथियों की वैश्विक संख्या की 60 प्रतिशत आबादी पाई जाती है। इस दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय परिपेक्ष्य में हाथी संरक्षण में मध्य प्रदेश का अति महत्वपूर्ण स्थान है।

यह जानकारी बुधवार को विश्व एलीफेंट दिवस पर राज्य पुरातत्व संग्रहालय परिसर भोपाल में इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) भोपाल चैप्टर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दी गई। पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि मध्य प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में आदिकाल से हाथियों का विशिष्ट स्थान रहा है। हमारी कला, संस्कृति तथा साहित्य में निरंतरता से उनका वर्णन हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के शैलचित्रों में हाथियों का चित्रण हजारों वर्ष से होना इस बात का प्रतीक है कि ये हमारी सामाजिक संरचना के साथ बहुत ही गहराई से जुड़े हुए हैं।

इंटेक, भोपाल चेप्टर कन्वीनर मदन मोहन उपाध्याय ने बताया कि प्रोजेक्ट गजलोक का मध्य प्रदेश में विशेष महत्व है, और पिछले एक वर्ष से इंटेक, प्रदेश के सभी क्षेत्रों में हाथी से जुड़ी गाथाओं उनकी युद्ध में भूमिका, कला तथा संस्कृति में और लोकगाथाओं में उनके चित्रण का डॉक्यूमेंटेशन कर रहे है।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट को संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है, हम संस्थागत पार्टनर के रूप में भूमिका निभा रहे है।

कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. व्यास द्वारा गजलोक-वाइल्ड-सेक्रेड-ईटरनल फिल्म का विमोचन किया। इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से बेहतर जनजागृति लाने का प्रयास किया गया है। फिल्म में भारतीय हाथियों के सामान्य विचरण के बारे में बताया गया है। केरल और दक्षिण भारत के मंदिरों में हाथियों का विशेष स्थान जगजाहिर है।

मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के गौतम हाथी का विशेष स्थान है। गढ़ा मंडला, गिन्नौरगढ़ के गौंड साम्राज्य में भी हाथी राजकीय चिन्ह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। धार राज्य की मुद्रा पर भी हाथी का निशान विद्यमान था। इसी प्रकार सांची के विश्व प्रसिद्ध यूनेस्कों स्मारक में जितना सुंदर चित्रण हाथियों का किया गया है, उतना शायद ही विश्व में किसी दूसरे स्थान पर देखने को मिले। गजलक्ष्मी के रूप में गज का चित्रण भी आता है। गणेश जी तो हमारे आराध्य देव अंनतकाल से हैं।

इंटेक भोपाल ने आग्रह किया है कि हाथियों से संबंधित जो भी कथा, कहानी या जानकारी विद्यमान हो उसे साझा किया जाये, जिससे उसे राष्ट्रीय अभिलेख में समाहित किया जा सके। कार्यक्रम में वन्यप्रेमी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।
प्रबंधक

आवश्यकता
हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।
email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी ने दृष्टि-विचार-वचन और कर्म से जन-मन जीतने का दिया संदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं की भूमिका और उनके सेवाभाव की सराहना करते हुए कहा कि युवा देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति भी हैं। प्रधानमंत्री ने बुधवार को एक्स पर सुभाषित साझा करते हुए लिखा कि देश के युवा अपनी संवेदनशीलता, सेवाभाव और सामर्थ्य के माध्यम से दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने संस्कृत का यह सुभाषित साझा किया, चक्षुषा मनसा वाचा कर्मणा च चतुर्विधम्। प्रसादयति यो लोकं तं लोकोऽनुप्रसीदति।। इस सुभाषित का अर्थ है कि जो व्यक्ति अपने दृष्टिकोण, विचारों, वचनों और कर्मों से जन-मन जीतता है, वह बदले में लोगों का विश्वास, सम्मान और सद्भावना अर्जित करता है।

एन. चंद्रशेखरन ने किया टाटा समूह के अध्यक्ष पद से हटने का ऐलान

नई दिल्ली। देश के अग्रणी उद्योग समूह टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने घोषणा की कि वह अपने वर्तमान कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को समाप्त होने पर पुनर्नियुक्ति के लिए अपना नाम प्रस्तुत नहीं करेंगे। उन्होंने बोर्ड से शीघ्र उनका उत्तराधिकारी चुनने का अनुरोध किया है। आयु में 63 वर्ष के हो चुके चंद्रशेखरन ने बुधवार को अपने वक्तव्य में कहा कि टाटा समूह में उनके पेशेवर जीवन के 40 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस प्रतिष्ठित संस्थान में योगदान देना उनके लिए अत्यंत संतोषजनक रहा है। पिछले एक दशक से टाटा संस का नेतृत्व करना उनके लिए बड़ा सम्मान और गहरी जिम्मेदारी रही है। चंद्रशेखरन ने स्पष्ट किया कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से उनका अगला कार्यकाल पांच वर्षों के लिए बढ़ाने की सिफारिश की थी।

विदेशी फंडिंग से जुड़ा एफसीआरए विधेयक जेपीसी को भेजा गया

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' को संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया। संयुक्त समिति में लोकसभा के 21 सदस्य और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल होंगे। इन्हें लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति नामित करेंगे। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने आज विधेयक को संयुक्त समिति को भेजे जाने का प्रस्ताव रखा।

संक्षिप्त खबरें

1.65 करोड़ रिश्वत देने में शामिल कंपनी के प्रोपराइटर की याचिका पर हाई कोर्ट में फैसला सुरक्षित

रांची। हाई कोर्ट में मेसर्स जील इंडिया केमिकल्स रांची के प्रोपराइटर अजय जालान की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई की। मामले में कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। अजय जालान ने पीएमएलए कोर्ट द्वारा डिस्चार्ज पिटीशन खारिज और उन पर आरोप गठित करने को चुनौती दी है। मामले में ईडी की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरभ कुमार ने पक्ष रखा था। दरअसल मेकान के सीनियर मैनेजर मेटालर्जिकल विंग यूएन मंडल ने दो कंपनियां शिव मशीन टूल चेन्नई और जील इंडिया केमिकल रांची को अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कार्यदेश दिया था। मामले को लेकर सीबीआई ने 30 अक्टूबर 2017 को प्राथमिकी दर्ज की थी। ईडी ने इसी केस को आधार बनाते हुए एउक्फ़दर्ज किया था। आरोप है कि मेकान के सीनियर मैनेजर ने उक्त दोनों कंपनियों को कार्यदेश देने के लिए 1.65 करोड रिश्वत ली थी।

मारवाड़ी भवन में सजेगा बाबा श्याम का दरबार, 23 को होगा भव्य अखंड ज्योति पाठ

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा के तत्वावधान में 23 अगस्त को श्याम अखंड ज्योति पाठ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। शाखा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित यह धार्मिक कार्यक्रम हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पाठ वाचक श्याम रतन श्री श्याम अचपाल एवं ग्रुप द्वारा प्रस्तुत भव्य नृत्य नाटिका, श्याम कथा और अखंड ज्योति पाठ होगा। इस दौरान अलौकिक झूले का श्रृंगार, मनमोहक झांकियां, इत्र एवं पुष्प वर्षा और छप्पन भोग के साथ पूरा वातावरण हारे का सहारा, श्याम हमारा के जयघोष से गुंजायमान रहेगा।सुख-शांति और समृद्धि का प्रतीक है अखंड ज्योति संस्था की संस्थापिका अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजिका सुमिता लाठ ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में धार्मिक भावना को बढ़ावा देना और श्रद्धालुओं को श्याम बाबा के चरणों से जोड़ना है। मान्यता है कि अखंड ज्योति पाठ से परिवारों में सुख, शांति और समृद्धि आती है। आयोजन में शामिल होने के लिए प्रवेश कार्ड पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिए जा रहे हैं। श्रद्धालु श्याम मंदिर (हरमू रोड), श्याम मंदिर (अग्रसेन भवन) और रानी सती मंदिर (रातू रोड) से प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

1 महीने से तैयारियों में जुटी हैं महिला सदस्य

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्था की सदस्याएं पिछले एक महीने से निरंतर तैयारियों में लगी हुई हैं। आयोजन समिति में संयोजिका विनीता बिहानी, ज्योति अग्रवाल, विनीता सिंघानिया, निर्मला बागड़िया के साथ सह संयोजिका हेमा पोद्दार, कोमल पोद्दार, वेदिका सिंघानिया, रंजू मालपानी और नेहा बगड़िया सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

डिविजन सिक्यूरिटी कमिश्नर आशिष कुमार पांडेय सेक्यूरिटी शिल्ड से नवाजे गये

वरीय संवाददाता

रांची। रेलवे के चारो डिविजन में से हर साल किसी एक डिविजन को सभी मामलों में बेहतर कार्यों के पुरस्कृत किया जाता है। इसी के तहत बुधवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान इस बार 2026 के लिये रांची डिविजन को यात्रियों की सुरक्षा,अपराध नियंत्रण, रेलवे परिसर में बेहतर कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए चुना गया ।

इस सम्मानित कार्य के लिए द0पू रेलवे के जीएम अनिल कुमार जैन ने रांची डिविजन की पुरी टीम के नेतृत्वकर्ता डिविजन के सेक्योरिटी कमिश्नर आशिष कुमार पांडये को शील्ड अवार्ड देकर हौसला अफजायी किया।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यह सम्मान पुरस्कार डीएससी, आरपीएफ रांची के नेतृत्व में रांची मंडल में यात्रियों की सुरक्षा संदिग्ध एंव अमाजिक तत्वों के खिलाफ शख्त कारवाई, सतर्क गश्त, अवैध गतिविधियों पर अंकुश और रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा के लिए किये जा रहे लगातार काशिशों की सराहना के लिए नवाजा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक साल में आरपीएफ रांची द्वारा यात्रियों की सुरक्षा को सबसे ज्यादा प्राथमिक्ता के आधार पर विशेष अभियानों व जांच अभियान में सफल संचालन किया गया। साथ ही ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते के तहत गुमशुदा एंव जरुरतमंद बच्चों को सुरक्षित बरामद परिजनों व बाल कल्याण समिति तक पहुंचाने, ऑपरेशन आहट के तहत मानव तस्करी पर शख्त कारवाई करने, ऑपरेशन नार्कोस और ऑपरेशन सतर्क, मादक पदार्थों, आवैध शराब तस्करी जैसे अन्य अभियानों की जिम्मेदारी पुरी ईमानदारी से निभायी गयी।कहा आरपीएफ रांची के अधिकारियों पदाधिकारियों व जवानों व कर्मियों ने सिर्फ अपराधियों के खिलाफ कारवाई नहीं की बल्कि इमरजेंसी में यात्रियों की मदद बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा सहित जरुरतमंदों के लिए भी बढ़ चढ़ कर जिम्मेदारी निभाते रहे।

मौके पर द0पु0 रे के जेनेरल मैनेजर अनिल कुमार जैन ने कहा आरपीएफ रांची की इस उपलब्धि से रांची मंडल के पुरी टीम बधाई के हकदार हैं, साथ ही इनमें हर्ष का मौहौल है, श्री जैन ने कहा आने वाले समय में भी आरपीएफ रांची की टीम को और अधिक उत्साह, उर्जा और प्रतिबद्धता से काम करने के लिए प्रेरित करता हूं।

रांची रेलवे स्टेशन के गेट पर वंदे मातरम् व देश भक्ति गीत शो आयोजित किया गया

वरीय संवाददाता

रांची। बुधवार को आरपीएफ बैंड (जेड टी आई ,के जी पी) ने रांची रेलवे स्टेशन के मेन गेट पर दोपहर 3 बजे से 4,30 बजे तक राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के साथ-साथ दूसरे देशभक्ति के गाने भी गाए। इस परफॉर्मेंस को बच्चों, कुलियों और आरपीएफ कर्मियों समेत लगभग 500-600 यात्रियों ने लुत्फ उठाया, पूरा कार्यक्रम एएससी रांची की देखरेख में सम्पन्न हुआ।

प्रोग्राम को लोगों ने खूब पसंद किया और स्टेशन पर देशभक्ति का माहौल बन गया।

8 लाख कीमत की 16 किलो गांजा के साथ आरपीएफ के हत्थे चढ़ा तस्कर

वरीय संवाददाता

रांची। डिविजनल कमांडेंट के निर्देश पर आरपीएफ रांची की टीम ने यात्रियों की सुरक्षा और नशीली पदार्थों व धंधेबाजों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के दौरान रांची स्टेशन पर मौर्य एक्सप्रेस ट्रेन नम्बर 15027 से उतर रहे एक संदिग्ध लड़के को हिरासत में लेकर उसके पास से 8 लाख कीमत की 16 किलो गांजा बरामद कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। आरपीएफ के हत्थे चढ़ा युवक सुमित कुमार एक भारी ट्रॉली बैग और एक पिट्ठु बैग लेकर जैसे ही ट्रेन नम्बर 15027 से उतरा वैसे ही हर संदिग्ध पैंसेंजरों पर कड़ी नजर गड़ाये आरपीएफ के जवानों ने उसे देखा, जिसकी पुलिस पर नजर पड़ते ही चेहरे के रंग बदल गये वह घबरा गया, यह देख आरपीएफ टीम ने उसे रोक कर पूछताछ की जिसमें उसने खुद को

बक्सर का रहने वाला सुमित कुमार बताया उसने बताया कि वह उड़िसा के काटा भाजी से गांजा लेकर मौर्या एक्सप्रेस में चढ़ा था और उसे बक्सर जाना था। उसने अपने बैग व ट्रॉली बैग में रखे गांजा होने की जानकारी दी। उसके बाद टीम के पदाधिकारियों फौरन इसकी सूचना अपने सहायक सुरक्षा आयुक्त प्रताप सिंह नेगी को दी,सूचना मिलते ही श्री नेगी रांची रेलवे स्टेशन पहुंच गये उसके बाद आरोपी गांजा तस्कर से विस्तृत जानकारी हासिल करने के बाद उक्त दोनों बैगों को खुलवाया जहां से टीम ने 13 पैकेटों पैक कुल 16 किलो गांजा जब्त किया। रेलवे अधिकारियों ने जब्त गांजा की बाजार कीमत 16 लाख रुपये बताये हैं। सभी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरपीएफ ने आगे क कारवाई के लिए गिरफ्त में आये गांजा तस्कर सुमित कुमार को गांजा सहित जीआरपी के हवाले कर दिया जहां से उसे जेल भेज दी गयी।

विधान सभा की सरकारी आश्वासन समिति के सदस्य मिले विधानसभा अध्यक्ष से

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड विधान सभा की सरकारी आश्वासन समिति के सभापति सदस्य अरूप चटर्जी एवं आश्वासन समिति सदस्य कुमार उज्ज्वल सदस्या ममता देवी ने बुधवार को झारखंड विधान सभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो से भेंट कर समिति के 50वें, 51वें एवं 52वें प्रतिवेदनों की प्रतियां पेश कीं।

इस अवसर पर सदस्य उदय शंकर सिंह भी उपस्थित रहे।

समिति द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन विभागों के मंत्री द्वारा सदन में दिए गए आश्वासनों के क्रियान्वयन की समीक्षा पर आधारित है। इसमें वर्ष 2010 से अब तक लंबित सरकारी आश्वासनों की स्थिति तथा उनके निष्पादन के लिए आयोजित विभागीय एवं समीक्षात्मक बैठकों की जानकारी दी गई है। समिति द्वारा अपने रिपोर्ट में आश्वासनों पर ली गई कार्रवाई अतिरिक्त अपने प्रतिवेदन में कुल 4 अनुशंसाएं भी की हैं। समिति ने अपनी अनुशंसाओं में कहा है कि विभागीय अधिकारी लंबित आश्वासनों के क्रियान्वयन में रुचि लें तथा सरकार इस आशय की सूचना भी उन्हें प्रदान करे। लंबित आश्वासनों के क्रियान्वित होने से लोकहित के विषय स्वतः अंगीकृत हो जाते हैं, इसलिए सरकार इस पर विशेष ध्यान दे। समिति ने यह भी अनुशंसा की है कि सरकारी आश्वासन समिति की विभिन्न बैठकों में विभागीय अधिकारियों को दिए गए निर्देशों का राज्यहित में अक्षरशः पालन करना सुनिश्चित किया जाए । लंबित आश्वासनों के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के लिए अलग से एक इमरजेंसी सेल का भी गठन किया जाए सरकारी आश्वासन समिति द्वारा शिक्षा विभाग से जुड़े कई लंबित मामलों की प्रगति की जानकारी दी गई।

मधुकम दखल दिहानी केस में महादेव उरांव की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज, जिनका घर टूटा उन्हें महादेव देगा पैसा

वरीय संवाददाता

रांची। रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मधुकम बस्ती में चर्चित दखल दिहानी के मामले में झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज हो गई है। झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दखल दिहानी का दावा करने वाले महादेव उरांव ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसपर बुधवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए महादेव उरांव की याचिका खारिज कर दी।

महादेव उरांव के ऊपर 12 लाख रुपये का लगा जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस मनमोहन की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। महादेव उरांव ने झारखंड हाईकोर्ट के 31 जुलाई के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें झारखंड हाईकोर्ट ने रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मधुकम बस्ती में अतिक्रमण हटाने के नाम पर की गई कार्रवाई को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए दखल दिहानी की प्रक्रिया और आदेश को खत्म कर दिया था। साथ ही हाईकोर्ट में तथ्य छुपाकर याचिका दायर करने वाले महादेव उरांव के ऊपर 12 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। झारखंड हाईकोर्ट ने महादेव उरांव को निर्देश दिया है, कि वह यह राशि उन लोगों को देंगे जिनका घर टूटा है। अदालत ने यह जुर्माना इसलिए लगाया है, क्योंकि महादेव उरांव ने रिट याचिका दाखिल करते समय हस्तक्षेपकताओं के साथ हुए एग्रीमेंट और उनसे पैसे लेने की जानकारी कोर्ट से छुपाई थी। सुप्रीम कोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद अब महादेव उरांव को उन पीड़ितों को पैसों का भुगतान करना होगा जिनके घर टूटे हैं।

बुजुर्गों की सेवा और आशीर्वाद हमारी सबसे बड़ी धरोहर : अनुपमा प्रसाद

वरीय संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की सचिव अनुपमा प्रसाद ने कहा है कि बुजुर्गों की सेवा और आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी धरोहर है और समाज के हर एक व्यक्ति को इसका ध्यान रखना चाहिये। श्रीमती प्रसाद ने कहा कि आजकल की युवा पीढ़ी बुजुर्गों के अनुभव को दरकिनार कर नजरअंदाज कर देती है और यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है. स्वर कोकिला श्रीमती सरोजिनी नायडू के द्वारा स्थापित अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पखवाड़ा भर आयोजित कार्यक्रम के तहत आज बरियातु स्थित ओल्ड एज होम में सम्मेलन की बरियातु शाखा के द्वारा सेवाभाव से सामूहिक भोज का आयोजन किया गया. इस दौरान सम्मेलन की पदाधिकारियों और सदस्यों ने आज अपना पूरा दिन बुजुर्ग महिलाओं और पुरूषों के साथ व्यतीत किया. साथ में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बुजुर्गो ने गीत गाकर माहौल को खुशनुमा बना दिया. उनके मध्य हाउजी एवं अन्य खेलों का भी आयोजन किया गया साथ ही उपहार वितरित किये गये।

सीएजी रिपोर्ट ने खोली सरकार की विफलताओं की पोल : बाबूलाल

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने हेमंत सरकार की प्रशासनिक अक्षमता, योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही और वित्तीय अनियमितताओं की गंभीर तस्वीर सामने रखी है। गरीबों के घर, ग्रामीण रोजगार और हर घर तक नल से जल पहुंचाने जैसी बुनियादी योजनाओं में भी सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास को लेकर केवल लंबी-लंबी बातें करती है परंतु जमीनी हकीकत इससे इतर है। सरकार का डाटा ही उनकी पोल खोल रहा है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में टेंडर प्रक्रिया और काम की गति को

लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। कई निविदाओं में बेहद कम प्रतिस्पर्धा रही और कुछ मामलों में अनुमानित लागत से अधिक दर पर काम दिए गए। सीएजी ने एक ऐसे संवेदक को भी अलग-अलग निविदाओं के माध्यम से करीब 148 करोड़ के काम दिए जाने पर सवाल उठाया, जिसकी निविदा क्षमता नकारात्मक थी। उन्होंने कहा कि कुछ निविदाओं में मिलीभगतपूर्ण बोली के संकेत भी सीएजी जांच में सामने आए। रांची-पूर्वी और खूंटी प्रमंडल की निविदाओं में केवल दो बोलीदाता थे और जांच में दोनों के डिमांड ड्राफ्ट एक-दूसरे द्वारा खरीदे जाने की बात सामने आई।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में राज्य सरकार की देरी का खामियाजा गरीब परिवारों को भुगतना पड़ा। लक्ष्य और लाभार्थियों को अंतिम रूप देने में हुई देरी के कारण 22.34 लाख पात्र परिवारों में से 6.32 लाख परिवार योजना से बाहर रह गए।

रिम्स में बढ़ेंगी मेडिकल की सीटें, 250 यूजी और 275 पीजी सीट करने की तैयारी

वरीय संवाददाता

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की बुधवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में रिम्स के विकास कार्यों की समीक्षा हुई। बैठक में मेडिकल सीटों के साथ अस्पताल की सुविधाओं और व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी चर्चा की गई। रांची में मेडिकल शिक्षा को और बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है। रिम्स में यूजी की सीटें 180 से बढ़ाकर 250 करने की योजना है। इसके लिए डीपीआर तैयार किया जा रहा है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने सीट बढ़ाने को सैद्धांतिक रूप से शर्तों के साथ मंजूरी दी है। पीजी की सीटें 176 से बढ़ाकर 275 करने और पोस्ट-पीजी की सीटें 11 से बढ़ाकर 100 करने की भी योजना है। इन दोनों के लिए भी डीपीआर तैयार करने और जरूरी प्रक्रिया पूरी करने पर चर्चा हुई। सीटें बढ़ने के साथ रिम्स के पुराने आईपीडी, ओपीडी और एकेडमिक ब्लॉक का विस्तार और रेनोवेशन भी किया जाएगा। इसके लिए करीब 380 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह प्रस्ताव सेंट्रल स्पॉन्सर्ड स्कीम के तहत भेजा जाएगा। रिम्स के नॉर्थ और साउथ कैंपस में बने हॉस्टल और क्वार्टर के रेनोवेशन को भी इसी योजना में शामिल किया जाएगा। पीजी और पोस्ट-पीजी हॉस्टल के अलावा स्टेडियम कॉम्प्लेक्स को भी विकसित करने की तैयारी है। इन कामों को पीपीपी मोड पर कराने का प्रस्ताव है। इसके लिए करीब 450 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। बैठक में रिम्स में मरीजों के एडमिशन और डिस्चार्ज की व्यवस्था को लेकर भी निर्देश दिए गए. अपर मुख्य सचिव ने इसके लिए स्पष्ट एसओपी बनाने को कहा।

जेपीएससी- जेएसएससी अभ्यर्थियों का आंदोलन 19वें दिन भी जारी

भूख हड़ताल पर डटे छात्र, सीएम से सीधी बातचीत की मांग

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन लगातार जारी है। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में चल रहा छात्रों का प्रदर्शन बुधवार को 19वें दिन में प्रवेश कर गया। आंदोलनकारी छात्र अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अब भी धरना और भूख हड़ताल पर डटे हुए हैं।छात्र नेताओं का कहना है कि जब तक सरकार उनकी प्रमुख मांगों पर ठोस फैसला नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सीधे बातचीत की मांग कर रहे हैं।

डीसी, एसएसपी और सिटी एसपी पहुंचे थे धरना स्थल

स्टूडेंट लीडर रवींद्र पासवान ने बताया कि प्रशासन की ओर से डीसी, एसएसपी और सिटी एसपी धरना स्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने भूख हड़ताल कर रहे छात्रों से हड़ताल समाप्त करने की अपील की, लेकिन छात्रों ने इससे इनकार कर दिया। पासवान ने कहा कि छात्रों की मांगों को लेकर सरकार को गंभीरता से पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक सरकार उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लेती।

इन परीक्षाओं को रद्द करने की मांग

आंदोलनकारी छात्रों की प्रमुख मांगों में 14वीं जेपीएससी परीक्षा, जेएसएससी-सीजीएल 2024 और टीडीपीएल एजेंसी से जुड़ी परीक्षाओं को रद्द करना शामिल है। इसके अलावा छात्र इन परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच और भर्ती प्रक्रिया में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि सरकार की ओर से कुछ सुधारों और रिव्यू को लेकर सहमति बनी है, लेकिन परीक्षा रद्द करने और सीबीआई जांच की मांग पर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

10 अगस्त को विधानसभा घेराव के दौरान हुआ था विवाद

इस आंदोलन के दौरान 10 अगस्त को विधानसभा घेराव का भी कार्यक्रम हुआ था। इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों और पुलिस के बीच विवाद की स्थिति बनी थी।

स्टूडेंट लीडर रवींद्र पासवान ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूरे मामले को गंभीरता से लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यदि छात्रों की मांगों पर जल्द ठोस पहल नहीं हुई तो आंदोलन आगे चलकर बड़े जन आंदोलन का रूप ले सकता है।

सरकार और छात्रों के बीच गतिरोध जारी

जेपीएससी- जेएसएससी परीक्षा विवाद को लेकर सरकार और आंदोलनकारी छात्रों के बीच बातचीत के बावजूद कई मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई है। छात्र लगातार परीक्षा रद्द करने, सीबीआई जांच और भर्ती प्रक्रिया में सुधार की मांग पर अड़े हुए हैं।

15 अगस्त को लेकर अलर्ट

दिल्ली पुलिस की 19 वांटेड आतंकियों की लिस्ट में झारखंड के भी 2 नाम

वरीय संवाददाता

रांची। स्वतंत्रता दिवस को लेकर दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर है। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने 19 मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची जारी की है, जिसमें झारखंड से जुड़े दो आतंकियों भी शामिल हैं। लिस्ट में शामिल चतरा निवासी अबू सूफियान और जमशेदपुर के आजादनगर निवासी सैयद मोहम्मद अर्शियान अल-कायदा से जुड़े हैं। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने 19 मोस्ट वांटेड आंतकियों के पोस्टर सार्वजनिक स्थानों पर लगाए हैं। पुलिस की ओर से जारी पोस्टरों में देश के अलग-अलग हिस्सों से जुड़े अन्य वांटेड आतंकियों के नाम और तस्वीरें भी शामिल हैं। इनमें अल-कायदा और इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े संदिग्ध आतंकियों के अलावा खालिस्तानी आतंकी संगठनों से जुड़े नाम भी हैं।

सूची में मोहम्मद शर्जील अख्तर का नाम भी शामिल है। उसके संबंध अल-कायदा और इंडियन मुजाहिदीन से बताए गए हैं। वहीं रियाज भटकल और शबांदरी मोहम्मद इकबाल उर्फ इकबाल भटकल का नाम इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े आतंकियों के रूप में शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

39 दिन में पत्नी के बाद पति ने भी दुनिया को कहा अलविदा, राकोमयू सचिव गुप्तेश्वर चौहान का हार्ट अटैक से निधन

बेरमो/ बोकारो। राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के अमलो प्रोजेक्ट सचिव सह सीसीएल कर्मी गुप्तेश्वर चौहान (58 वर्ष) का मंगलवार देर रात आकस्मिक निधन हो गया। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन उन्हें केंद्रीय अस्पताल ढोरी ले गए, जहां चिकित्सक डॉ० अंकित गौरव ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। निधन की खबर मिलते ही ढोरी स्टाफ क्वार्टर स्थित उनके आवास सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के लिए यह हादसा बेहद पीड़ादायक है। महज 39 दिनों के भीतर परिवार ने पहले मां और अब पिता को खो दिया। गौरतलब है कि गत चार जुलाई को गुप्तेश्वर चौहान की पत्नी इंद्रमणि देवी (50 वर्ष) का रांची स्थित ऑर्किड अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। उस समय अंतिम संस्कार के दौरान बेटी द्वारा अपनी मां की अर्थी को कंधा देने का मार्मिक दृश्य देख वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई थीं। परिवार अभी इस दुख से उबर भी नहीं पाया था कि गुप्तेश्वर चौहान के अचानक निधन ने उसे एक बार फिर गहरे सदमे में डाल दिया। उनके निधन से सीसीएल कर्मियों और राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के सदस्यों में शोक की लहर है। सहकर्मियों और यूनियन नेताओं ने कहा कि गुप्तेश्वर चौहान के निधन से संगठन और मजदूर वर्ग ने एक समर्पित, कर्मठ और संघर्षशील साथी खो दिया है। उनके निधन को संगठन के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया।

स्वदेशी कृषि से ही साकार होगा स्वाधीन और स्वावलंबी भारत का सपना: सिन्हा

बोकारो। कोई भी देश तब तक वास्तव में आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक उसके नागरिक खुद आत्मनिर्भर न हों। इसी सोच के साथ स्वावलंबी भारत अभियान के तहत स्वदेशी राष्ट्रीय मेला प्रमुख सचिंद्र बरियार के मार्गदर्शन में स्वदेशी जागरण मंच और स्वदेशी कृषि प्रकोष्ठ (बोकारो) ने सिजुआ गांव में एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ए.के. सिन्हा ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसानों को आधुनिक और स्वदेशी तकनीकों से जोड़ना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सिर्फ फैक्ट्रियों और उद्योगों के दम पर भारत आत्मनिर्भर नहीं बन सकता, इसके लिए खेती को ही सबसे मजबूत आधार बनाना होगा। उन्होंने गोबर और गौमूत्र पर आधारित 'अमृत कृषि पद्धति' अपनाकर रसायन-मुक्त खेती करने की अपील की। राजेंद्र तिवारी ने जहर-मुक्त खेती को सेहत के लिए वरदान बताया, वहीं किसान राजेश सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियानों से पारंपरिक खेती में नई संभावनाओं की रोशनी मिलती है।

पतंजलि योग महिला समिति ने सावन महोत्सव में बिखेरी लोक संस्कृति की छटा

बोकारो। पतंजलि योग महिला समिति के तत्वावधान में बुधवार को सेक्टर-4 स्थित शिबू सोरेन स्मृति हॉल में सावन महोत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया। सावन के आगमन की खुशी में हरे रंग की पारंपरिक साड़ियों और आकर्षक आभूषणों से सजी महिलाओं ने लोकगीत, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लिम्काज होटल की संचालिका वीणा गुप्ता, भावना गुप्ता तथा चास नगर निगम के मेयर भोलू पासवान की पत्नी छाया पासवान शामिल हुईं। आयोजन समिति की ओर से सभी अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत और सम्मान किया गया। महोत्सव के दौरान महिलाओं ने सावन गीत, कजरी और झूमर लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का खूब मनोरंजन किया।

सेविका-सहायिकाओं ने सावन महोत्सव में मनाई परंपरा और संस्कृति की खुशियां

बोकारो। जरीडीह प्रखंड की तांतरी दक्षिणी पंचायत स्थित नूतनडीह आंगनबाड़ी केंद्र में बुधवार को सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। तांतरी उत्तरी, तांतरी दक्षिणी और खुटरी पंचायत की दर्जनों सेविकाओं व सहायिकाओं ने एकजुट होकर उत्साहपूर्वक महोत्सव मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गायत्री देवी ने की, जबकि मंच संचालन रेनू कुमारी और अनीता देवी ने संयुक्त रूप से किया। महोत्सव का शुभारंभ केक काटकर एक-दूसरे को बधाई देने के साथ हुआ।

16वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में डीपीएस बोकारो के आदि आयुष्मान ने फिर बिखेरा जलवा

2 स्वर्ण सहित तीन पदक जीत बढ़ाया जिले का मान

जोनल और प्री-नेशनल के लिए किया क्वालीफाई, विद्यालय परिवार ने किया सम्मानित

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के 12 वीं कक्षा के होनहार विद्यार्थी आदि आयुष्मान ने एक बार फिर निशानेबाजी में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा है। राज्यस्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में लगातार चौथे वर्ष आदि ने पूरे झारखंड में अपनी तीक्ष्ण निशानेबाजी का लोहा मनवाते हुए पहला स्थान पाया और स्वर्णिम विजय अपने नाम दर्ज की। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में पिछले दिनों आयोजित 16वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में दो स्वर्ण सहित तीन पदक जीतकर उसने पुनः अपने विद्यालय और जिले को गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता की ओपन साइट 50 मीटर राइफल शूटिंग मेन इंडिविजुअल और ओपन साइट 50 मीटर जूनियर राइफल शूटिंग इंडिविजुअल, दोनों स्पधाओं में आदि ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा एक-एक स्वर्ण पदक जीता।

वहीं, पीप साइट 50 मीटर राइफल शूटिंग यूथ इंडिविजुअल स्पर्धा में भी उम्दा निशानेबाजी का परिचय देते हुए तीसरा स्थान पाने के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही आदि आयुष्मान ने आसनसोल में ही आगामी 25-30 अगस्त 2026 को होनेवाली 10वीं ईस्ट जोनल शूटिंग प्रतियोगिता (पिस्टल/राइफल) के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

इसके अलावा, इस साल पंजाब में नेशनल से पहले होने वाली सबसे प्रमुख प्री-नेशनल प्रतियोगिता ऑल इंडिया जी.वी. मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप में भी वह भाग लेगा, जिसकी तिथि बाद में घोषित की जाएगी। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन से संबद्ध झारखंड स्टेट राइफल एसोसिएशन की ओर से आयोजित उक्त राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में झारखंड के रांची, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, खूंटी, धनबाद, देवघर, गिरिडीह, गढ़वा एवं लोहरदगा जिलों के दर्जनों प्रतिभागियों ने भाग लिया था। अपने विद्यालय के छात्र की इस शानदार उपलब्धि पर बुधवार को डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने उसे मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा बधाई देते हुए जोनल व राष्ट्रीय स्तर पर भी दमदार प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य ने कहा कि आदि की यह सफलता न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे जिले के लिए भी अत्यंत ही गर्व का विषय है।

विद्यालय अपने छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को निखारने का हर अवसर प्रदान करता है। डीपीएस बोकारो में स्थापित विद्यालय स्तर पर जिले के प्रथम शूटिंग प्रशिक्षण केन्द्र अभिनव बिन्द्रा शूटिंग रेंज में दर्जनों विद्यार्थी निशानेबाजी के गुर सीख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आदि आयुष्मान ने इसके पहले भी लगातार तीन वर्षों तक राज्य स्तर की राइफल शूटिंग प्रतियोगिताओं में अपने कौशल का परचम लहराया है। इस क्रम में शूटिंग के नेशनल खिलाड़ी रह चुके अरिंदम बोस को भी हराकर वह पूर्व में अपनी सुनहरी जीत हासिल कर चुका है। आदि आयुष्मान छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पदस्थापित सीआरपीएफ के उप-समादेष्टा विनोद कुमार यादव और गृहिणी मनोरमा देवी का होनहार पुत्र है। उसने बताया कि निशानेबाजी के गुर और बारीकियों से सबसे पहले पिता ने ही उसे अवगत कराया था। माता-पिता दोनों ही उसे इसके लिए सदैव प्रोत्साहित करते हैं और विद्यालय स्तर से भी हरसंभव सहयोग तथा प्रोत्साहन मिलता रहा है। धनबाद राइफल क्लब में भी उसने निशानेबाजी के टिप्स सीखे हैं। आदि शूटिंग के साथ-साथ पढ़ाई और बैडमिंटन खेलने में भी अच्छा है। वह अपने पिता के ही नक्शे-कदम पर चलकर पुलिस अथवा सैन्य सेवा में जाना चाहता है।

महिला अधिशासियों को इस्पात निर्माण की तकनीकी प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र स्थित सम्मेलन कक्ष में 11 एवं 12 अगस्त 2026 को ह्यतन्मात्राह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में ई-4 से ई-7 श्रेणी की 24 महिला अधिशासियों को परिचालन 2.0 : पुनर्समीक्षा एवं पुनर्समझ विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला अधिकारियों को इस्पात निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया, तकनीकी कौशल तथा प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की बेहतर समझ प्रदान करना था। इससे पूर्व 22 जुलाई को भी तन्मात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक, मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास ने किया। प्रशिक्षण सत्रों में विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने कोक निर्माण, सिंटर निर्माण, लौह निर्माण, इस्पात निर्माण, गर्म रोलिंग और शीत रोलिंग की प्रक्रियाओं पर विस्तार से जानकारी दी।

इसके अलावा गुणवत्ता से जुड़े विभिन्न पहलुओं तथा पर्यावरण, सामाजिक और शासन संबंधी अवधारणाओं की जानकारी भी प्रतिभागियों को दी गई। प्रशिक्षण के दौरान दैनिक परिचालन में इन अवधारणाओं की उपयोगिता, वास्तविक समय की परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी निर्णय लेने की क्षमता तथा संयंत्र में संचालित डिजिटल रूपांतरण की पहलों पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने तकनीकी प्रक्रियाओं से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर भी प्रतिभागियों के साथ चर्चा की। दो दिनों तक चले इस गहन प्रशिक्षण में महिला अधिशासियों ने तकनीकी एवं परिचालन संबंधी विषयों पर जानकारी प्राप्त की और अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला अधिकारियों को बदलती औद्योगिक परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सक्षम बनाना और उनके तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करना रहा। दो दिवसीय कार्यक्रम का औपचारिक समापन समापन सत्र के साथ हुआ।

सेवानिवृत्ति से पूर्व कर्मियों को स्वास्थ्य और वित्तीय नियोजन की दी गई जानकारी

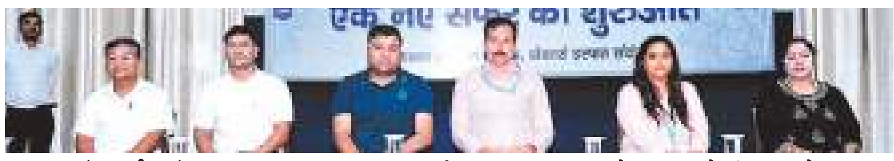

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग स्थित मुख्य प्रेक्षागृह में बुधवार को अगस्त एवं सितंबर 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए एक नए सफर की शुरुआत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अगस्त माह में सेवानिवृत्त होने वाले 25 तथा सितंबर माह में सेवानिवृत्त होने वाले 36 कर्मियों सहित कुल 61 कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हुए।

कार्यक्रम का उद्देश्य सेवानिवृत्ति के बाद स्वास्थ्य, वित्तीय नियोजन तथा अंतिम निपटान से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ प्रबंधक, मानव संसाधन-सेवाएं के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने कार्यक्रम की उपयोगिता और सेवानिवृत्ति से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा विभाग के उप चिकित्सा अधिकारी ने सेवानिवृत्ति के बाद बेहतर स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए। नगर-सेवा विभाग के सहायक प्रबंधक ने नगर-सेवा एवं आवास से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी साझा की। वित्त एवं लेखा विभाग के प्रबंधक ने सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले विभिन्न कोषों और वित्तीय लाभों के संबंध में विस्तार से बताया। वहीं, बैंक ऑफ इंडिया की सेक्टर-4 शाखा के प्रतिनिधि ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध योजनाओं, निवेश के विकल्पों तथा वित्तीय प्रबंधन से संबंधित उपयोगी जानकारी दी।

कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को सेवानिवृत्ति के बाद आने वाली प्रशासनिक, स्वास्थ्य एवं वित्तीय जरूरतों के लिए पहले से तैयार रहने का मार्गदर्शन मिला। यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा अपने समर्पित कर्मियों के दीर्घकालिक योगदान के प्रति सम्मान तथा उनके भावी जीवन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रभात फेरी निकाल विद्यार्थियों ने दिया देशप्रेम और सद्भावना का संदेश

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो एवं डीएवी-6 के एनसीसी कैडेट विद्यार्थियों ने बुधवार को प्रभात फेरी निकालकर देशप्रेम, एकता और सद्भावना का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार तथा उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा मौजूद रहे। एनसीसी कैडेटों ने सुबह बोकारो मॉल से गांधी चौक तक अनुशासित ढंग से मार्च करते हुए प्रभात फेरी निकाली। इस दौरान विद्यार्थियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाए तथा प्रेरणादायक पंक्तियों के माध्यम से शहरवासियों को राष्ट्रप्रेम के प्रति जागरूक किया। प्रभात फेरी के बाद विद्यार्थी विद्यालय परिसर पहुंचे, जहां राष्ट्रध्वज फहराया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया और विकसित राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रांजल साकिया, संजीव कुमार एवं ललिता ने किया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि वंदे मातरम् देश की अमूल्य धरोहर है, जिसे सुरक्षित रखना नई पीढ़ी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान और देशभक्ति गीतों के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के मन में भारत के प्रति आदर, प्रेम, सम्मान और उत्साह की भावना जागृत होती है।

बीजीएच के निजीकरण के खिलाफ बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने तेज की लामबंदी

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो जनरल अस्पताल को कथित तौर पर आउटसोर्सिंग के जरिए निजी हाथों में सौंपने की तैयारी के खिलाफ बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने अपनी लामबंदी तेज कर दी है। अस्पताल में कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर आयोजित विभागीय बैठक में यूनियन के तेवर तल्ख नजर आए। बैठक की अध्यक्षता विभागीय प्रतिनिधि रेणु सिस्टर ने की। इसमें अस्पताल के विभिन्न विभागों से पहुंचे सैकड़ों कर्मचारियों ने अपनी समस्याएं उठाईं। बैठक में बीजीएच के विभिन्न सेक्शनों को धीरे-धीरे आउटसोर्सिंग के हवाले करने और अस्पताल के निजीकरण की कथित योजना पर कर्मचारियों ने गहरा आक्रोश जताया। यूनियन नेताओं ने कहा कि अस्पताल में नियमित मैनपावर की भारी कमी है, जिसके कारण कार्यरत कर्मचारियों पर काम का अत्यधिक बोझ पड़ रहा है।

कर्मचारियों ने नर्सिंग व मेडिकल इंफेक्शन भत्ता, इंसेंटिव और एक्टिंग अलाउंस में तत्काल संशोधन की मांग की। पुरुष मेडिकल स्टाफ को वाशिंग भत्ता देने तथा सभी कर्मचारियों को मोबाइल, इंटरनेट और वाई-फाई जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई।

कर्मचारियों ने अटेंडेंस करेक्शन, छुट्टी और आउटपास की जटिल प्रक्रियाओं पर भी आपत्ति जताई। कुछ अधिकारियों पर मानसिक दबाव बनाने और कर्मचारियों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया। बीएकेएस नेतृत्व ने कहा कि मानसिक उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पत्नी की गला घोंट हत्या करने के आरोपी को उम्रकैद, 20 हजार का जुर्माना भी

बोकारो। चास मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के पुनपुनकी में हुए दिल दहला देने वाले हत्याकांड में अदालत ने इंसाफ का कड़ा संदेश दिया है। अपनी ही पत्नी रिंकी देवी की निर्मम हत्या करने वाले पापी पति उमेश गोप को महिला अपराध के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोषी पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी ठोका गया है। अदालत के इस फैसले से सालों से न्याय की आस लगाए पीड़ित परिवार के जख्मों पर मरहम लगा है। मामले की पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक आरके राय ने बताया कि इस खौफनाक वारदात की पटकथा वर्ष 2024 में लिखी गई थी। उमेश गोप की शादी वर्ष 2014 में महुदा थाना क्षेत्र की रहने वाली रिंकी देवी से हुई थी। शादी के बाद दोनों की एक बेटी हुई, लेकिन बेटी के जन्म के बाद ही पति के सिर पर हैवानियत सवार रहने लगी। छोटी-छोटी बातों पर रिंकी के साथ बेरहमी से मारपीट करना और उसे घर से बाहर खदेड़ देना उमेश की रोज की फितरत बन चुका था। घटना के कुछ दिनों पहले भी उमेश ने रिंकी को लहूलुहान कर घर से निकाल दिया था। इसके बाद 22 फरवरी 2024 को वह चालबाजी करते हुए अपने ससुराल पहुंचा। वहां उसने गिड़गिड़ाते हुए परिजनों से माफी मांगी और पत्नी को आगे से पलकों पर बिठाकर रखने का खोखला भरोसा दिया। मासूम परिजनों को क्या पता था कि वे अपनी बेटी को खुशियों के पास नहीं, बल्कि मौत के मुंह में भेज रहे हैं। शाम करीब पांच बजे रिंकी को उसके पति के साथ विदा कर दिया गया। ससुराल पहुंचते ही उमेश का हैवान रूप फिर बाहर आ गया।

पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर बैंक कर्मियों का प्रदर्शन

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर बुधवार को बोकारो और चास के सैकड़ों बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। एआईबीईए, एआईबीओसी, एनसीबीई, बीईएफआई, आईएनबीईएफ और आईएनबीओसी समेत विभिन्न बैंक यूनियनों के प्रतिनिधि चास-बोकारो स्थित केनरा बैंक की बोकारो स्टील सिटी शाखा, नया मोड़ के समक्ष एकत्र हुए और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। प्रदर्शन में महिला बैंक कर्मियों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।

वक्ताओं ने कहा कि इंडियन बैंक एसोसिएशन तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की ओर से कई बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की आधिकारिक घोषणा अब तक नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू होने से बैंक कर्मियों की कार्यक्षमता और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होगा तथा ग्राहकों को बेहतर एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। नेताओं ने कहा कि मांग को लेकर पूर्व में भी कई बार धरना-प्रदर्शन किए जा चुके हैं। 27 जनवरी 2026 को बैंक कर्मियों ने इस मुद्दे पर एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल भी की थी। हड़ताल के बाद बैंक कर्मचारियों को जल्द पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू किए जाने का भरोसा दिया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। यूएफबीयू के जिला संयोजक सिद्धेश नारायण दास ने कहा कि यदि सरकार ने मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। मौके पर राजेश ओझा, कृष्ण मुरारी, सुधीर कुमार, अरुण कुमार, राकेश मिश्रा, राघव कुमार सिंह, अवधेश प्रसाद, राजीव कुमार सिंह और अतुल दुबे समेत कई बैंक नेता एवं कर्मी उपस्थित थे।

डीपीएस चास में विद्यार्थियों ने दिखाई सृजनात्मक प्रतिभा, 162 ने बनाई आकर्षक राखियां

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर डीपीएस चास, बोकारो में बुधवार को कक्षा पांचवीं से नौवीं तक के विद्यार्थियों के लिए राखी निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न वर्गों से कुल 162 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, सृजनात्मक सोच और कलात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए एक से बढ़कर एक आकर्षक राखियां तैयार कीं। यह आयोजन इंडिया पोस्ट, धनबाद मंडल की विशेष पहल से भी जुड़ा रहा। रक्षाबंधन के अवसर पर इंडिया पोस्ट की ओर से विद्यालयी विद्यार्थियों के लिए विशेष राखी निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य बच्चों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित राखियों को उनके व्यक्तिगत संदेशों के साथ देश के किसी भी हिस्से में रहने वाले भाई-बहनों तक सुरक्षित रूप से पहुंचाना है।

इस पहल के तहत विभाग की ओर से विद्यार्थियों को रेशमी धागे, तिलक पैक और संदेश लिखने के लिए ए-4 शीट उपलब्ध कराई गई। विद्यार्थियों ने अपनी पसंद और कल्पना के अनुसार राखियां तैयार करने के साथ भाई या बहन के लिए छोटे पत्र एवं शुभकामना संदेश भी लिखे। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय के प्रार्थना सभागार परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल रहा। विद्यार्थियों ने रंगीन धागों, मोतियों, रिबन, कागज और सजावटी सामग्रियों का प्रयोग कर सुंदर राखियां बनाईं। कई विद्यार्थियों ने पारंपरिक राखियों के साथ नवीन डिजाइन भी तैयार किए।

संक्षिप्त खबरें

हाई वोल्टेज तार हादसे के पीड़ितों को मिला मुआवजा, कार्यपालक अभियंता ने सौंपे चेक

गिरिडीह। बिजली विभाग की ओर से हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से प्रभावित पीड़ितों और उनके परिजनों को मुआवजा राशि प्रदान की गई। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, गिरिडीह के कार्यपालक अभियंता मृणाल गौतम ने पीड़ितों को मुआवजा राशि के चेक सौंपे। जानकारी के अनुसार, हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से बोधी यादव की भैंस की मौत हो गई थी। घटना के बाद विभागीय प्रक्रिया पूरी होने पर कार्यपालक अभियंता ने बोधी यादव को 46 हजार रुपये का मुआवजा चेक प्रदान किया। वहीं, दूसरी घटना में 11 हजार वोल्ट के विद्युत तार की चपेट में आने से सती कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। मामले की जांच और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें दो लाख रुपये का मुआवजा चेक सौंपा गया। इस अवसर पर कार्यपालक अभियंता मृणाल गौतम ने कहा कि बिजली विभाग पीड़ितों को नियमानुसार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बिजली के तारों और विद्युत उपकरणों के आसपास पूरी सावधानी बरतें। किसी भी प्रकार की विद्युत संबंधी समस्या दिखाई देने पर तत्काल विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

युवा दिवस पर रेड क्रॉस भवन में रक्तदान शिविर, एक दर्जन रक्तवीरों ने किया रक्तदान

चतरा। युवा दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस भवन में बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब एक दर्जन रक्तवीरों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की जिंदगी बचाने में अपना योगदान दिया। रक्तदाताओं द्वारा दिए गए रक्तदान से थैलेसीमिया समेत अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इस मौके पर रेड क्रॉस के सचिव धर्मेंद्र पाठक ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए आगे आने की अपील की। शिविर में रेड क्रॉस के कोषाध्यक्ष गोपाल कुमार वर्मा और उपाध्यक्ष विवेक केशरी भी मौजूद रहे। शिविर को सफल बनाने में एमपीडब्ल्यू रत्नेश कुमार, रमेश कुमार, जीएनएम मधुलता कुमारी, सुप्रिया कुमारी और एलटी विजय कुमार ने अहम भूमिका निभाई।

पूर्वी पंचायत से चिड़का धाम जा रहे कांवरियों का रूपलाल ठाकुर ने किया स्वागत

चंद्रपुरा। बेरमो विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी एवं समाजसेवी रूपलाल ठाकुर ने पूर्वी पंचायत से चिड़का धाम के लिए रवाना हो रहे बोल बम कांवरियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कांवरियों को फल, पेयजल एवं प्रसाद प्रदान कर उनकी मंगलमय एवं सफल यात्रा की कामना की। रूपलाल ठाकुर ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और आस्था का पर्व है। शिवभक्ति से समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कांवरियों से यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखने और आपसी सौहार्द के साथ धार्मिक यात्रा पूरी करने की अपील की। स्वागत कार्यक्रम के दौरान कांवरियों में काफी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर मनोज साव, रवि झा, बबलू साव, सुरेश कुमार, सुबोध गोस्वामी, नीलकमल पांडेय, संतोष साव, नीतियां साव, विकास साव, मीरा देवी, रिंकू केवट, कमलेश ठाकुर, राकेश सहित बड़ी संख्या में बोल बम कांवरिया मौजूद थे। कांवरियों ने स्वागत एवं सहयोग के लिए रूपलाल ठाकुर के प्रति आभार जताया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा, राष्ट्रभक्ति का दिया संदेश

चंद्रपुरा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत भाजपा चंद्रपुरा प्रखंड कमेटी की ओर से बुधवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष एवं कार्यक्रम प्रभारी चंद्रशेखर महथा के नेतृत्व में निकाली गई यात्रा दुगदा स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार से शुरू होकर दुगदा बाजार, सिंधु-कान्हू चौक होते हुए चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन तक पहुंची। यात्रा में शामिल भाजपा कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और लोगों को राष्ट्रप्रेम के प्रति जागरूक किया। चंद्रशेखर महथा ने कहा कि 10 से 14 अगस्त तक चलने वाले अभियान का उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई कर माल्यार्पण करना, सेना में पदस्थापित एवं पूर्व सैनिकों के परिजनों को सम्मानित करना तथा तिरंगा यात्रा के माध्यम से आम लोगों को जोड़कर राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय के मन में देशप्रेम की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। मौके पर विनोद कुमार पाठक, प्रवीण कुमार सिंह, श्यामलाल किस्कू, कमलेश दसौंधी, रुपेश दसौंधी, दयावंती देवी, श्याम सुंदर मोदी, अनिल कुमार महतो, विनोद मंडल सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर जिला जनगणना हस्तपुस्तिका प्रशिक्षण शुरू

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। नामित क्षेत्र कर्मियों एवं चार्ज पदाधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य संपादन की दी गई जानकारी जनगणना-2027 के कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की ओर से जिला जनगणना हस्तपुस्तिका तैयार करने के लिए नामित क्षेत्र कर्मियों एवं चार्ज पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार से शुरू हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 से 14 अगस्त 2026 तक तीन बैचों में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के प्रथम दिन उपायुक्त रवि आनंद के निर्देशानुसार समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस दौरान नामित चार्ज पदाधिकारियों एवं संबंधित क्षेत्र कर्मियों को जिला जनगणना हस्तपुस्तिका से जुड़े कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप त्रुटिरहित, सटीक एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम अपर समाहर्ता-सह-जिला जनगणना पदाधिकारी अरविंद कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है। जनगणना कार्य निदेशालय, झारखंड, रांची से आए मास्टर ट्रेनरों द्वारा पदाधिकारियों एवं कर्मियों को जिला जनगणना हस्तपुस्तिका तैयार करने से संबंधित विभिन्न कार्यों, प्रक्रियाओं एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण के दौरान कार्य की प्रकृति, निर्धारित मानक, प्रक्रिया एवं समय-सीमा के अनुरूप कार्य संपादन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, कार्य के दौरान आंकड़ों एवं सूचनाओं की शुद्धता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। जनगणना देश की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा सटीक एवं तथ्यपरक नीति निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में जनगणना कार्य से जुड़े पदाधिकारियों एवं कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। जिला प्रशासन द्वारा जनगणना-2027 से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं समय-सीमा के अनुरूप पूरा कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

समाजसेवी एवं भाजपा नेता प्रकाश कुमार सिंह के खिलाफ हाईकोर्ट ने मुकदमा किया निरस्त

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। झारखंड हाईकोर्ट ने समाजसेवी एवं भाजपा नेता प्रकाश कुमार सिंह के खिलाफ वर्ष 2024 में दर्ज मामले में चल रही पूरी आपराधिक कार्यवाही, चार्जशीट एवं तेनुघाट न्यायालय के संबंधित आदेशों को निरस्त कर दिया है। प्रकाश कुमार सिंह ने तेनुघाट व्यवहार न्यायालय द्वारा 17 दिसंबर 2025 को उनकी याचिका खारिज किए जाने के आदेश को चुनौती देते हुए झारखंड हाईकोर्ट में सीआर एम.पी. नं. 2482/2026 दाखिल की थी। माननीय न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने 11 अगस्त को सुनवाई के बाद बेरमो थाना कांड संख्या 60/2024, जी.आर. संख्या 385/2024 से संबंधित पूरी आपराधिक कार्यवाही, चार्जशीट संख्या 01/2024, 03 जुलाई 2024 के कॉग्निजेंट ऑर्डर तथा 17 दिसंबर 2025 के तेनुघाट न्यायालय के आदेश को निरस्त कर दिया। माननीय न्यायालय ने स्पष्ट किया कि प्रकाश कुमार सिंह के विरुद्ध किसी भी धारा में आवश्यक तत्व पूरे नहीं होते हैं और याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध धारा 188, 171-एफ एवं 171-एच के तहत कोई अपराध नहीं बनता। साथ ही माननीय न्यायमूर्ति श्री अनिल कुमार चौधरी ने अपने आदेश में तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के 17 दिसंबर 2025 के आदेश पर काफी स्पष्ट और गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि तेनुघाट व्यवहार न्यायालय द्वारा डिस्चार्ज याचिका खारिज करना विधिसम्मत नहीं था तथा रिकॉर्ड पर आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सामग्री उपलब्ध नहीं थी।

चतरा में 14.93 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार

इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी अनिल उरांव की टीम ने दोनों को नाटकिए ढंग से किया गिरफ्तार

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। सदर थाना क्षेत्र में नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री के खिलाफ चतरा सदर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से कुल 14.93 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर बरामद किया है। मामले में सदर थाना कांड संख्या 336/2026 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार 11 अगस्त 2026 की शाम करीब सात बजे पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि जितनी मोड़ से आगे बहेड़ा टांड़ के खाली मैदान में रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच दो-तीन लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अंचलाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने बहेड़ा टांड़ स्थित खाली मैदान के आसपास छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद राजा उर्फ तालीम (28 वर्ष), पिता मोहम्मद सलीम, निवासी कुंजराटोली, सदर थाना क्षेत्र, चतरा और आदित्य कुमार यादव (22 वर्ष), पिता लोकेश्वर यादव, निवासी असड़ीया, सदर थाना क्षेत्र, चतरा के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के पास से बरामद हुआ ब्राउन शुगर पुलिस के मुताबिक, मोहम्मद राजा उर्फ तालीम के हाफ पैंट की बायीं जेब से कागज समेत 1.58 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। वहीं, आदित्य कुमार यादव के पास से प्लास्टिक समेत 13.35 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बरामद नशीले पदार्थ के साथ सदर थाना लाया गया। पुलिस ने इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 22, 27, 28 एवं 29 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। छापेमारी टीम में अनिल उरांव, पुनि सह थाना प्रभारी सदर थाना, पुअनि मनीष कुमार; सअनि प्रवीण कुमार सहित सदर थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

महिला हस्तशिल्पकारों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने पर जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। राजपुर पंचायत सचिवालय में सिलाई-कढ़ाई एवं जूट क्राफ्ट लघु उत्पादन इकाई की स्थापना को लेकर हस्तशिल्पकारों के साथ एकदिवसीय जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की 200 से अधिक महिला हस्तशिल्पकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार, उद्यमिता और विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनके पारंपरिक हुनर को आय के स्थायी साधन में बदलना था। बैठक में उद्योग विभाग एवं मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी जिला उद्यमी समन्वयक, चतरा हेमंत केसरी ने दी।

उन्होंने महिला हस्तशिल्पकारों को लघु उद्यम स्थापित करने के लिए उपलब्ध योजनाओं, अनुदान एवं अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान लघु उत्पादन इकाई, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना तथा विभिन्न कला एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि क्षेत्र की कई महिलाएं वर्तमान में अपने घरों में सिलाई-कढ़ाई से संबंधित कार्य कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर सिलाई-कढ़ाई एवं जूट क्राफ्ट की लघु उत्पादन इकाई स्थापित होने से इन गतिविधियों को संगठित रूप दिया जा सकेगा। इससे महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ने से पलायन रोकने तथा क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने में भी मदद मिलेगी। हस्तशिल्पकारों ने योजनाओं और प्रस्तावित लघु उत्पादन इकाई की स्थापना से संबंधित जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में कान्हाचट्टी से अरविंद कुमार, इटखोरी से पिंटू कुमार यादव, पत्थलगड्डा से राहुल कुमार और सिमरिया से योगेश्वर महुआ सहित राजपुर पंचायत के मुखिया विकास कुमार, सांसद प्रतिनिधि चंदन कुमार केसरी, पीएम श्री विद्यालय के अध्यक्ष सुधीर कुमार पासवान, बीके प्लस टू हाई स्कूल के प्रधानाचार्य पवन कुमार चौधरी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

वैदिक ज्ञान और संस्कारों से सशक्त होंगे डीएवी-6 के विद्यार्थी

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-6, बोकारो में 12 अगस्त 2026 को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उनमें वैदिक संस्कारों के संवर्धन के उद्देश्य से वैदिक जागृति शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कक्षा छठी से नौवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक एवं सक्रिय रूप से भाग लिया। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक ज्ञान, भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, अनुशासन, आत्मविश्वास, राष्ट्रप्रेम एवं श्रेष्ठ चरित्र निर्माण से जोड़ना था। इसके साथ ही विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के लिए योग, व्यायाम तथा शारीरिक सुदृढ़ता के महत्व से भी अवगत कराया गया। शिविर में महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति भवन न्यास, जोधपुर के आचार्य वरुण देव ने विद्यार्थियों को वैदिक ज्ञान, संस्कार, अनुशासन एवं जीवन-मूल्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं से जुड़कर अपने जीवन में सकारात्मक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शारीरिक सुदृढ़ता, अनुशासन और आत्मरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैदिक संस्कार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी बी.के. झा ने आचार्य वरुण देव का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

दिल्ली की 'लेडी सिंघम' का गिरिडीह में सम्मान, लाखों महिलाओं को सिखा चुकी हैं आत्मरक्षा

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह। दिल्ली पुलिस की जांबाज उपनिरीक्षक किरण सेठी, जिन्हें 'लेडी सिंघम' और 'कराटे वुमन' के नाम से जाना जाता है, का रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

वर्ष 1987 में आरक्षी के रूप में पुलिस सेवा की शुरुआत करने वाली किरण सेठी ने जूडो, कराटे और मार्शल आर्ट में दक्षता हासिल की। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षित एवं प्रेरित करने का कार्य किया। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, वह अब तक 10 लाख से अधिक महिलाओं और युवाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे चुकी हैं। महिला सुरक्षा, वंचित वर्गों की सहायता तथा जीवी रोड क्षेत्र में सामाजिक कार्यों के लिए भी उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही है।

उनके साहस, सेवा भावना और महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पण को देखते हुए रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ने उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता, परियोजना अध्यक्ष एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रोटेरियन पूनम सहाय, सचिव मनीष बरनवाल सहित क्लब के कई सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कहा गया, आपका साहस हमारी बेटियों का आत्मविश्वास है और आपकी सेवा समाज के लिए प्रेरणा है।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर जागो फाउंडेशन में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जागो फाउंडेशन, धनयडीह कार्यालय में क्राय के सहयोग से स्कूली बच्चियों/किशोरी के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जागो फाउंडेशन के सचिव वैद्यनाथ बर्नवाल मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का मंच संचालन वीरेंद्र कुमार वर्मा तथा एंकर डॉली कुमारी ने किया। प्रतियोगिता में स्कूली बच्चियों को दो समूहों में बांटा गया था। एक समूह का नाम ह्यअवसरह्न तथा दूसरे समूह का नाम ह्यचुनौतीह्न रखा गया था। बालिका शिक्षा से संबंधित विषय पर दोनों टीमों के बीच वाद-विवाद एवं प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान दोनों टीमों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपने-अपने पक्ष में तर्क प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों के बीच हुए संवाद इतने प्रभावशाली रहे कि पूरा माहौल जीवंत हो उठा। बालिका शिक्षा के महत्व, उसके सामने आने वाली चुनौतियों तथा उपलब्ध अवसरों को लेकर प्रतिभागियों ने बेहद प्रभावी ढंग से अपनी बातें रखीं। वाद-विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका श्रीमती किरण वर्मा, श्रीमती हीरा देवी, रमेश वर्मा एवं विलियम जेकब ने निभाई। निर्णायकों द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर ह्यचुनौतीह्न टीम को विजेता घोषित किया गया। वहीं अवसर टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

बालमुकुंद में रक्तदान शिविर आयोजित, 100 से अधिक कर्मचारियों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

झारखंड दर्शन संवाददाता

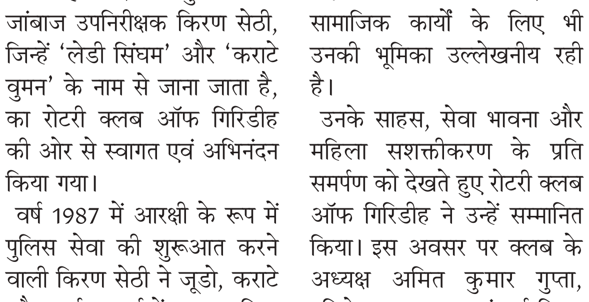

गिरिडीह। बालमुकुंद स्पंज एंड आयरन प्राइवेट लिमिटेड के प्रशासनिक कार्यालय परिसर में बुधवार को रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। कंपनी प्रबंधन की सामाजिक जिम्मेदारी एवं जनकल्याण की भावना के तहत आयोजित इस शिविर का उद्देश्य कर्मचारियों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता में सहयोग करना था। रक्तदान शिविर का शुभारंभ डीआरआई संयंत्र प्रमुख रितुन मुखर्जी, मानव संसाधन विभाग के जितेन्द्र कुमार, रोलिंग मिल के महाप्रबंधक वी.के. पाठक एवं महाप्रबंधक परशुराम तिवारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी, सेफ्टी विभाग के प्रतिनिधि तथा विभिन्न ठेकेदारों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में परशुराम तिवारी, जितेन्द्र कुमार, वी.के. पाठक, सेफ्टी विभाग से प्रितम मिस्त्री एवं कृष्णदीप विश्वकर्मा तथा ठेकेदार प्रतिनिधि मोहम्मद वसीम एवं निर्भय बारी सहित कंपनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर महाप्रबंधक परशुराम तिवारी एवं मानव संसाधन विभाग के जितेन्द्र कुमार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कर्मचारियों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महान सामाजिक सेवा है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कर्मचारियों से समाजहित में ऐसे जनकल्याणकारी अभियानों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। रक्तदान शिविर में कंपनी के कर्मचारियों एवं सहयोगी कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 100 से अधिक कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया।

शिविर के दौरान कर्मचारियों में रक्तदान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। शिविर का आयोजन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक किया गया। निर्धारित समय के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने आगे आकर रक्तदान किया तथा जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कंपनी प्रबंधन ने रक्तदान करने वाले सभी कर्मचारियों, अधिकारियों, ठेकेदार प्रतिनिधियों तथा शिविर के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रबंधन ने कहा कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक, स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाएगा। शाम 5 बजे रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। 100 से अधिक कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने इस अभियान को सफल एवं प्रेरणादायक बना दिया।

संक्षिप्त खबरें

14 दिनों की रिमांड पूरी, मिसिर बेसरा समेत तीन हार्डकोर नक्सली जेल भेजे गए

धनबाद। 14 दिनों की पुलिस रिमांड अवधि पूरी होने के बाद भाकपा के पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा समेत तीन हार्डकोर नक्सलियों को बुधवार को धनबाद लाया गया। धनबाद पहुंचने के बाद तीनों की सदर अस्पताल में मेडिकल जांच करायी गयी। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, 31 जुलाई को पुलिस रिमांड मिलने के बाद तीनों नक्सलियों को कड़ी सुरक्षा के बीच रांची ले जाया गया था। वहां करीब 11 दिनों तक राष्ट्रीय जांच एजेंसी, इंटेलिजेंस ब्यूरो और झारखंड पुलिस के अधिकारियों ने अलग-अलग स्तर पर उनसे पूछताछ की। इस दौरान माओवादी संगठन के नेटवर्क, फंडिंग, हथियारों की आपूर्ति और संगठन से जुड़े सहयोगियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी जुटायी गयी। धनबाद लाये गये नक्सलियों में भाकपा (माओवादी) के पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा उर्फ सागर उर्फ भास्कर उर्फ सुनिर्मल शामिल हैं। उन पर 2.20 करोड़ रुपये का इनाम घोषित है। इसके अलावा 15 लाख रुपये के इनामी मेहनत उर्फ मोछू उर्फ विभीषण तथा गौरव उर्फ वीरेंद्र हांसदा उर्फ सौरभ भी शामिल हैं। मेडिकल जांच के दौरान सदर अस्पताल और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के बीच तीनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने की कार्रवाई की गयी।

38 जर्जर सड़कों के शीघ्र पुनर्निर्माण की मांग, शहरी कृषि योजनाओं में पारदर्शिता का मुद्दा भी उठाया

धनबाद। झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने विधानसभा में धनबाद की जर्जर सड़कों और राज्य में संचालित शहरी कृषि योजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाते हुए सरकार से ठोस एवं समयबद्ध कार्रवाई की मांग की। उन्होंने धनबाद नगर निगम क्षेत्र की करीब 38 महत्वपूर्ण सड़कों की बदहाल स्थिति का मामला उठाया। विधायक ने कहा कि वर्ष 2019 से 2022 के बीच इन सड़कों के निर्माण की योजनाएं स्वीकृत हुई थीं, लेकिन निर्माण के कुछ वर्षों बाद ही सड़कें जर्जर हो गईं। इन योजनाओं के लिए करीब 159.33 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी, जबकि लगभग 79 प्रतिशत भौतिक प्रगति के बावजूद करीब 84.63 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। राज सिन्हा ने कहा कि प्राक्कलन में अनियमितता के आरोपों को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जांच कर रहा है। कुछ स्थानों पर सड़क की खुदाई कर छोड़ दिए जाने से लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। बरसात में स्थिति और गंभीर हो गई है तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। उन्होंने मांग की कि जांच के साथ सभी 38 सड़कों का तकनीकी परीक्षण कर शीघ्र पुनर्निर्माण कराया जाए। विधायक ने शहरी कृषि योजना में भी पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने 24 जिलों में संचालित अर्बन फार्मिंग योजना के क्रियान्वयन, निगरानी, सत्यापन और लाभार्थियों को दिए जाने वाले अनुदान की जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होना जरूरी है, ताकि जनता के पैसे का सदुपयोग हो और उसका वास्तविक लाभ लोगों तक पहुंचे।

रांगामाटी में घर का ताला काटकर चोरी, तीन अलमारियों के दरवाजे तोड़े

सिंदरी। बलियापुर थाना क्षेत्र के रांगामाटी में चोरों ने बीती मध्यरात्रि के बाद एक आवास को निशाना बनाते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। रांगामाटी निवासी रूप नारायण चैटर्जी के आवास संख्या आईएम-629-630 में चोरों ने आसपास के लोगों के गहरी नींद में होने का फायदा उठाया। चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे के कब्जे को ताले समेत काट दिया और अंदर प्रवेश कर तीन अलमारियों के दरवाजे तोड़ दिए। घटना का पता बुधवार सुबह करीब 10 बजे चला। पड़ोस में रहने वाली शकुंतला देवी, आवास संख्या आईएम-631/632, की नजर घर के खुले दरवाजे पर पड़ी। उन्होंने शोर मचाकर आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद दूरभाष के माध्यम से रूप नारायण चैटर्जी को घटना की सूचना दी गई। रूप नारायण चैटर्जी ने अपने एल-387 निवासी भतीजे समीर चैटर्जी को इसकी जानकारी देकर आवास पर पहुंचने और स्थिति का जायजा लेने को कहा। घटना की सूचना पुलिस को भी दे दी गई। खबर लिखे जाने तक पुलिस द्वारा मामले की जांच और संभावित ठिकानों पर दबिश देने की कार्रवाई की जा रही थी। चोरी में कितने रुपये और सामान की क्षति हुई, इसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

बड़े कर बकायेदारों पर कार्रवाई, जलकर वसूली में तेजी के निर्देश

धनबाद। धनबाद नगर निगम में 11 अगस्त को नगर आयुक्त आशीष गंगवार की अध्यक्षता में राजस्व शाखा के कार्यों एवं राजस्व संग्रहण की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बड़े कर बकायेदारों से लंबित राशि की वसूली, भवन नक्शा एवं कर निर्धारण से संबंधित अभिलेखों के सत्यापन तथा जलकर वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने बड़े एवं लंबे समय से कर बकाया रखने वाले अस्पतालों, व्यावसप्रतिष्ठानों, दुकानों और बड़े आवासीय परिसरों की वार्डवार सूची तैयार करने को कहा। अभिलेखों के सत्यापन के बाद नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमि नामांतरण से पूर्व नियमानुसार होल्डिंग नामांतरण कराना आवश्यक है।।अधिकृत एजेंसी को फील्ड स्तर पर मानवबल बढ़ाकर कर वसूली तेज करने तथा एक वर्ष से अधिक समय से लंबित जल बिलों का सत्यापन कर मांग एवं वसूली की कार्रवाई करने को कहा गया।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल में पार्किंग शेड सहित कई नवनिर्मित जन-सुविधाओं का किया उद्‌घाटन

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार तथा उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बुधवार को सदर अस्पताल परिसर में कार व बाइक पार्किंग शेड, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, मॉड्यूलर आयुष्मान वार्ड, पुनर्निर्मित ओपीडी तथा सिविल सर्जन कार्यालय के नवनिर्मित सभागार का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और आम नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसके परिणामस्वरूप सदर अस्पताल राज्य के बेहतर सदर अस्पतालों में शामिल हुआ है। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के वाहनों को व्यवस्थित रखने के लिए सुरक्षित पार्किंग शेड बनाया गया है। मॉड्यूलर आयुष्मान वार्ड आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस है, जहां आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलेगा। पुनर्निर्मित ओपीडी में मरीजों को सुगम उपचार और सरल पंजीकरण की सुविधा मिलेगी। आरबीएसके के तहत 11 से 22 अगस्त तक 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि अब तक 700 बच्चों की जांच की जा चुकी है। जरूरतमंद बच्चों की सर्जरी निःशुल्क कराई जाएगी। उन्होंने लोगों से जन्मजात या अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चों की सूचना जिला प्रशासन को देने की अपील की। समारोह में सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा, उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार प्रसाद, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, डीपीसी रेखा सिंह सहित चिकित्सक और अधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग में 99 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया इसी माह होगी पूरी

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। स्वास्थ्य विभाग में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत विभिन्न पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर बुधवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन की अध्यक्षता में चयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न बिंदुओं एवं आवश्यक प्रक्रियाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। स्वास्थ्य विभाग में एनएचएम के तहत द्वितीय चरण में एएनएम, जीएनएम, लैब टेक्नीशियन, पैरामेडिकल स्टाफ सहित कुल 99 पदों पर नियुक्ति की जानी है। बैठक में इन पदों पर नियुक्ति के लिए चयन प्रक्रिया, अभ्यर्थियों की पात्रता, आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन तथा अन्य संबंधित विषयों की समीक्षा की गई। उपायुक्त आदित्य रंजन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियुक्ति प्रक्रिया को निर्धारित मानकों एवं पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ाते हुए इसी माह हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी करने तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं करने का निर्देश दिया। बैठक में सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा, उपाधीक्षक डॉ० संजीव कुमार प्रसाद, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती प्रतिमा कुमारी, डॉ० मंजु दास सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

नशामुक्त भारत का संदेश लेकर मदर टेरेसा विद्यालय के बच्चों ने निकाली प्रभात फेरी

झारखंड दर्शन संवाददाता

सिंदरी। स्वतंत्रता दिवस की 80 वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर मदर टेरेसा उच्च विद्यालय, सिंदरी की जूनियर शाखा की ओर से नशामुक्त भारत के संदेश को लेकर प्रभात फेरी निकाली गई। इसका उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए भारत को नशामुक्त बनाने का संदेश देना था। प्रभात फेरी विद्यालय की जूनियर शाखा से शुरू होकर शिवमंगल मोड़, आई-टाइप, मुख्य बाजार, जयहिंद मोड़ और रांगामाटी पानी टंकी होते हुए विद्यालय परिसर में पहुंचकर समाप्त हुई। इसमें विद्यालय के चतुर्थ से दशम वर्ग तक के लगभग 500 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने शहरपुरा मुख्य बाजार के चौराहे पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। नाटक के माध्यम से बताया गया कि नशामुक्त जीवन अपनाकर व्यक्ति अपने परिवार और समाज को सुखी एवं स्वस्थ बना सकता है। जयहिंद मोड़ पर समाजसेवी अम्बुज कुमार मंडल ने सुभाष चंद्र बोस और भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। उन्होंने बच्चों को नशामुक्ति के लिए जागरूकता रैली निकालने पर धन्यवाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय शिक्षक हरेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में घोष दल ने विशेष सहयोग दिया। भारत माता, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव आंबेडकर की वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों ने लोगों को आकर्षित किया। कार्यक्रम में प्राचार्य राधेश्याम प्रसाद सहित उमेश कुमार सिन्हा, रूपक ठाकुर, कुंदन कुमार, अरुण प्रसाद, उत्तम गोराई, राजेश कुमार, विनय मिश्रा, शोभा सिन्हा, रश्मि सिन्हा, मुस्कान, अंकिता कुमारी, सुनीता कुमारी, मीना कुमारी और पूनम कुमारी की भूमिका सराहनीय रही।

एचयूआरएल के सीएसआर सहयोग से स्वास्थ्य केंद्रों को 28 व्हीलचेयर, 15 गर्भवती महिलाओं की हुई गोदभराई

झारखंड दर्शन संवाददाता

सिंदरी। विद्यापति परिसर कॉन्फ्रेंस हॉल, शहरपुरा, सिंदरी में हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के सीएसआर सहयोग से एचएलएफपीपीटी संस्था द्वारा संचालित सेहत साथी कार्यक्रम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 28 व्हीलचेयर स्वास्थ्य विभाग को स्वास्थ्य केंद्रों के उपयोग के लिए सौंपे गए। साथ ही 15 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर उन्हें पोषण किट वितरित की गई। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वयं की देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। एचयूआरएल प्रबंधन ने कहा कि स्वस्थ महिला ही स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य वाली पीढ़ी का निर्माण कर सकती है। मां और शिशु दोनों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उचित पोषण तथा समय पर स्वास्थ्य जांच जरूरी है। उन्होंने ह्रास्वस्थ परिवार, सुखी परिवार के महत्व पर भी प्रकाश डाला। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० रूपक बनर्जी ने नियमित जांच, स्वदेखभाल तथा उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था के संबंध में जानकारी दी। एचएलएफपीपीटी के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि पोषण किट में भुना चना, गुड़, दलिया, मूंगफली, खजूर और छुहारा शामिल हैं। उन्होंने आयरन-कैल्शियम की गोलियों के सेवन, नियमित जांच और संतुलित आहार के महत्व की जानकारी दी।

कार्यक्रम में एचयूआरएल के मनीष कुमार, सौरोदीप रॉयचौधरी, एएस महाना, जीके बेहरा, फरूक अब्दुल्ला सहित एचएलएफपीपीटी के समीर कुमार, गणेश झा तथा स्वास्थ्य केंद्र के फार्मासिस्ट, एएनएम, सहिया, गर्भवती महिलाएं एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

संगिनी मार्ट पहल से ग्रामीण महिला उद्यमी को मिला आत्मनिर्भरता का अवसर

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। विविधीकृत अडानी समूह का हिस्सा एसीसी, सीमेंट एवं निर्माण सामग्री क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, अडानी फाउंडेशन के सहयोग से सिंदरी क्षेत्र में सतत आजीविका के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। छातातांड़ गांव की 45 वर्षीय निशु देवी चार बच्चों की मां हैं। उनके पति की सीमित कृषि आधारित आय के कारण परिवार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। दैनिक जरूरतों को पूरा करने के साथ बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाना भी उनके लिए बड़ी चुनौती थी। निशु देवी की परिस्थितियों को समझते हुए अडानी फाउंडेशन ने संगिनी मार्ट पहल के तहत उन्हें आजीविका सृजन के लिए आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया। इस पहल के माध्यम से वह स्थायी आजीविका गतिविधि से जुड़ीं और नियमित आय अर्जित करने में सक्षम हुईं। आज निशु देवी प्रतिमाह लगभग 7,000 से 8,000 रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और कृषि पर निर्भरता भी कम हुई है। अतिरिक्त आय के कारण वह अपने बच्चों की उच्च शिक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे पा रही हैं। निशु देवी की सफलता यह दशार्ती है कि उचित मार्गदर्शन, सहयोग और अवसर मिलने पर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार के भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। संगिनी मार्ट जैसी पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार और सम्मानजनक आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराने में सहायक साबित हो रही है।

डोर स्टेप डिलीवरी में पारदर्शिता की मांग, 200 मजदूरों के रोजगार का मुद्दा उठाया

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने शहरी क्षेत्र में जन वितरण प्रणाली की दुकानों तक खाद्यान्न पहुंचाने के लिए लागू डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था में आ रही कथित अनियमितताओं और एफसीआई गोदामों में काम करने वाले मजदूरों के रोजगार का मुद्दा उठाया है। उन्होंने खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के प्रधान सचिव को पत्र भेजकर धनबाद के शहरी क्षेत्र में राशन डीलरों तक एफसीआई गोदामों से सीधे खाद्यान्न पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। विधायक ने कहा कि रांची, धनबाद और जमशेदपुर के शहरी क्षेत्रों में एफसीआई गोदामों से पीडीएस दुकानों तक डोर स्टेप डिलीवरी के माध्यम से अनाज पहुंचाने का प्रावधान है। विभागीय पदाधिकारियों और संबंधित संवेदकों के बीच समन्वय की कमी के कारण डीलरों को परेशानी हो रही है। एफसीआई और जेएसएफसीआई के पत्रों तथा विभागीय निर्देशों में अंतर से भी आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने नियमों के अनुरूप व्यवस्था लागू कर पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। इसके साथ ही रागिनी सिंह ने एफसीआई गोदामों में करीब 50 वर्षों से लोडिंग-अनलोडिंग का कार्य कर रहे लगभग 200 मजदूरों के रोजगार का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था लागू होने से इन मजदूरों और उनके परिवारों के सामने आजीविका का संकट पैदा हो गया है। विधायक ने सरकार से पूर्व की व्यवस्था बहाल करने अथवा मजदूरों के लिए वैकल्पिक रोजगार की ठोस व्यवस्था करने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि व्यवस्था में बदलाव का खामियाजा गरीब मजदूरों और उनके परिवारों को नहीं भुगतना चाहिए।

जेएसएलपीएस की महिलाओं ने मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर जिला परिषद अध्यक्ष से की मुलाकात

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती शारदा सिंह से जेएसएलपीएस की महिलाओं ने मुलाकात कर अपनी विभिन्न समस्याओं और कम मानदेय से जुड़ी परेशानियों को साझा किया। महिलाओं ने बताया कि वे सरकार की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। दिनभर मेहनत और अनेक जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें मिलने वाला मानदेय काफी कम है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती शारदा सिंह ने जेएसएलपीएस के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी अनन्य मित्तल से फोन पर बातचीत की। उन्होंने महिलाओं की समस्याओं से उन्हें अवगत कराते हुए मानदेय में बढ़ोतरी की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। साथ ही, मानदेय बढ़ाने और अन्य समस्याओं के समाधान को लेकर संबंधित विभाग को पत्र भी लिखा। सीईओ श्री मित्तल ने बताया कि मानदेय समेत अन्य समस्याओं की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया गया है। श्रीमती शारदा सिंह ने कहा कि महिलाओं के योगदान, मेहनत और जिम्मेदारियों को देखते हुए उन्हें उचित एवं सम्मानजनक मानदेय मिलना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि महिलाओं की जायज मांगों को लेकर वह आगे भी मजबूती से आवाज उठाती रहेंगी। इस अवसर पर सावित्री सिंह, अंजू महतो, प्रीति कुमारी, ममता महतो, रीना महतो, इंदु कुमारी, राखी देवी, ललिता देवी, गुड़िया कुमारी, प्रेमा देवी, आरती देवी, कुसुम देवी, पूनम देवी, रीना देवी एवं ममता कुमारी उपस्थित थीं।

उन्नत कम्प्यूटेशनल जैव-अणु संरचना व ड्रग डिस्कवरी पर सप्ताहीय कार्यशाला का शुभारंभ

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद के प्राणीशास्त्र विभाग की ओर से बायोइनोवेल लाइफसाइंस के सहयोग से जीवन विज्ञान में सांख्यिकीय, मशीन लर्निंग एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल के अनुप्रयोगों सहित जैव-अणु संरचना, डायनेमिक्स एवं ड्रग डिस्कवरी के उन्नत कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण विषय पर एक सप्ताह की व्यावहारिक कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीबीएमकेयू के कुलपति प्रो० डॉ० राम कुमार सिंह ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने जीवन विज्ञान के क्षेत्र में कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतर्विषयक अनुसंधान के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से आधुनिक तकनीकों को अपनाकर वैश्विक वैज्ञानिक प्रगति के अनुरूप अपने कौशल को विकसित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों का स्वागत विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ० नविता गुप्ता ने किया। उन्होंने जैविक विज्ञान और कम्प्यूटेशनल तकनीकों के समन्वय को शोध एवं नवाचार के लिए आवश्यक बताया। पूर्व अधिष्ठाता डॉ. एस.के. सिन्हा ने भी इस पहल की सराहना करते हुए युवा शोधकताओं के लिए उन्नत कम्प्यूटेशनल तकनीकों में निरंतर क्षमता निर्माण पर जोर दिया। संसाधन विशेषज्ञ डॉ० देबाशीष साहू ने कार्यशाला के उद्देश्यों एवं प्रशिक्षण मॉड्यूल की जानकारी दी। उन्होंने जैव-अणु मॉडलिंग, आणविक डायनेमिक्स, ड्रग डिस्कवरी तथा एआई आधारित जीवन विज्ञान अनुसंधान में हो रहे नवीन विकास से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उद्घाटन समारोह में डॉ० कल्पना प्रसाद, डॉ० उमा महेश्वरी, डॉ० सरिता मुर्मू, डॉ० रूपम मल्लिक, डॉ० शिव प्रसाद, डॉ० धर्मेंद्र कुमार सिंह तथा डॉ० आर.के. तिवारी सहित विश्वविद्यालय के कई शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के शोधार्थियों के साथ एमएससी सेमेस्टर-द्वितीय के 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को जैव-अणु अनुकरण, प्रोटीन संरचना विश्लेषण, आणविक डॉकिंग, सांख्यिकीय मॉडलिंग, मशीन लर्निंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र संपन्न हुआ।

सीडीएस में अखिल भारतीय 189 वीं रैंक हासिल कर अहान सिंह ने बढ़ाया धनबाद का गौरव

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। संघ लोक सेवा आयोग की संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा-2 में अखिल भारतीय 189वीं रैंक हासिल कर धनबाद के अहान सिंह ने जिले का नाम रोशन किया है। इस सफलता के साथ उनका चयन चेन्नई स्थित अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी के लिए हुआ है। उपलब्धि पर सरायढेला स्थित उनके पूर्व विद्यालय श्री श्री सूर्यदेव सिंह स्मृति गुरुकुलम स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें बधाई दी गई। हीरापुर के झारखंड मैदान निवासी स्वर्गीय रामानुज प्रसाद सिंह के पुत्र अहान का विद्यालय परिवार ने गर्मजोशी से स्वागत किया। विद्यालय की प्रशासक किरण सिंह, प्रधानाचार्य रितिका राज और शिक्षक नागेश्वर सिंह ने उन्हें शॉल, स्मृति चिह्न और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। समारोह में अहान की मां राखी सिंह भी मौजूद रहीं। अहान ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के उत्कृष्ट मार्गदर्शन, शिक्षकों की प्रेरणा और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण को दिया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए धैर्य और निरंतर मेहनत जरूरी है। रक्षा सेवा में करियर बनाने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ शारीरिक फिटनेस और मानसिक मजबूती पर भी ध्यान देना चाहिए। प्रशासक किरण सिंह ने कहा कि अहान की उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मानविकी सहित हर विषय में करियर की व्यापक संभावनाएं हैं। युवा रक्षा सेवाओं के साथ विषय-वस्तु निर्माण, अंतरराष्ट्रीय संबंध और लोक नीति जैसे क्षेत्रों में भी बेहतर भविष्य बना सकते हैं। प्रधानाचार्य रितिका राज और शिक्षक नागेश्वर सिंह ने अहान को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

मित्रता करते समय धीमे रहिए, पर जब एक बार मित्रता कर लें, तो उसे हमेशा मजबूती के साथ निभाइए। - चाणक्य

ऐसे तो फिर हाथ से फिसल जाएगी सत्ता की कुर्सी!

हाल ही में गठित उत्तराखंड कांग्रेस की भारी भरकम कार्यकारिणी में हरीश रावत का नाम नदारद है,कुछ ऐसे चर्चित और प्रभावी नाम भी कार्यकारिणी में नही है ,जिनके नाम से ही कांग्रेस जानी जाती है।साथ ही जो मुसलमान कांग्रेस को आंख बंद करके वोट देता आया है,उनकी संख्या कार्यकारिणी में मात्र 8 है।वह भी तब जब कार्यकारिणी के प्रदेश सचिवों की संख्या ही 107 तक पहुंच गई है।एक तरफ उत्तराखंड में कार्यकारिणी गठन का ऐलान हो रहा था,वही दूसरी तरफ दिल्ली से खबर आ रही थी कि हरीश रावत जिंदगी की जंग लड़ रहे है।हल्द्वानी में हुई कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा में कुछ कार्यकर्ताओ ने हरीश रावत जिंदाबाद के नारे उनकी गैर मौजूदगी में लगा दिए तो कांग्रेस प्रभारी शैलजा नाराज हो गई,जबकि होना यह चाहिए था कि जनसभा में हरीश रावत को भी आमंत्रित कर उनका भाषण कराया जाता।पता नही कांग्रेस अपनो को दूर करके क्या हासिल करना चाहती है।कांग्रेस में योग्य कार्यकर्ताओ की कमी नही है,परन्तु गुटबाजी के चक्कर मे उन्हें आगे ही नही लाया जाता।पार्टी के प्रभारी जो नेता बनते है,उनकी भी परफॉर्मेंस का आंकलन करना चाहिए कि उन्होंने अपने राज्यो में पार्टी को कितनी सीटे दिलवाई, ऐसा न हो कि अपने राज्यो में हारकर दूसरे राज्य का प्रभारी बन सिर्फ अपने स्वस्गत कराता हुआ ही प्रभारी घूमता रहे। कम से कम भाजपा में ऐसा नही होता,वहां निष्ठावान कार्यकर्ताओ को खोज खोजकर दायित्व दिया जाता है। जबकि कांग्रेस में चापलूसी, चमचागिरी और जी हुजूरी पहले नंबर पर है तभी कुछ मिल सकता है।आज पार्टी में ऐसे ऐसे पदाधिकारी बन बैठे है ,जो पार्टी के प्रति शायद ही वफादार रहे हो। आगामी 2027 के मद्देनजर होना यह चाहिए था कि कांग्रेस सबको साथ लेकर चलती।लेकिन हाल के घटनाक्रम तो आपसी फूट की तरफ इशारा कर रहे है।कांग्रेस के लिए यह स्वर्णिम अवसर है जब भाजपा के मौजूदा 32 विधायकों की रिपोर्ट खराब आई है,यदि उन्ही सीटों को कांग्रेस टारगेट बना ले तो उसकी नैया पार हो सकती है।लेकिन न तो हरीश रावत के बिना और न ही पार्टी के उन निष्ठावानो के बिना ,जो कांग्रेस को अपने खून से सींचते है।

हरीश रावत एक मात्र ऐसे नेता है जो अपने कार्यकर्ताओं के बीच सदैव सक्रिय रहते है। उनके बिना कांग्रेस आज भी बेमायने है। पिछले दिनों भी कांग्रेस प्रभारी शैलजा से अप्रत्यक्ष नाराजगी के चलते हरीश रावत ने अर्जित अवकाश की राजनीति शुरू की थी। जिसे लेकर कांग्रेस के आला अधिकारी से लेकर कांग्रेस समर्थक भी असमंजस में रहे।अपनी बढ़ती उम्र में भी बेहद सक्रिय कांग्रेस के शीर्ष नेता हरीश रावत के पास वर्तमान में कोई दायित्व नही है,फिर भी वे राज्य के सर्वाधिक सक्रिय नेता कहे जा सकते है। ऐसे में उनकी अनदेखी करके कांग्रेस कोई भी चुनाव फिलहाल नही लड़ सकती और यदि ऐसा हुआ तो फिर से कांग्रेस की लुटिया डूबने में देर नही लगेगी।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा भी है कि वे पार्टी के लिए बूथ अध्यक्ष तक बनने को तैयार है। पिछले दिनों हरीश रावत का यह कहना भी गलत नही है कि कांग्रेस में कुछ लोग जहरीले हैं,ऐसे लोग बीजेपी में भी हैं। हरीश रावत ने हाल ही में कांग्रेस से यह भी कहा कि,मैं बूढ़ा आदमी हूं, मेरा काम है खांसते रहना ताकि कोई गलत आदमी पार्टी में न घुस पाए।उन्होंने पार्टी के साथ दगा करने वाले एक नेता कि ओर इशारा कर कहा कि, आपके पास जो भी जहर है, वो मेरे ऊपर डाल दो, मैं उसे पी जाऊंगा,आप बस एक-दूसरे की तारीफ करो, एक-दूसरे को प्रोत्साहित करो और आगे बढ़ो।

वास्तव में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के सामने कांग्रेस की मौजूद चुनौती को साफ दिखती है, गुटों में बंटी कांग्रेस इकाई का नेतृत्व करना, वह भी 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले बेहद कठिन है।वह भी तब जब कांग्रेस पार्टी सन 2017 और सन 2022 के दो विधानसभा चुनाव हार चुकी हो, साथ ही राज्य की लगातार तीन लोकसभा चुनावों में भी एक भी सीट कांग्रेस नहीं जीत पाई है,जो पार्टी की कमजोर हालत को प्रमाणित करता है।कांग्रेस की कमान पहले करन माहरा को दे दी गई थी,परन्तु वे कांग्रेस में कोई चमत्कार नही कर पाये।यहां तक कि कार्यकारिणी तक नही बना सके थे।हरीश रावत ने स्वयं को पीछे करते हुए सार्वजनिक रूप से सुझाव दिया था कि अगला विधानसभा चुनाव कांग्रेस को प्रीतम सिंह (जो पांच बार के विधायक हैं) के नेतृत्व में लड़ना चाहिए। उनका यह बयान पार्टी में एकता का पहला कदम कहा जा सकता है। प्राकृतिक आपदा में विजय बहुगुणा के फेल हो जाने के कारण उनकी जगह सन 2014 में हरीश रावत को मुख्यमंत्री पद पर रिप्लेस किया गया था।यह बदलाव उस समय हुआ था जब विजय बहुगुणा पर जून 2013 की केदारनाथ आपदा से निपटने को लेकर भारी आलोचना हो रही थी क्योंकि आपदा के समय विजय उत्तराखंड के बजाए दिल्ली में डेरा डाले हुए थे।इस परिवर्तन में हरीश रावत सफल भी रहे। करन माहरा को सीडब्ल्यूसी और प्रीतम सिंह को सीईसी में शामिल किया जाना, कांग्रेस हाईकमान द्वारा राज्य में प्रतिस्पर्धी गुटों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश है।

सत्ता-विपक्ष के द्वंद्व में फंसा लोकतंत्र

-ओ.पी. पाल

भारतीय लोकतंत्र का सबसे पवित्र मंदिर 'संसद' जनता की समस्याओं, राष्ट्रीय नीतियों और भावी कानूनों पर तर्कसंगत बहस का केंद्र माना जाता है। मसलन संसद केवल कानून बनाने की मशीन नहीं है बल्कि यह देश की सामूहिक चेतना और आकांक्षाओं का दर्पण है। लेकिन संसद के वर्तमान मानसून सत्र में जो दृश्य सामने आ रहा है, वह विधायी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। सत्र के पहले ही दिन से विपक्षी दलों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय व राजनीतिक मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में जोरदार हंगामा किया जा रहा है। सदन के भीतर नारेबाजी और वेल (सदन के बीचोंबीच) में आकर तख्तियां दिखाने से लेकर संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा से लेकर नए भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन विपक्ष की रोजाना की दिनचर्या देखी जा रही है। यह भारतीय लोकतंत्र और जनता के प्रति जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही की दृष्टि से शुभ संकेत नहीं है।

संसद के मानसून सत्र में बीते दो हफ्ते की तरह तीसरे सप्ताह की कार्यवाही के दौरान भी जिस तरह हंगामे के बीच बिना बहस के विधेयक पारित हो रहे हैं, वह भारतीय लोकतंत्र में विधायी कार्य और जवाबदेही का गहराता संकट पैदा करता नजर आ रहा है। यह सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर है, तो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के पास अपनी जिम्मेदारी निभाने का आखिरी अवसर है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है लेकिन असहमति को प्रकट करने का जरिया 'संसदीय संवाद' होना चाहिए, 'संसदीय गतिरोध' नहीं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए यह अनिवार्य है कि दोनों पक्ष अपनी राजनीतिक रणनीतियों से ऊपर उठकर देश के विधायी और लोकतांत्रिक हितों को प्राथमिकता दें। शुरूआती दो हफ्तों में हंगामे और लगातार होते स्थगन के कारण दोनों सदनों में कोई ठोस कामकाज नहीं हो सका। यद्यपि सरकार लगातार यह दावा कर रही है कि वह विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर नियम-नियमावली के तहत चर्चा कराने को तैयार है, वहीं विपक्ष का कहना है कि उनकी प्राथमिक मांगों पर तुरंत और बिना शर्त बहस कराई जाए। इस गतिरोध के बीच सबसे बड़ा नुकसान देश के उस विधायी ढांचे का हो रहा है, जिसकी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों को सौंपी गई है।

विधायी कामकाज पर सत्ता पक्ष की जवाबी रणनीति

संसद में विपक्ष की ओर से जारी व्यवधान के बीच केंद्र सरकार ने भी विधायी कामकाज निपटाने के लिए एक आक्रामक और व्यावहारिक रणनीति अपनाई है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह हंगामे के कारण विधायी एजेंडे को रुकने नहीं देगी। नतीजतन, शोर-शराबे और तख्तियों की आड़ में ही कई अत्यंत महत्वपूर्ण विधेयक बिना किसी विस्तृत चर्चा के दोनों सदनों से पारित कराए जा चुके हैं। पीठासीन अधिकारियों (लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति) द्वारा बार-बार सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने और बिलों पर चर्चा में भाग लेने की अपील की गई। इसके बावजूद, जब विपक्षी दल चर्चा में शामिल होने के बजाय वाकआउट (सदन का बहिष्कार) करने या नारेबाजी जारी रखने का विकल्प चुनते हैं तो सरकार ध्वनिमत के जरिए विधेयकों को पारित करवा लेती है। कई विधेयकों पर सदन के दोनों सदनों की मुहर लग चुकी है, जो राष्ट्रपति की मुहर के बाद देश में कानून बनने की दहलीज पर जा चुके हैं। संसदीय कार्यप्रणाली के दृष्टिकोण से यह स्थिति चिंताजनक है। जब कोई विधेयक बिना बहस के कानून का रूप लेता है तो उसमें रह जाने वाली व्यावहारिक कमियों या खामियों पर विचार करने का अवसर समाप्त हो जाता है।

प्रश्नकाल और शून्यकाल: जनहित के मुद्दों की अनदेखी

संसदीय लोकतंत्र में 'प्रश्नकाल' और 'शून्यकाल' ऐसे दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जिनके माध्यम से संसद सदस्य (चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के) सीधे सरकार और उसके मंत्रियों की जवाबदेही तय करते हैं। प्रश्नकाल के दौरान सांसद अपने क्षेत्रों की समस्याओं, स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, रक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़े तारांकित और अतारांकित प्रश्न पूछते हैं। चालू मानसून सत्र में लगातार व्यवधान के कारण अधिकांश दिनों में प्रश्नकाल शुरू होते ही स्थगित करना पड़ा या शोर-शराबे में डूब गया। इससे मंत्रियों से सीधे तीखे सवाल पूछने का जनता का अधिकार अप्रत्यक्ष रूप से छीन गया। वहीं, शून्यकाल वह समय होता है जब सांसद बिना किसी पूर्व सूचना के लोक महत्व के अविलंबनीय मुद्दों को उठाते हैं। सदन के लगातार बाधित रहने से न तो देश के ज्वलंत मुद्दों पर बात हो पा रही है और न ही दूरदराज के क्षेत्रों के आम नागरिकों की आवाज दिल्ली तक पहुंच पा रही है।

रणनीतियों के द्वंद्व में फंसी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं

इस मानसून सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं को साधने में लगे हैं लेकिन इसका खामियाजा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को भुगतना पड़ रहा है। शायद विपक्ष की रणनीति मुख्य रूप से सरकार को राजनीतिक रूप से बैकफुट पर धकेलने की है। विपक्ष का तर्क है कि जबतक उनकी प्राथमिक मांगों ज्वलंत सामाजिक, आर्थिक या जांच से जुड़े मुद्दों पर पहले चर्चा नहीं होती, तब तक सामान्य कामकाज नहीं चलने दिया जाएगा। हालांकि, इस रणनीति के कारण विपक्ष उस मंच को खुद ही खो देता है जहां वह सरकार की नीतियों की धज्जियां उड़ा सकता था। सदन से वाकआउट करने का सीधा अर्थ है, सरकार को बिना किसी विरोध के बिल पास कराने का 'वॉकओवर' दे देना। वहीं, सरकार की रणनीति यह दिखाने की है कि वह देश के विकास और विधायी कार्यों के प्रति प्रतिबद्ध है। सरकार का तर्क है कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से दूर भाग रहा है। विपक्ष के बहिष्कार का लाभ उठाते हुए सरकार अपने प्रमुख और दूरगामी असर वाले कानूनों को तेजी से पारित करवा रही है। हालांकि, बिना बहस के बिल पास कराने से भले ही सरकार का लक्ष्य पूरा हो जाए लेकिन उन कानूनों की नैतिक स्वीकार्यता पर सवाल खड़े होते हैं।

जनता के प्रति जवाबदेही और विपक्ष का दायित्व

संसदीय व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका केवल विरोध करने की नहीं बल्कि 'सकारात्मक आलोचक' की होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद में इसलिए चुनकर भेजती है ताकि वे उनकी समस्याओं को उठाएं और बनने वाले कानूनों पर गहराई से मंथन करें। जब विपक्षी सांसद चर्चा का बहिष्कार करते हैं तो वे विधेयकों में जनहित से जुड़े संशोधन पेश करने के अपने अधिकार का प्रयोग नहीं कर पाते। संसद को चलाने में देश के करदाताओं का करोड़ों रुपया प्रति घंटे खर्च होता है। सत्र का हंगामे में धुल जाना वित्तीय और समय दोनों की भारी बर्बादी है। तख्तियां लहराना, कागज फाड़कर फेंकना और पीठासीन अधिकारी के सामने नारेबाजी संसदीय गरिमा को ठेस पहुंचाता है। ऐसे में विपक्ष को यह समझना होगा कि सरकार को घेरने का सबसे सशक्त माध्यम 'सदन का स्थगन' नहीं, बल्कि 'सदन के भीतर अकाट्य तर्कों के साथ बहस' करना है।

क्या हो सकती है आगे की राह?

अब जब मानसून सत्र के केवल कुछेक दिन ही बचे हैं, तब यह सवाल सबसे बड़ा है कि क्या बाकी बचे समय का उपयोग देशहित में किया जा सकता है? सत्र के अंत की ओर बढ़ते हुए आगे की राह को आसान बनाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष के सामने मौका है। दोनों पक्षों को अपने अड़ियल रुख से पीछे हटना होगा। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की मुख्य मांगों पर किसी बीच के रास्ते या विशेष नियम के तहत चर्चा कराने का औपचारिक आश्वासन दे।

वहीं, विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि सदन को ठप रखने से किसी समस्या का समाधान नहीं निकलता। सत्र के अंतिम दिनों में जो भी महत्वपूर्ण विधेयक पटल पर रखे जाने हैं, उन पर कम-से-कम संक्षिप्त बहस अवश्य कराई जाए। विपक्ष को वाकआउट करने के बजाय सदन में रहकर अपने संशोधन दर्ज कराने चाहिए और सरकार को भी विपक्ष के जायज सुझावों को शामिल करने का बड़प्पन दिखाना चाहिए।

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

ललित गर्ग

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है-धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएं। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है।

विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र परस्परोपग्रहो जीवानाम् भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरूआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है।

लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बढ़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो।

आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है।

भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएं हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है। भारत के कुछ राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। तेलंगाना में 2024 में मृतक अंगदान की दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही और उसके जीवदान कार्यक्रम के माध्यम से हजारों प्रत्यारोपण संभव हुए। तमिलनाडु में भी मृतक अंगदान की व्यवस्था ने अनेक परिवारों को प्रेरित किया हैय 2026 में एक परिवार ने भाषा की बाधा के बावजूद डिजिटल अनुवाद की मदद से अपने प्रियजन के अंगदान का निर्णय लिया और अनेक मरीजों को जीवन मिला। ये घटनाएं बताती हैं कि जहां संवेदना, व्यवस्था और जागरूकता मिलती हैं, वहां मृत्यु भी कई जीवनों को बचाने का माध्यम बन सकती है।

अंगदान की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि यह रक्तदान से भी आगे की परोपकार-चेतना है। रक्तदान में हम अपने शरीर की ऐसी चीज देते हैं जिसे शरीर फिर बना लेता है, अंगदान में हम मृत्यु के बाद ऐसी अमूल्य संपदा देते हैं जिसका उपयोग किसी दूसरे शरीर को जीवन देने के लिए हो सकता है। इसलिए अंगदान को केवल चिकित्सा की भाषा में नहीं, मानवीय रिश्तों और करुणा की भाषा में समझना होगा।

विभाजन की विभीषिका और फिल्मी गीतों में रोता हिन्दुस्तान

कैलाश चन्द्र

भारत का विभाजन केवल भूगोल का विभाजन नहीं था। 1947 में एक राजनीतिक सीमा खींची गई, लेकिन उसके साथ करोड़ों मनुष्यों के जीवन, परिवार, स्मृतियों और संबंधों पर भी एक ऐसी रेखा खिंच गई जिसकी पीड़ा पीढ़ियों तक बनी रही। अभी भी हजारों परिवारों में वो कसक शेष है। उनके घर छूटे, गाँव छूटे, खेत-खलिहान छूटे, रिश्ते छूटे और सबसे बढ़कर वह मिट्टी छूट गई जिसे लोग अपना देश, अपना वतन कहते थे।

विभाजन की त्रासदी को इतिहास की पुस्तकों में आंकड़ों, घटनाओं और राजनीतिक निर्णयों के माध्यम से पढ़ा जा सकता है; लेकिन उसकी मानवीय पीड़ा को समझने के लिए साहित्य, कविता, कहानी और सिनेमा की ओर देखना पड़ता है। हिन्दी सिनेमा ने विभाजन को अनेक बार परदे पर उतारा और फिल्मी गीतों ने उस पीड़ा को ऐसी भावनात्मक भाषा दी, जिसे सुनकर आज भी विस्थापन की वेदना को अनुभूत किया जा सकता है।

विभाजन के बाद बने भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा भले ही निश्चित हो गई, लेकिन स्मृतियों की कोई सीमा नहीं बनी। गीतों में बार-बार वही प्रश्न लौटता रहा–जिस घर को अपना समझकर जीवन बिताया, उसे अचानक पराया कैसे मान लें?

वतन जब एक स्मृति बन गया

स्वतंत्रता से पहले वतन शब्द का अर्थ था–अपनी धरती, अपना देश और स्वतंत्रता की आकांक्षा। लेकिन विभाजन के बाद वतन का एक नया अर्थ उभरा–वह जगह जहां मनुष्य का बचपन बीता था। अब वतन केवल भारत या पाकिस्तान नहीं था। किसी के लिए लाहौर वतन था, किसी के लिए अमृतसर, किसी के लिए रावलपिंडी, मुल्तान, पेशावर, ढाका या कराची। किसी के लिए वतन वह गांव था जहाँ पीढ़ियों से घर खड़ा था।

यही कारण है कि विभाजन पर बने अनेक गीतों में राष्ट्र की तुलना में घर, मां, मिट्टी, गलियां, बचपन और बिछुड़े रिश्ते अधिक महत्वपूर्ण दिखाई देते हैं।विभाजन की सबसे बड़ी त्रासदी यही थी कि लाखों लोगों को यह निर्णय स्वयं नहीं लेना था कि उनका घर कहां होगा। सीमाओं ने उनके लिए तय कर दिया कि वे अब कहाँ के नागरिक हैं।

वतन की राह में वतन के नौजवान शहीद हो... 1948 की फिल्म शहीद स्वतंत्रता के तुरंत बाद आई महत्वपूर्ण फिल्मों में थी। इसका गीत– वतन की राह में वतन के नौजवान शहीद हो... यह स्वतंत्रता और बलिदान की भावना का गीत था। लेकिन 1947 के बाद वतन शब्द का भाव और भी जटिल हो गया था। स्वतंत्रता मिली थी, मगर उसी स्वतंत्रता की कीमत विभाजन और विस्थापन के रूप में भी सामने आई। एक ओर स्वतंत्रता का पर्व था, दूसरी ओर शरणार्थियों की बिलखती टोलियां। एक ओर अपना तिरंगा लहरा रहा था, दूसरी ओर अपने घरों से उजड़े लोग अपने भविष्य की तलाश में भटक रहे थे। यही भारतीय इतिहास का वह विरोधाभास है जिसे केवल राजनीतिक घटनाओं से नहीं समझा जा सकता।

ऐ मेरे प्यारे वतन...

विभाजन की पीड़ा को सीधे-सीधे व्यक्त करने वाले गीतों में फिल्म काबुलीवाला (1961) का गीत ऐ मेरे प्यारे वतन, तुझपे दिल कुर्बानद्ध अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह गीत वास्तव में अफगानिस्तान पूर्व का गांधार से दूर रह रहे एक व्यक्ति की मातृभूमि के प्रति भावनात्मक पुकार है। लेकिन विभाजन के बाद के भारतीय मानस ने इसमें अपने बिछड़े हुए वतन की पीड़ा भी महसूस की। जब कोई व्यक्ति अपनी जन्मभूमि से हजारों मील दूर हो जाता है, तो वतन भौगोलिक स्थान नहीं रहता–वह स्मृति बन जाता है। और स्मृति को कोई सीमा नहीं रोक सकती। यही कारण है कि यह गीत विभाजन की सामूहिक स्मृति के संदर्भ में भी मार्मिक प्रतीत होता है।

वो सुबह कभी तो आएगी

साहिर लुधियानवी की कविता और फिल्मी गीतों में स्वतंत्रता के बाद के भारत की सामाजिक बेचैनी दिखाई देती है। वो सुबह कभी तो आएगी... यह केवल भविष्य की आशा नहीं है; यह उस पीढ़ी की आकांक्षा है जिसने स्वतंत्रता देखी, लेकिन स्वतंत्रता के साथ गरीबी, विस्थापन, हिंसा और सामाजिक असमानता भी देखी। विभाजन के बाद करोड़ों लोगों के सामने एक नया जीवन शुरू करने की चुनौती थी। उनके लिए आजादी का अर्थ केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था; वह सुरक्षित घर, सम्मानजनक जीवन और अपनेपन की तलाश भी थी। इसलिए उस समय के गीतों में उत्सव के साथ-साथ उम्मीद और पीड़ा दोनों साथ चलते हैं।

जिन्हें नाज है हिन्द पर...

सिनेमा ने विभाजन की पीड़ा को केवल विस्थापितों की कहानी बनाकर नहीं छोड़ा। उसने स्वतंत्रता के बाद पैदा हुई सामाजिक विषमताओं पर भी प्रश्न उठाए। साहिर की रचनाओं में यह प्रश्न बार-बार दिखाई देता है कि यदि देश स्वतंत्र हो गया है तो क्या हर नागरिक स्वतंत्र, सुरक्षित और सम्मानित भी हुआ? यही प्रश्न प्यासा जैसे सिनेमा में दिखाई देता है। विभाजन के बाद का भारत केवल राष्ट्रनिर्माण का भारत नहीं था; वह अपने आपको (स्व, चित्ति) खोजता हुआ भारत भी था।

ये दुनिया अगर मिल भी जाए तो क्या है...प्यासा (1957) का संसार सीधे विभाजन की कहानी नहीं कहता, लेकिन उसके भीतर युद्धोत्तर और विभाजनोत्तर समाज की बेचैनी सुनाई देती है। साहिर लुधियानवी की दृष्टि में मनुष्य की कीमत धन और सत्ता से बड़ी है।विभाजन ने मनुष्य को अचानक शरणार्थी, हिन्दू, मुस्लिम, सिख, भारतीय या पाकिस्तानी जैसी पहचान में बांट दिया था। लेकिन उसके पहले वह एक मनुष्य था–जिसका घर था, परिवार था, पड़ोसी थे और स्मृतियां थीं। विभाजन के गुनहगार कौन? क्या सिनेमा की कला एवं मनोरंजन की मानवीय दृष्टि इस मूल सत्य को बार-बार याद दिला सकी? ऐसे कुछ प्रश्न भी मन में चिरस्थायी है।

अजीब दास्तां है ये...

फिल्म दिल अपना और प्रीत पराई (1960) का गीत–अजीब दास्तां है ये, कहां शुरू कहां खतम...विभाजन पर लिखा गीत नहीं है, लेकिन इसके भाव विभाजन की कहानी को समझने में अद्भुत रूपक बन जाते हैं। विभाजन भी ऐसी ही एक अजीब दास्तान था। एक दिन तक जो पड़ोसी थे, वे अचानक दूसरी ओर के लोग हो गए। जो घर अपना था, वह पराया हो गया। जो मार्ग नित्य का था, वह सीमा के उस पार चला गया। और जिन रिश्तों को पीढ़ियों ने बनाया था, वे राजनीति के एक निर्णय से टूट गए।

घर आया मेरा परदेसी...

भारतीय सिनेमा में घर लौटने का भाव बार-बार आता है। लेकिन विभाजन की पीढ़ी के लिए घर लौटना हमेशा संभव नहीं था।कई लोगों के घर अब दूसरे देश में थे। कई घरों में दूसरे लोग बस चुके थे। कई घर जल चुके थे।

आज का रशिफल

मेष- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी।

वृष- कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

मिथुन- कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

कर्क- राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

सिंह- व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ड्रूषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

कन्या- मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा।

तुला- नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक- पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

धनु- आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

मकर- आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।

कुम्भ- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

मीन- लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

सदर अस्पताल में बिचौलियों से सावधान रहें, शिकायत मिलने पर होगी कार्रवाई

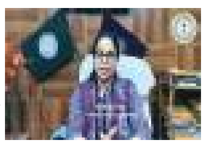

हजारीबाग। जिला प्रशासन ने सदर अस्पताल हजारीबाग में इलाज कराने वाले मरीजों और उनके परिजनों से बिचौलियों से सावधान रहने की अपील की है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सदर अस्पताल में मरीजों के लिए इलाज एवं चिकित्सकीय परामर्श निःशुल्क उपलब्ध है। वहीं विभिन्न प्रकार की चिकित्सीय जांचें सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम दरों पर की जाती हैं। प्रशासन के संज्ञान में आया है कि कुछ बिचौलियों द्वारा मरीजों को गुमराह कर निजी जांच केंद्रों में ले जाने का प्रयास किया जाता है। उप विकास आयुक्त ने आम लोगों से अपील की है कि वे ऐसे लोगों के झांसे में न आएं। यदि कोई व्यक्ति बाहर से जांच कराने के लिए दबाव बनाता है या इस प्रकार का कोई मामला सामने आता है, तो इसकी सूचना तत्काल अस्पताल प्रबंधन या जिला प्रशासन को दें। किसी भी शिकायत अथवा सहायता के लिए जिला प्रशासन के नियंत्रण कक्ष के मोबाइल नंबर 8002592934 पर संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने कहा है कि आम नागरिकों को पारदर्शी, सुलभ और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है।

सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित करेगा जिला प्रशासन

हजारीबाग। इस स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन की ओर से सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य एवं योगदान करने वाले जिले के नागरिकों को 15 अगस्त के मुख्य समारोह के मंच से सम्मानित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि उनके आसपास यदि किसी व्यक्ति ने शिक्षा, समाज सेवा, महिला एवं बाल विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, खेल, कला-संस्कृति अथवा किसी अन्य सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है, तो ऐसे योग्य व्यक्तियों की जानकारी जिला प्रशासन तक पहुंचाएं। संबंधित व्यक्ति के कार्य एवं योगदान का पूरा विवरण 14 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे तक उप विकास आयुक्त कार्यालय, हजारीबाग में जमा किया जा सकता है। प्राप्त जानकारी के आधार पर योग्य व्यक्तियों के चयन की प्रक्रिया पूरी कर उन्हें स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने कहा कि यह पहल उन नागरिकों के प्रयासों को सम्मान देने के उद्देश्य से की जा रही है, जिन्होंने अपने कार्यों से समाज और जिले को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

ड्रोन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चार दिवसीय कार्यशाला संपन्न

हजारीबाग। अन्नदा महाविद्यालय, हजारीबाग में ड्रोन तकनीक एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर आयोजित चार दिवसीय पूर्णकालिक कार्यशाला का बुधवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन अवसर पर कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों के बीच महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नीलमणि मुखर्जी ने प्रमाण-पत्र वितरित किए। कार्यशाला का आयोजन सीसीपीसी की समन्वयक डॉ. बिनिता कुमारी के पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन में किया गया। चार दिनों तक चली कार्यशाला में प्रतिभागियों को ड्रोन तकनीक, उसके व्यावहारिक उपयोग, संचालन तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की आधुनिक तकनीकों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षक विषु श्रीवास्तव एवं योगेश सिंह ने प्रतिभागियों को तकनीकी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. नीलमणि मुखर्जी ने कहा कि वर्तमान समय में ड्रोन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से उभरती हुई तकनीकें हैं। विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना उनके कौशल विकास और भविष्य में रोजगार के अवसरों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आयोजकों, प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों को बधाई दी। मौके पर डॉ. विवेक एवं डॉ. प्रेरणा भी उपस्थित रहीं।

जी.एम. महाविद्यालय में विद्यार्थियों को स्मार्ट निवेश के प्रति किया जागरूक

हजारीबाग। जी.एम. महाविद्यालय के सभागार में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से विद्यार्थियों को वित्तीय जागरूकता प्रदान करने के उद्देश्य से स्मार्ट निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. रमण भल्ला ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन बैंकिंग के सही उपयोग, रख-रखाव, सुरक्षा मानकों तथा उचित निवेश के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए अभी से निवेश की आदत विकसित करनी चाहिए। साथ ही सही समय पर सही जगह निवेश करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. उमेश ठाकुर के नेतृत्व में किया गया। मौके पर महाविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थी सहित विनय कुमार मेहता, रेयाज अहमद, अभिनव कुमार, पवन कुमार सिंह, मनोज राणा सहित अन्य उपस्थित थे।

लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर डीसी सख्त, 15 अगस्त से पहले भूमि जांच रिपोर्ट देने का निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में राजस्व विभाग, भू-अर्जन, एनटीपीसी, एनएच सहित विभिन्न परियोजनाओं और आधारभूत संरचनाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के साथ भूमि से संबंधित जांच प्रतिवेदन 15 अगस्त से पहले प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। बैठक में एनटीपीसी की पकरी बरवाडीह, केरेडारी और चट्टी बरियातू कोल परियोजनाओं से संबंधित भूमि अधिग्रहण, मुआवजा भुगतान, पंचायत भवन डिमोलिश की स्वीकृति, म्यूटेशन, जांच प्रतिवेदन और मेजरमेंट सहित विभिन्न मामलों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी लंबित मामलों का नियमानुसार शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। विभिन्न परियोजनाओं के प्रतिनिधियों ने भूमि जांच प्रतिवेदन, एफआरए, वंशावली, वैल्युएशन, स्कूल शिफ्टिंग तथा नर्सिंग कॉलेज निर्माण के लिए भूमि चिह्नित कर हस्तांतरण सहित अन्य समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर 15 अगस्त से पहले भूमि से संबंधित जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। बैठक में राजस्व विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान पीजी पोर्टल, भू-मापी, म्यूटेशन, दाखिल-खारिज, सो-मोटो म्यूटेशन, ई-रिवेन्यू कोर्ट, आरसीएमएस ऑनलाइन रिपोर्ट, ऑनलाइन लगान और परिशोधन पोर्टल सहित अन्य राजस्व मामलों की प्रगति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने एलपीसी निर्गत करने में विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अंचलाधिकारियों को जल्द ही नया एलपीसी फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारियां स्पष्ट, तथ्यात्मक और निष्पक्ष रूप से दर्ज करने का निर्देश दिया गया। सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण के मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। वहीं म्यूटेशन और रिजेक्टेड मामलों की भी समीक्षा करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

३८३ से अधिक बच्चों के दांतों की हुई निःशुल्क जांच, दंत स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल की ओर से चरही स्थित न्यू हजारीबाग पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय निशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 383 से अधिक स्कूली बच्चों के दांतों की निशुल्क जांच की गई। साथ ही बच्चों को मुख एवं दंत स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरी जानकारी और परामर्श दिया गया।
इस अवसर पर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए दांतों की नियमित देखभाल और समय-समय पर जांच बेहद जरूरी है। ऐसे निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ समय पर उपचार सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान की ओर से भविष्य में भी सामाजिक सरोकारों के तहत इस तरह के जनहितकारी शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।
शिविर में हजारीबाग डेंटल कॉलेज की चिकित्सक डॉ. रिचा करन, डॉ. दीपांशु रंजन मिश्र, प्रणव निखिल, शाफिया, आयुष, जानवी, इंशा और पीआरओ राजकुमार ने सराहनीय योगदान दिया।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल, 25 लाभुकों को मिली बैटरी चालित ट्राईसाइकिल

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। दिव्यांगजनों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल जारी है। उपायुक्त हेमन्त सती के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग द्वारा बुधवार को 60 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले 25 पात्र लाभुकों के बीच बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया। इससे पहले 50 दिव्यांग लाभुकों को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जा चुकी है। गुरुवार को 25 अन्य पात्र लाभुकों के बीच ट्राईसाइकिल का वितरण किया जाएगा। इस तरह चार चरणों में कुल 100 दिव्यांग लाभुकों को बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जा रही है। वितरण के दौरान समाज कल्याण विभाग के कर्मियों ने लाभुकों को ट्राईसाइकिल चलाने का प्रशिक्षण भी दिया।
जिला प्रशासन के अनुसार दिव्यांग उपकरण उपलब्ध कराने को लेकर जिला जनसंपर्क कार्यालय के माध्यम से प्रचार-प्रसार किए जाने पर कई आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर आने वाले दिनों में पात्र दिव्यांगजनों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जाएगी।
उपायुक्त हेमन्त सती ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। बैटरी चालित ट्राईसाइकिल से दिव्यांगजनों को दैनिक कार्यों, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक गतिविधियों के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी।
उपविकास आयुक्त रिया सिंह ने कहा कि बैटरी चालित ट्राईसाइकिल दिव्यांगजनों के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन की ओर आगे बढ़ने का माध्यम है। इससे विद्यार्थियों और कामकाजी लाभुकों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी सुविधा होगी।
ट्राईसाइकिल प्राप्त करने वाले लाभुकों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इससे उनके दैनिक आवागमन में सहूलियत होगी और वे अधिक स्वतंत्रता के साथ अपने कार्य कर सकेंगे। मौके पर उपविकास आयुक्त रिया सिंह, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिंहा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

पदमा में ब्राउन शुगर और गांजा के साथ दो गिरफ्तार, 15 ग्राम ब्राउन शुगर व 350 ग्राम गांजा बरामद

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। पदमा ओपी क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों की अवैध खरीद-बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 15 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर और 350 ग्राम गांजा बरामद किया है। कार्रवाई 11 अगस्त की शाम गारु करुहा रेलवे ओवरब्रिज और बंदरबेला मोड़ के समीप की गई। पुलिस अधीक्षक को शाम करीब 6:30 बजे गुप्त सूचना मिली थी कि गारु करुहा रेलवे ओवरब्रिज पर कुछ लोगों द्वारा ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए गारु करुहा रेलवे ओवरब्रिज से लखिन्द्र कुमार डांगी, उम्र 30 वर्ष, निवासी ढोढ़ी, थाना मयुरहंड, जिला चतरा को 15 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा। वहीं विशाल कुमार यादव, उम्र करीब 21 वर्ष, निवासी मेलकाना, थाना चौपारण, जिला हजारीबाग को 350 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में ब्राउन शुगर के साथ पकड़े गए लखिन्द्र कुमार डांगी ने बताया कि उसने ब्राउन शुगर सुरेन्द्र डांगी, निवासी ढोढ़ी, थाना मयुरहंड, जिला चतरा से खरीदा था। पुलिस ने मामले में सुरेन्द्र डांगी की गिरफ्तारी के लिए भी छापामारी शुरू कर दी है।
इस संबंध में बरही (पदमा) थाना कांड संख्या 279/2026, दिनांक 12 अगस्त 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी), 21(बी), 22(बी) और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान एक हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल संख्या जेएच-02-एटी-1528 और एक होंडा सिटी कार संख्या जेएच-10-एएक्स-8591 भी जब्त की है। छापामारी दल में बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर, बरही अंचल के पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार, पदमा ओपी प्रभारी श्रवण कुमार सहित पदमा ओपी के पुलिस पदाधिकारी और रिजर्व गार्ड शामिल थे।

समकालीन अभियान में पेलावल पुलिस की कार्रवाई, दो वारंटी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

हजारीबाग। पेलावल थाना पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत लंबे समय से फरार चल रहे दो वारंटियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से फरार वारंटियों में हड़कंप मचा है।
पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र में चलाए गए समकालीन अभियान के दौरान केस संख्या 75/15 के वारंटी सोनू रविदास, पिता सीताराम रविदास, ग्राम बलियान निवासी को गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरे मामले में केस संख्या 137/16 के वारंटी सुभाष महतो, पिता प्रयास महतो, ग्राम बरा निवासी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। दोनों वारंटियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।
पुलिस ने बताया कि फरार वारंटियों और विभिन्न मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

किसानों-ग्रामीणों के आंदोलन के समर्थन में गोंदलपुरा पहुंचे दीपांकर भट्टाचार्य, कहा- यह आंदोलन पूरे देश के लिए मिसाल

झारखंड दर्शन संवाददाता

बड़कागांव। प्रखंड के गोंदलपुरा गांव में कोल खनन परियोजनाओं के विरोध में 1217 दिनों से चल रहे रैयतों के अनिश्चितकालीन धरने को समर्थन देने भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य धरना स्थल पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर आंदोलन की स्थिति और उनकी मांगों की जानकारी ली।
ग्रामीणों ने बताया कि एनटीपीसी बादम, जेएसडब्ल्यू मोतरा, अदाणी गोंदलपुरा सहित एनएमडीसी और रोंगटा कोल खनन परियोजनाओं को रद्द कराने की मांग को लेकर वे लगातार आंदोलन कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी जमीन बहुफसलीय है। क्षेत्र में हाथियों का कॉरिडोर, जंगल और विभिन्न प्रकार के जीव-जंतुओं का प्राकृतिक आवास है। उन्होंने दामोदर घाटी की उद्गम नदी सहित क्षेत्र के पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों का हवाला देते हुए कहा कि वे किसी भी कंपनी को जमीन नहीं देंगे और क्षेत्र में कोयला खनन परियोजना स्थापित नहीं होने देंगे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आंदोलन को दबाने के लिए किसानों पर 40 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिनमें करीब 600 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। कई लोगों को जेल भी जाना पड़ा है और वर्तमान में तीन लोग जेल में बंद हैं।
ग्रामीणों की बात सुनने के बाद दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि वे गोंदलपुरा की वास्तविक स्थिति से अवगत होने और किसानों के आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र में लोकसभा और विधानसभा में माले के सांसद और विधायक गोंदलपुरा के किसानों की आवाज उठाएंगे। सितंबर में पंजाब में होने वाले किसानों के बड़े कार्यक्रम में भी इस आंदोलन का मुद्दा उठाया जाएगा।
उन्होंने कहा कि गोंदलपुरा का आंदोलन पूरे देश के लिए मिसाल है। इतने लंबे समय तक सामूहिक रूप से चलने वाला आंदोलन कहीं और देखने को नहीं मिलता। किसानों और ग्रामीणों के संघर्ष को मजबूती से उठाने का भरोसा भी उन्होंने दिया।
मौके पर उत्तराखंड से कैलाश पांडेय, जेएनयू के कामरेड विस्मय, कामरेड हलदर महतो, बीएन सिंह, आइसा के राज्य सचिव त्रिलोकी नाथ, माले के झारखंड राज्य सचिव मनोज भक्त, पूर्व विधायक राजकुमार यादव, नकुल महतो सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

वीबीजी रामजी अधिनियम को लेकर प्रशिक्षण, एआई से होगी योजनाओं की निगरानी

झारखंड दर्शन संवाददाता

बड़कागांव। विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 को लेकर बुधवार को प्रखंड सभागार में बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बीपीओ हीरो महतो और अरुण कुमार पासवान ने अधिनियम के प्रावधानों, योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी की जानकारी दी। बताया गया कि योजनाओं के निरीक्षण और निगरानी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का उपयोग किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि वीबीजी रामजी अधिनियम के तहत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। अधिनियम लोकसभा में 18 दिसंबर 2025 और राज्यसभा में 19 दिसंबर 2025 को पारित हुआ था। 21 दिसंबर 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे मंजूरी दी। अधिनियम के तहत केंद्र और राज्य के बीच 60:40 के वित्तीय हिस्सेदारी का प्रावधान है। साथ ही साप्ताहिक भुगतान, अधिकतम 15 दिनों में मजदूरी भुगतान, डिजिटल भुगतान, काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता और विलंब की स्थिति में क्षतिपूर्ति का प्रावधान बताया गया।
प्रशिक्षण में वीबीजी रामजी के तहत कुल 318 प्रकार के कार्यों की जानकारी दी गई। इनमें जल सुरक्षा से संबंधित 107, मुख्य ग्रामीण अवसंरचना के 90, आजीविका अवसंरचना से जुड़े 86 तथा चरम मौसम एवं आपदा से संबंधित 35 कार्य शामिल हैं।
मौके पर सहायक अभियंता ओम प्रकाश कुमार, कनीय अभियंता समसुद्दीन अंसारी, सीताराम दीवान, निलेश कुमार, रवि कुमार सहित सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव और रोजगार सेवक मौजूद थे।

लंबे अंतराल के बाद विश्वविद्यालय परिसर में क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता, खिलाड़ियों में दिखा उत्साह

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर में बुधवार को कई वर्षों के लंबे अंतराल के बाद अंतर विभागीय इंटर पुरुष एवं महिला क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पीजी एथलेटिक क्लब की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर विभागों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता सुबह छह बजे शुरू हुई।
कुलपति के सख्त निर्देश के बाद पीजी एथलेटिक क्लब का पुनर्गठन किया गया है। नई समिति में अध्यक्ष डॉ. सुनील के दुबे, उपाध्यक्ष डॉ. नवीन चंद्र, सचिव डॉ. विजय कुजूर, संयुक्त सचिव डॉ. संजीव शर्मा तथा सदस्य के रूप में डॉ. मृदुला भारती, डॉ. कुमारी भारती, डॉ. जया सिन्हा और डॉ. मिराज सिद्दीकी को शामिल किया गया है। क्लब के पुनर्गठन के बाद विश्वविद्यालय में खेल गतिविधियों का असर अब दिखाई देने लगा है।
प्रतियोगिता का उद्घाटन विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. विकास कुमार ने पुरुष वर्ग तथा खेल निदेशक डॉ. जॉनी रुफिना तिर्की ने महिला वर्ग की दौड़ को हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक और अन्य कर्मियों ने उपस्थित रहकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया।
महिला वर्ग में सृष्टि, ललिता कुमारी, रिंपा कुमारी, श्वेता सुमन, सुलेखा कुमारी और अमीषा कुमारी ने निर्धारित समय में दौड़ पूरी की। वहीं पुरुष वर्ग में कृष्णा प्रजापति, अंकित उरांव, वीरेंद्र कुमार, खस्गेश कुमार मेहता, जिकेश कुमार प्रजापति, पप्पू कुमार, अभिनाश कुमार, बच्चन देव कुमार और ऋषि कुमार ने दौड़ सफलतापूर्वक पूरी की।
प्रतियोगिता के सफल आयोजन में पीजी एथलेटिक क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के अलावा खेल अनुदेशक उत्तम कुमार, जिम प्रशिक्षक राजा नंदन, बेलदार रॉबिंद कुमार और अशोक कुमार यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मौके पर डॉ. राजू राम, डॉ. उमेंद्र सिंह, डॉ. जय प्रकाश आनंद समेत अन्य प्राध्यापक एवं सदस्य मौजूद रहे।
दौड़ पूरी करने वाले प्रतिभागियों के जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें अंतर महाविद्यालय क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में पीजी दल का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया जा सकता है।

समाजसेवा को जीवनशैली बनाकर रितेश खंडेलवाल ने बनाई अलग पहचान

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। युवा शक्ति जब अपनी ऊर्जा और उत्साह का उपयोग समाज और जरूरतमंदों की सेवा में करती है, तो वह दूसरों से अलग पहचान बनाती है। हजारीबाग के युवा रितेश खंडेलवाल ने पिछले करीब 13 वर्षों से समाजसेवा को अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाकर इसी सोच को चरितार्थ किया है।
24 जुलाई 1997 को जन्मे रितेश स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद से ही सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। मानव सेवा के प्रति उनका समर्पण रक्तदान में भी दिखाई देता है। वे अब तक करीब 17 बार रक्तदान कर चुके हैं और जरूरत के समय सैकड़ों लोगों तक रक्त उपलब्ध कराने में भी सहयोग किया है। कोरोना महामारी के कठिन दौर में भी रितेश जरूरतमंदों की सहायता के लिए सक्रिय रहे। वर्तमान में वे पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं और हजारीबाग यूथ विंग के सचिव की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। रितेश अपनी खुशियां भी समाज के साथ बांटना पसंद करते हैं। जन्मदिन पर भव्य आयोजन के बजाय बिरहोर बस्ती के बच्चों के बीच समय बिताकर खुशियां बांटना उनकी इसी सोच का उदाहरण है। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है।
मेहनत, लगन और सेवाभाव के बल पर रितेश ने कम समय में हजारीबाग में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनके लिए सेवा किसी अवसर तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा है। आज जब सफलता को अक्सर पैसा, पद और प्रतिष्ठा से जोड़ा जाता है, ऐसे में रितेश जैसे युवा यह संदेश देते हैं कि दूसरों के काम आना भी जीवन की बड़ी उपलब्धि है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 13 अगस्त 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

बाबा नगरी में आस्था का सैलाब, शिव भक्तों की गूंज से गुंजायमान रूटलाइन

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला 2026 के 14 वें दिन बुधवार को प्रातः 4:07 बजे बाबा बैद्यनाथ मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालुओं के लिए जलार्पण शुरू हो गया। बाबा के दर्शन और जलार्पण के लिए बड़ी संख्या में कांवरिया एवं श्रद्धालु रूटलाइन में कतारबद्ध होकर आगे बढ़ रहे हैं। बीएड कॉलेज से लेकर मंदिर परिसर तक पूरा मार्ग हर-हर महादेव और बाबा बैद्यनाथ के जयघोष से गुंजायमान है। जिला जनसंपर्क कार्यालय के अनुसार, श्रावणी मेला के 13वें दिन मंगलवार को कुल 2,79,156 श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण किया। इनमें 16,295 श्रद्धालुओं ने शीघ्र दर्शनम कूपन के माध्यम से जलार्पण किया। वहीं, बाह्य अर्घा के माध्यम से 1,51,875 तथा आंतरिक अर्घा के माध्यम से 1,10,986 श्रद्धालुओं ने बाबा पर जल चढ़ाया। श्रावणी मेला में उमड़ रही भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रूटलाइन में कतार व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल, पर्याप्त पुलिस बल और दंडाधिकारियों की चौबीसों घंटे तैनाती की गई है। पूरे रूटलाइन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन का प्रयास है कि देवघर पहुंचने वाले प्रत्येक कांवरिया और श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम और सुखद आध्यात्मिक अनुभव मिले। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी और समीक्षा की जा रही है।

इको क्लब ने पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

दुमका। आदिवासी बहुल हथियापाथर गांव में ए.एन. कॉलेज, दुमका के इको क्लब एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण और जैव विविधता संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण, पौधारोपण तथा स्थानीय जैव विविधता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय प्रजातियों के विभिन्न फलदार पौधों का वितरण किया गया। इनमें आम, अमरूद, शरीफा, पपीता, नींबू, कटहल, जामुन और इमली सहित कई उपयोगी पौधे शामिल थे। आयोजकों ने ग्रामीणों से पौधों को लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की। इको क्लब के समन्वयक एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ० अमरनाथ सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य आदिवासी बहुल गांव में जैव विविधता के संरक्षण के साथ हरित पट्टी का समुचित विकास सुनिश्चित करना है। डॉ० सिंह ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में पेड़-पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण को संतुलित रखने के साथ मानव जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आग्रह किया। इको वॉरियर कुश सोरेन ने संथाली भाषा में ग्रामीणों को पौधारोपण के लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राओं, इको वॉरियर्स तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

जनता दरबार के 82.06 प्रतिशत मामलों का हुआ निष्पादन

जामताड़ा। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जनता दरबार में अब तक कुल 485 मामले प्राप्त हुए हैं। इनमें 398 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि 87 मामले अभी प्रक्रियाधीन हैं। इस प्रकार कुल प्राप्त मामलों में 82.06 प्रतिशत का निष्पादन हो चुका है। समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने तथा आम लोगों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण और जमीनी स्तर पर समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि केवल प्रतिवेदन तैयार कर कार्रवाई पूरी मान लेना पर्याप्त नहीं है। शिकायतकर्ता की वास्तविक समस्या का समाधान होना चाहिए। साथ ही शिकायतकताओं को फोन के माध्यम से उनके आवेदन पर हुई कार्रवाई की जानकारी देने का निर्देश दिया, ताकि प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत हो। उपायुक्त ने नाला अंचल से संबंधित अतिक्रमण के मामले का अविलंब निष्पादन करने तथा विवादित बिजली बिल से जुड़े मामले में उचित कार्रवाई करने को कहा। समाज कल्याण विभाग के लंबित मामलों और प्रभार हस्तांतरण में लापरवाही पर उन्होंने नाराजगी जताई। उप विकास आयुक्त को दो दिनों के भीतर प्रभार हस्तांतरण सुनिश्चित कराने तथा लापरवाही की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ आम लोगों की समस्याएं सुनने और नियमानुसार उनका समाधान सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है।

उत्तर दिनाजपुर में बंधुआ मजदूरी जैसी परिस्थितियों से 12 बाल एवं किशोर श्रमिक मुक्त

पाकुड़। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में बंधुआ मजदूरी जैसी परिस्थितियों में कार्यरत 12 बाल एवं किशोर श्रमिकों को संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर मुक्त कराया गया। इनमें 10 बच्चे झारखंड के पाकुड़ जिले तथा दो बच्चे पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के निवासी हैं। बच्चों को कथित रूप से रोजगार का प्रलोभन देकर ठेकेदारों और मध्यस्थों के माध्यम से उनके गांवों से बाहर ले जाया गया था। प्राप्त सूचना के अनुसार उत्तर दिनाजपुर जिले में करीब 50 बाल एवं किशोर श्रमिकों को प्रतिकूल परिस्थितियों में रखे जाने की जानकारी मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन उत्तर दिनाजपुर, श्रम विभाग पाकुड़, राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष रांची, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायगंज थाना पुलिस, इंटरनेशनल जस्टिस मिशन तथा चाइल्ड राइट्स फाउंडेशन के समन्वय से 11 अगस्त को संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 12 बच्चों को मुक्त कराया गया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि उन्हें रोजगार के नाम पर बाहर ले जाया गया था और उनकी उम्र एवं परिस्थितियों के अनुरूप अत्यधिक अवधि तक काम कराया जा रहा था। सभी बच्चों को रायगंज थाना लाया गया, जहां पहचान, आयु सत्यापन, बयान दर्ज करने और अन्य आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। बच्चों की सुरक्षा और सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता देते हुए आगे की कार्रवाई बाल कल्याण समिति एवं अन्य सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष की जाएगी। पाकुड़ के बच्चों के सुरक्षित प्रत्यावर्तन, पुनर्वास और सामाजिक सुरक्षा के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

मासिक अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक ने दिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

पाकुड़। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में जुलाई माह की मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, सभी थाना एवं ओपी प्रभारी तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था और लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने आगामी स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए सभी थाना एवं ओपी प्रभारियों को विशेष सतर्कता बरतने तथा असामाजिक तत्वों और संवेदनशील स्थलों पर लगातार निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस सभा आयोजित कर पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने को भी कहा। बताया गया कि पूर्व में प्राप्त समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण किया जा चुका है।

उन्होंने पॉक्सो अधिनियम से संबंधित मामलों का निर्धारित समय सीमा में निष्पादन, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम एवं एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में तेजी लाने तथा लंबित वारंट और कुर्की का निष्पादन करने का निर्देश दिया। जुलाई में 100 मामले दर्ज हुए, जबकि 113 मामलों का निष्पादन किया गया। सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए परिवहन विभाग के साथ समन्वय कर नियमित वाहन जांच अभियान चलाने को कहा गया। हेलमेट, सीट बेल्ट, पंजीकरण, बीमा आदि की जांच तथा नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई का निर्देश दिया गया। चोरी, लूट, डकैती और गृहभेदन पर रोक के लिए नियमित गश्त और सघन जांच अभियान चलाने, शिकायतकताओं के साथ शालीन व्यवहार करने तथा लंबित चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट और परिवादों का शीघ्र निष्पादन करने को कहा गया। अवैध पत्थर, कोयला और बालू के उत्खनन-परिवहन तथा मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री के खिलाफ लगातार छापेमारी और कड़ी कार्रवाई का निर्देश भी दिया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध, मानव तस्करी, नशामुक्ति, महिला अत्याचार, डायन प्रथा और बाल विवाह के खिलाफ नियमित जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक, योजनाओं की प्रगति का लिया जायजा

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। समाहरणालय स्थित सभागार में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के माध्यम से जिले में संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं, संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं, विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन तथा आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने आयुष्मान भारत समेत अन्य स्वास्थ्य योजनाओं की नियमित निगरानी करने को कहा।

शिक्षा विभाग की समीक्षा में विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति, शैक्षणिक व्यवस्था, मध्यान भोजन, आधारभूत सुविधाओं तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली गई। उन्होंने विद्यालयों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने और पात्र लाभुकों को समय पर लाभ दिलाने पर जोर दिया गया। ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा में योजनाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया गया। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान किसानों को योजनाओं का लाभ, आवश्यक कृषि सामग्री और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने को कहा गया। जेएसएलपीएस की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने और ग्रामीण परिवारों को स्थायी आजीविका से जोड़ने पर जोर दिया गया। डीएमएफटी मद की योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया।

15 वें वित्त आयोग की योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा

झारखंड दर्शन संवाददाता

साहिबगंज। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में 15 वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परिषद, प्रखंडवार पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर 15वें वित्त आयोग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं उनके विरुद्ध किए जा रहे व्यय की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों से योजनावार प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने योजनाओं के लिए उपलब्ध राशि के व्यय में तेजी लाने तथा लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आगामी ग्राम पंचायत विकास योजना के तहत चयनित योजनाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि योजना चयन एवं क्रियान्वयन के दौरान स्थानीय आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित योजनाओं को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया, ताकि पंचायतों में स्वच्छता एवं बेहतर पर्यावरण व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। बैठक के दौरान उपायुक्त ने योजनाओं से संबंधित आवश्यक प्रविष्टियों एवं प्रगति की जानकारी समय पर संबंधित पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टियां अद्यतन रहने से कार्यों की निगरानी एवं प्रगति का आकलन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने नियमित रूप से योजनाओं की निगरानी करने तथा कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर चयनित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया जाए। बैठक में जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, कनीय अभियंता एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

श्रावणी मेले में खाद्य विभाग की कार्रवाई, 68.5 किलो मिलावटी पेड़ा नष्ट

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला 2026 के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग ने लक्ष्मी चौक, शिवगंगा और आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाकर मिलावट और अस्वच्छता के खिलाफ कार्रवाई की। जांच के दौरान कुल 68.5 किलो मिलावटी पेड़ा और 11 किलो छोला नष्ट कराया गया। विभाग की कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में हड़कंप मच गया। जांच के दौरान रितेश कुमार के प्रतिष्ठान से मेटानिल येलो युक्त आठ किलो छोला, विशाल चाट बर्गर से दो लीटर चटनी तथा अजीत कुमार के यहां स्टार्च मिला छह किलो पेड़ा नष्ट कराया गया। इसके अलावा शिवम पेड़ा भंडार से 10 किलो, धीरज कुमार के महादेव पेड़ा भंडार से 21 किलो, बाबा पेड़ा भंडार से 10 किलो, शिवम कुमार के महादेव पेड़ा से नौ किलो, पंकज पोद्दार के यहां 10.5 किलो और गंगा साह पेड़ा भंडार से दो किलो मिलावटी पेड़ा नष्ट कराया गया। प्रिया चाट से तीन किलो छोला भी नष्ट कराया गया। महावीर पेड़ा भंडार से पेड़ा और खोया के दो नमूने जांच के लिए लिए गए। संचालक को खोया का उचित भंडारण करने तथा खाद्य सामग्री को दीवार से कम से कम 12 इंच की दूरी पर रखने का निर्देश दिया गया। कई अन्य प्रतिष्ठानों की भी जांच की गई। वैशाली होटल को एफएसएसएआई लाइसेंस में आवश्यक संशोधन कराने का निर्देश दिया गया। संजीव बलियासे की इलायची फैक्ट्री में अत्यधिक गंदगी और वैध एफएसएसएआई लाइसेंस के बिना संचालन पाए जाने पर तत्काल काम बंद कराया गया। फैक्ट्री संचालक को एग्जॉस्ट सिस्टम लगाने, स्वच्छता बनाए रखने और खाद्य सामग्री का उचित भंडारण करने का निर्देश दिया गया। विभाग ने स्पष्ट किया कि मेले के दौरान मिलावट, गंदगी और बिना वैध लाइसेंस खाद्य कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

गंगा का जलस्तर बढ़ा, उपायुक्त ने विभिन्न घाटों का किया निरीक्षण

झारखंड दर्शन संवाददाता

साहिबगंज। गंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने मंगलवार को चानन घाट, ओझाटोली घाट, शकुंतला सहाय घाट समेत विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जलस्तर, कटाव तथा कटावरोधी कार्यों की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान गंगा का जलस्तर 26.25 मीटर दर्ज किया गया, जबकि खतरे का निशान 27.25 मीटर है। यानी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब एक मीटर नीचे है। जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है, हालांकि फिलहाल जिले में किसी आबादी के प्रभावित होने की सूचना नहीं है।

उपायुक्त ने कहा कि संभावित बाढ़ से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। प्रभावित लोगों के सुरक्षित आवागमन और त्वरित निकासी के लिए पर्याप्त संख्या में नावों की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन की छह मोटर चालित नावें तैयार रखी गई हैं। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त नावों का अधिग्रहण भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में खराब हुई जल एंबुलेंस की मरम्मत करा ली गई है और उसे सेवा के लिए तैयार रखा गया है। शकुंतला सहाय घाट के निरीक्षण के दौरान संभावित बाढ़ प्रभावितों के लिए जलरोधक टेंट लगाने हेतु उपयुक्त स्थान चिह्नित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जलस्तर और परिस्थितियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्थिति के अनुसार तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने आम लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की अपील की।

शहर की समस्याओं को लेकर झामुमो गंभीर, हर वार्ड में होगी साप्ताहिक बैठक

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। शहर की स्थानीय समस्याओं को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा नगर समिति ने सक्रियता बढ़ाने का निर्णय लिया है। मंगलवार को दुमका परिसदन में नगर समिति की बैठक जिला संगठन सचिव रवि यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में नगर अध्यक्ष विजय कुमार दास एवं केंद्रीय समिति सदस्य राजेश कुमार सिंह ने संगठन को मजबूत करने तथा वार्ड स्तर पर कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर के प्रत्येक वार्ड में हर रविवार साप्ताहिक बैठक आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में स्थानीय लोगों की समस्याओं को सुना जाएगा तथा उनके समाधान के लिए संबंधित स्तर पर पहल की जाएगी। पार्टी नेताओं ने कहा कि आम लोगों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने से स्थानीय समस्याओं की जानकारी समय पर मिल सकेगी और उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकेंगे। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची में छूटे लोगों के नाम जोड़ने को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यकताओं से मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रिया को लेकर सुझाव लिए गए तथा लोगों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। संगठन की गतिविधियों को वार्ड स्तर तक मजबूत करने के लिए घर-घर पार्टी का झंडा लगाने का अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया। नेताओं ने कार्यकताओं से आपसी समन्वय बनाए रखने और संगठनात्मक गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने की अपील की। बैठक में नगर सचिव मोहम्मद आरिफ, नगर कोषाध्यक्ष दीपक केवट, अमित रक्षित, उदय नंदी, अरविंद शाह, देबू दे, साकेत कुमार गुप्ता समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे। नेताओं ने कहा कि वार्ड स्तर पर नियमित बैठकों के माध्यम से संगठन को और मजबूत किया जाएगा ।

विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कार्यशाला सह प्रशिक्षण आयोजित

पंचायत को एक इकाई मानकर समग्र विकास की कार्ययोजना तैयार करनी होगी: उप विकास आयुक्त

झारखंड दर्शन संवाददाता

पाकुड़। विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को रविंद्र भवन में जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मेघा भारद्वाज, उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य योजना के उद्देश्यों, प्रावधानों एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को उपलब्ध कराना तथा ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र परिवारों तक योजना का लाभ प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाना था। मास्टर ट्रेनर परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान, कनीय अभियंता सुजीत कुमार मंडल, डीआरपी अनंत मंडल एवं ऑपरेटर सनत कुमार मंडल ने योजना के विभिन्न प्रावधानों, कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया तथा प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी। उप विकास आयुक्त ने कहा कि ग्राम स्तर पर योजनाओं का चयन करते समय स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। जल संरक्षण एवं जल संचयन से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देने पर उन्होंने विशेष जोर दिया। उन्होंने मनरेगा, आजीविका मिशन, जल संरक्षण एवं स्वच्छ भारत मिशन के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़ी योजनाओं के अभिसरण पर भी बल दिया। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करते समय योजनाओं की संख्या बढ़ाने के बजाय गुणवत्तापूर्ण, उपयोगी एवं टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सार्वजनिक परिसरों की साफ-सफाई, झाड़ियों की सफाई, छोटे जलस्त्रोतों एवं जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार तथा सार्वजनिक स्थलों के रखरखाव जैसे कार्यों को भी स्थानीय जरूरत के अनुसार योजनाओं में शामिल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि पंचायत को एक इकाई मानकर समग्र विकास की कार्ययोजना तैयार करनी होगी। वित्तीय वर्ष शुरू होने से पहले आवश्यकताओं, प्राथमिकताओं एवं उपलब्ध संसाधनों का आकलन कर योजनाएं तैयार की जानी चाहिए। साथ ही कार्यशाला में मिली जानकारी को मुखिया एवं पंचायत प्रतिनिधियों तक पहुंचाने तथा पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

धारदार हथियार से हमले में घायल पति की रिम्स में मौत, पत्नी का इलाज जारी

गुमला। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बेंदोरा पंचायत के बसाईर टोली गांव में चार अगस्त को घर में घुसकर पति-पत्नी पर धारदार हथियार से किए गए जानलेवा हमले में घायल 35 वर्षीय जगतपाल रौतिया की इलाज के दौरान रांची स्थित रिम्स में मौत हो गई। घटना के बाद से इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। वहीं, हमले में गंभीर रूप से घायल उनकी पत्नी अनीता देवी का इलाज अभी भी रिम्स में चल रहा है। जानकारी के अनुसार चार अगस्त को एक अज्ञात अपराधी धारदार हथियार लेकर जगतपाल रौतिया के घर में घुसा और पति-पत्नी पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। रिम्स में करीब आठ दिनों तक इलाज के बावजूद जगतपाल की हालत में सुधार नहीं हुआ और मंगलवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर चैनपुर पहुंचे। अंतिम संस्कार के लिए आर्थिक कठिनाई को लेकर बस स्टैंड के समीप स्थिति तनावपूर्ण हो गई और ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। आश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए। सर्किल इंस्पेक्टर जितेंद्र राम, थाना प्रभारी अरविंद कुमार और चैनपुर थाना प्रशासन ने भी पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद की।

महिला अधिवक्ता के घर और इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में लगी भीषण आग

गुमला। जिला मुख्यालय के बड़ाइक मोहल्ला में बुधवार को महिला अधिवक्ता शीला सिंह के मकान और इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें तेज होने के कारण आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घनी आबादी वाले क्षेत्र में आग लगने से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। लोगों ने तत्काल घटना की सूचना गुमला सदर थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। स्थानीय लोगों के अनुसार सूचना देने के बावजूद अग्निशमन विभाग की गाड़ी करीब एक घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंची। दमकल वाहन के पहुंचने में हुई देरी को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई। बाद में अग्निशमन कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। आग बुझाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान का शटर तोड़ा गया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया गया कि आग लगने के समय मकान में परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। महिला अधिवक्ता शीला सिंह पिछले दिनों सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं और बेहतर इलाज के लिए रांची में भर्ती हैं। आग किस कारण लगी, इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हैं। आग लगने के वास्तविक कारण और संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

केजी बालिका उच्च विद्यालय की 34 छात्राओं को मिली साइकिल

मेदिनीनगर। केजी बालिका उच्च विद्यालय, मेदिनीनगर में कल्याण विभाग की ओर से वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कक्षा आठ में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग की कुल 34 छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने छात्राओं को साइकिल मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से बड़ी संख्या में छात्राएं विद्यालय आती हैं। साइकिल मिलने से उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी और उनकी शिक्षा की राह आसान बनेगी। उन्होंने कहा कि साइकिल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि विकास का पहिया है। इससे छात्राओं को नियमित रूप से विद्यालय आने तथा आगे की पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया। उन्होंने छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए सरकार की ओर से संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी और इन योजनाओं का लाभ उठाकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से छात्राएं अपने सपनों को साकार करने के साथ-साथ परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

बिना चालान स्टोन चिप्स लदा हाइवा और बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त

हरिहरगंज। हरिहरगंज थाना क्षेत्र में अवैध खनन और बिना चालान खनिज परिवहन के खिलाफ खान विभाग व पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई की। इस दौरान स्टोन चिप्स लदा एक हाइवा और बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त किए गए। कार्रवाई से अवैध खनन व खनिज परिवहन से जुड़े वाहन संचालकों में हड़कंप मच गया। खान निरीक्षक शुभम कुमार के नेतृत्व में वाहन जांच अभियान के दौरान मेदिनीनगर-औरंगाबाद एनएच-139 पर तरवन एचपी पेट्रोल पंप के समीप छापेमारी की गई। गुप्त सूचना के आधार पर स्टोन चिप्स लदा हाइवा (जेएच03एयू-3558) पकड़ा गया। खान निरीक्षक ने बताया कि हाइवा में लदा स्टोन चिप्स बिना वैध चालान के हरिहरगंज के रास्ते बिहार ले जाया जा रहा था। जब्त हाइवा को हरिहरगंज थाना लाकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इधर, पुलिस ने भी अवैध बालू परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की। पथरा पिकेट प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सिंह ने रजवार गांव के समीप बटाने नदी से अवैध रूप से बालू लादकर ले जा रहे एक ट्रैक्टर को पकड़ा। पुलिस को देखते ही चालक बालू गिराकर भागने लगा, लेकिन पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त कर लिया।

अयोग्य राशन कार्ड हटने के बाद पात्र आवेदकों को जल्द जारी होगा नया कार्ड

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जिला आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, राशन कार्ड, धान अधिप्राप्ति, सीएमआर जमा, चना-दाल वितरण तथा सोना-सोबरन धोती-साड़ी-लुंगी योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अयोग्य राशन कार्ड हटाए जाने के बाद नए राशन कार्ड के लिए प्राप्त पात्र आवेदनों का शीघ्र सत्यापन कराया जाए।

सत्यापन के बाद नियमानुसार पात्र लाभुकों को जल्द नया राशन कार्ड जारी किया जाए, ताकि कोई भी योग्य व्यक्ति खाद्यान्न की सुविधा से वंचित न रहे। सोना-सोबरन धोती-साड़ी-लुंगी योजना की समीक्षा के दौरान मेदिनीनगर के मार्केटिंग ऑफिसर द्वारा अब तक 80 प्रतिशत लाभुकों के बीच ही सामग्री वितरित किए जाने पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई और फटकार लगाई। उन्होंने शेष पात्र लाभुकों के बीच शीघ्र वितरण कर शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने खाद्यान्न वितरण और डोर-स्टेप डिलीवरी की नियमित निगरानी करने, चना-दाल का समय पर वितरण सुनिश्चित करने तथा प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करने को कहा। उन्होंने धान अधिप्राप्ति एवं सीएमआर जमा करने में तेजी लाने तथा राइस मिलों से समय पर सीएमआर प्राप्त करने का निर्देश दिया। गोदाम व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित एमओ को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

तुकबेरा में महादेव प्रसाद यादव के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

झारखंड दर्शन संवाददाता

नावा बाजार। नावा बाजार मंडल में मंडल अध्यक्ष महादेव प्रसाद यादव के नेतृत्व में तुकबेरा गांव में बुधवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और ग्रामीणों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर भाग लिया। देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा और लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

तिरंगा यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान कार्यकताओं ने लोगों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संदेश दिया। जगह-जगह ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत किया। मंडल अध्यक्ष महादेव प्रसाद यादव ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना तथा देश की एकता और अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक के मन में देश के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए। यात्रा में पूर्व प्रमुख रविंद्र पासवान, मंत्री नीतीश मेहता, अनुज मेहता, सुनील विश्वकर्मा, प्रभु यादव, संजय यादव, हृदय चंद्रवंशी, अरुण मेहता, अशोक कुमार भूईयां, अमृत कुमार राम, मुखिया पति संजीवन भूईयां, बच्चन विश्वकर्मा, अशोक पासवान, दिलीप पासवान, जगदीश सिंह, अखिलेश यादव और उदय यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण शामिल हुए।

खड़गपुर उत्क्रमित उच्च विद्यालय को प्लस टू बनाने की मांग, शिक्षा निदेशक से मिले राजीव रंजन

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र के खड़गपुर पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय खड़गपुर को प्लस टू विद्यालय में अपग्रेड करने की मांग को लेकर हरिहरगंज सांसद प्रतिनिधि सह भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन ने झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक राजेश प्रसाद से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पलामू जिले की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। राजीव रंजन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी इंटरमीडिएट एवं उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने को मजबूर हैं। स्थानीय स्तर पर प्लस टू विद्यालयों की संख्या बढ़ने से विद्यार्थियों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने खड़गपुर उत्क्रमित उच्च विद्यालय को प्लस टू विद्यालय में परिवर्तित करने की मांग

प्रमुखता से शिक्षा निदेशक के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि विद्यालय को प्लस टू में अपग्रेड किए जाने से खड़गपुर पंचायत सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को इंटर की पढ़ाई के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बीच में छूटने की संभावना भी कम होगी। राजीव रंजन ने पलामू की शिक्षा व्यवस्था की कमियों को दूर करने, विद्यालयों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की दिशा में आवश्यक पहल करने का आग्रह किया। निदेशक राजेश प्रसाद ने उनकी मांगों को गंभीरता से सुना और खड़गपुर उत्क्रमित उच्च विद्यालय को प्लस टू विद्यालय में परिवर्तित करने के प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। राजीव रंजन ने कहा कि क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए उनका प्रयास लगातार जारी रहेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा, शत-प्रतिशत टीकाकरण पर जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त अनिमेष रंजन सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति, पूर्व में दिए गए निदेशों के अनुपालन तथा स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। मातृत्व स्वास्थ्य की समीक्षा के दौरान प्रखंडवार एएनसी जांच एवं संस्थागत प्रसव की स्थिति पर चर्चा हुई। कामडारा क्षेत्र में प्रथम तिमाही की जांच तथा संस्थागत प्रसव में पिछले माह की तुलना में कमी पाए जाने पर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी और समय पर

उपचार सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। एनीमिया मुक्त अभियान की समीक्षा करते हुए गर्भवती महिलाओं एवं जरूरतमंद लाभार्थियों की जांच और उपचार के लिए विशेष शिविर लगाने का निर्देश दिया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मातृ मृत्यु के मामलों में एनीमिया को प्रमुख कारणों में शामिल किए जाने के मद्देनजर उपायुक्त ने समय पर पहचान और उपचार को प्राथमिकता देने को कहा। अति कुपोषित बच्चों तथा कुपोषण उपचार केंद्रों की समीक्षा में बच्चों की भर्ती और उपचार की स्थिति पर चर्चा हुई। अधिक से अधिक बच्चों को उपचार उपलब्ध कराने के लिए जागरूकता अभियान चलाने और परिवारों से सीधा संपर्क स्थापित करने का निर्देश दिया गया। टीकाकरण की समीक्षा करते हुए सभी पात्र बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने तथा छूटे बच्चों की पहचान कर उन्हें नियमित टीकाकरण से जोड़ने को कहा गया। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा में बताया गया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत गुमला जिला राज्य में प्रथम स्थान पर है। वहीं आयुष्मान वय वंदना योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत विशेष शिविर लगाकर कार्ड निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन छात्रवृत्ति योजना पर कार्यशाला

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में उच्च शिक्षा निदेशालय, रांची के तत्वावधान में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की छात्रवृत्ति योजना को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों के साथ-साथ बी.एड., विधि एवं नर्सिंग महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। कार्यशाला में छात्राओं को प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति राशि एवं योजना से संबंधित विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के तकनीकी विशेषज्ञ मृत्युंजय रत्नाकर, अशोक कुमार, सन्नी भगत, मिथलेश कुमार, आईहा, रिधो, रचिता, मनोज, सूरज, रंजीत, बृजेश एवं पवन ने दी। विशेषज्ञों ने छात्रवृत्ति योजना के उद्देश्य, प्रक्रिया एवं आवश्यक जानकारी से प्राचार्यों को अवगत कराया। कार्यशाला में पलामू, गढ़वा एवं लातेहार जिले के लगभग 42 महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने हिस्सा लिया। इनमें जी.एल.ए. महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० जसबीर बग्गा, जे.एस. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० अजय कुमार पासवान, वाई.एस.एन.एम. महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ० मोहिनी गुप्ता, गढ़वा महिला महाविद्यालय की डॉ० संयुक्ता सिंह, भवनाथपुर आदर्श महाविद्यालय के डॉ. विभेष चौबे, छतरपुर आदर्श महाविद्यालय के डॉ० रविशंकर सहित अन्य प्राचार्य शामिल हुए। कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० डॉ० दिनेश कुमार सिंह एवं कुलसचिव डॉ० नफीस अहमद ने किया।

स्थानांतरण पर डालसा सचिव राकेश रंजन को एलएडीसी अधिवक्ताओं ने दी भावभीनी विदाई

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू के सचिव सह वरीय सिविल जज राकेश रंजन के स्थानांतरण पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ताओं ने बुधवार को उन्हें भावभीनी विदाई दी। अधिवक्ताओं ने अंगवस्त्र भेंट करने के साथ स्मृति चिह्न प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राकेश रंजन का स्थानांतरण उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश के पद पर हुआ है। विदाई समारोह में राकेश रंजन ने कहा कि पलामू एलएडीसी की टीम ने टीम भावना के साथ कार्य करते हुए गरीब और जरूरतमंद लोगों को सुलभ एवं सरल तरीके से न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने टीम के सदस्यों की मेहनत और कार्यकुशलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि डालसा सचिव के रूप में पलामू में उनका कार्यकाल हमेशा यादगार रहेगा। उन्होंने सभी से भविष्य में भी समन्वय बनाकर गरीब, लाचार, वंचित तथा जेल में निरुद्ध लोगों को न्याय दिलाने के लिए कार्य करते रहने की अपील की। एलएडीसी के चीफ अमिताभ चंद्र सिंह ने कहा कि राकेश रंजन के मार्गदर्शन में टीम ने बेहतर कार्य किया। डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि उनके नेतृत्व में गरीबों और जेल में बंद जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने के प्रयासों को मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि राकेश रंजन अपने कार्यों की अमिट छाप छोड़कर जा रहे हैं। इस अवसर पर वीर विक्रम वर्क्स रॉय, नीतू सिंह, उत्तम कुमार, अमित कुमार विश्वकर्मा, पीएलवी कृपा शंकर दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नावा बाजार में विधिक जागरूकता शिविर, विद्यार्थियों को बताए अधिकार और कर्तव्य

झारखंड दर्शन संवाददाता

नावा बाजार। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू के निर्देश पर जागृति योजना 2025 के अंतर्गत बुधवार को पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय, कंडा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित इस शिविर का विषय सशक्त युवा, सशक्त भारत रखा गया। कार्यक्रम में प्रतिनियुक्त पीएलवी सुमंत कुमार मेहता ने विद्यार्थियों को उनके मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ-साथ कानून और संविधान का सम्मान करना चाहिए। जागरूक युवा न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि समाज में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका भी निभा सकते हैं। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को निःशुल्क कानूनी सहायता तथा जिला विधिक सेवा

प्राधिकार की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न विधिक सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय और जरूरतमंद लोगों को न्याय तक पहुंच उपलब्ध कराने के लिए विधिक सेवा संस्थाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पीएलवी ने युवाओं से समाज में व्याप्त कुरीतियों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी कानूनी समस्या की स्थिति में उचित माध्यम से सहायता प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानून की जानकारी व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाती है और उसे जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करती है।

डीएमएफटी मद से स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास योजनाओं को मिलेगी गति

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट मद से संचालित की जाने वाली विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों को लेकर विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएमएफटी की राशि का प्रभावी और जनहित में उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तावित योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमा, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी अहमद बेलाल अनवर, उप विकास आयुक्त

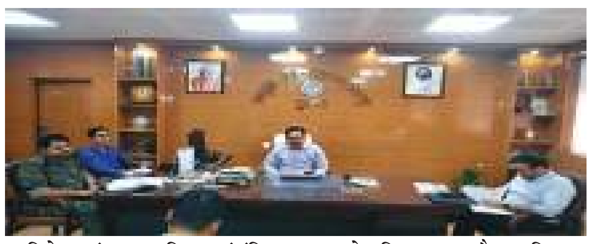

अनिमेष रंजन सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य क्षेत्र में एक एंबुलेंस की व्यवस्था तथा एनेस्थीसिया चिकित्सक को अतिरिक्त मानदेय उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। इससे जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। कौशल विकास के तहत पूर्व से स्थापित सेनेटरी पैड निर्माण केंद्र को किशोरी परियोजना के माध्यम से संचालित एवं क्रियाशील करने का प्रस्ताव रखा गया। युवाओं के लिए करियर काउंसलिंग और कौशल विकास से संबंधित योजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। शिक्षा क्षेत्र में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए ई-लर्निंग, कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कोचिंग कक्षाएं तथा हाइब्रिड पाठ्यक्रम संचालित करने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। पुस्तकालय के लिए प्रोजेक्टर की खरीद और विद्यालयों के उन्नयन के कार्यों पर भी विचार किया गया। मूक-बधिर विद्यालय में नए कमरों के निर्माण सहित आधारभूत सुविधाओं के विकास का प्रस्ताव भी बैठक में रखा गया। महिला एवं बाल विकास के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों के उन्नयन तथा महिलाओं, बच्चों, वृद्धजनों और दिव्यांगजनों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के संचालन पर चर्चा हुई। मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए ग्रामीणों को टॉर्च जैसे सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। सर्पदंश से बचाव के लिए नुक्कड़ नाटक और जागरूकता अभियान चलाने की योजना पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि डीएमएफटी मद से योजनाओं का चयन जनहित, आवश्यकता और निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाए तथा उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मास्टर ट्रेनरों का प्रशिक्षण

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। विभागीय निर्देश के आलोक में विकसित भारतझ्रजी राम जी योजना के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त गुमला अनिमेष रंजन ने किया। इस दौरान उन्होंने योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक जानकारी को सही तरीके से संबंधित कर्मियों तक पहुंचाने को आवश्यक बताया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि प्रखंड स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर योजना के उद्देश्यों और प्रावधानों को संबंधित कर्मियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता, गति तथा जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी प्रखंडों से प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, कंप्यूटर सहायक सहित संबंधित कर्मियों ने प्रखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में भाग लिया। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर इरफान आरिफ, सहायक परियोजना पदाधिकारी, दिवाकर केशरी, सहायक अभियंता तथा अजीत, प्रदान संस्था की ओर से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विकसित भारतझ्रजी राम जी योजना के विभिन्न प्रावधानों, कार्यप्रणाली, तकनीकी पहलुओं, अभिलेखों के संधारण तथा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही प्रखंड स्तर पर योजना से संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रखंड स्तर पर दक्ष मानव संसाधन तैयार करना रहा, ताकि योजना का क्रियान्वयन निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जा सके। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले मास्टर ट्रेनर अब अपने-अपने प्रखंडों में संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण देंगे और योजना की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20: क्लासेन, मिलर गल्फ जायंट्स से जुड़े, ओमरजई और मुजारबानी की भी वापसी

दुबई। दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र के लिए गल्फ जायंट्स से जुड़ गए हैं। दोनों को फ्रेंचाइजी ने नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया है। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई और जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी भी आगामी सत्र के लिए टीम में वापसी करेंगे। डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 का पांचवां सत्र 22 नवंबर से 20 दिसंबर तक खेला जाएगा। गल्फ जायंट्स ने 2023 में टूर्नामेंट का पहला खिताब जीता था और अब टीम दूसरी बार चैंपियन बनने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। गल्फ जायंट्स के मुख्य कोच साइमन हेलमोट ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में नए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा, हम डेविड और हेनरिक का गल्फ जायंट्स परिवार में स्वागत करके बेहद खुश हैं और अजमतुल्लाह तथा ब्लेसिंग को भी वापस ला रहे हैं। ये विश्वस्तरीय खिलाड़ी और मैच जिताने वाले क्रिकेटर हैं, जो हमारी टीम में काफी गुणवत्ता और गहराई जोड़ेंगे। हमने एक मजबूत आधार तैयार किया है और खिलाड़ी नीलामी के जरिए हमारे पास सत्र पांच की तैयारी के लिए टीम को पूरा करने का एक और अवसर होगा।

हर घर तिरंगा रैली में बोले खेल मंत्री, फिटनेस के साथ प्रदूषण और ट्रैफिक का भी समाधान है साइकिल

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को दिल्ली में हर घर तिरंगा साइकिल रैली का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना न केवल फिटनेस को बढ़ावा देता है, बल्कि प्रदूषण और यातायात जैसी समस्याओं से निपटने में भी मददगार हो सकता है। दिल्ली विश्वविद्यालय से आयोजित इस रैली में 1,000 से अधिक मायभारत स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। रैली के दौरान पत्रकारों से बातचीत में डॉ. मांडविया ने कहा, दिल्ली में 1,000 से अधिक मायभारत स्वयंसेवकों ने हर घर तिरंगा साइकिल रैली के माध्यम से देश को फिटनेस का संदेश दिया है। किसी भी देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि देश के नागरिक स्वस्थ रहें। उन्होंने साइकिल चलाने के व्यापक लाभों पर जोर देते हुए कहा, साइकिल फिटनेस का संदेश है, साइकिल प्रदूषण का समाधान है और साइकिल यातायात की समस्या का भी समाधान है। स्वतंत्रता दिवस के आसपास आयोजित कार्यक्रमों के तहत डॉ. मांडविया ने मायभारत स्वयंसेवकों के साथ हर घर तिरंगा रैली में भी हिस्सा लिया। इससे पहले सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नागरिकों से हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्राओं और तिरंगा रैलियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की थी। उन्होंने इसे भारत की सामूहिक शक्ति का प्रतीक बताते हुए विकसित भारत के निर्माण के संकल्प से जोड़ने का आह्वान किया। अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान हमारे राष्ट्र की सामूहिक शक्ति का प्रतिबिंब है।

मॉन्ट्रियल ओपन: बेन शेल्टन का शानदार प्रदर्शन जारी, बिना सेट गंवाए सेमीफाइनल में पहुंचे

▶▶ मॉन्ट्रियल टूर्नामेंट के ड्रॉ में बचे एकमात्र शीर्ष-10 खिलाड़ी शेल्टन का सेमीफाइनल में अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त लर्नर टीएन से मुकाबला होगा

एजेंसी

मॉन्ट्रियल। गत चैंपियन अमेरिका के बेन शेल्टन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कनाडा ओपन टेनिस टूर्नामेंट (मॉन्ट्रियल ओपन) के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के याकुब मेन्सिक को लगातार सेटों में 6-3, 6-1 से हराया।

23 वर्षीय शेल्टन ने इस साल के कनाडाई एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार चौथी जीत दर्ज की और चारों मुकाबलों में एक भी सेट नहीं गंवाया है। मेन्सिक के खिलाफ शेल्टन ने 18 विनर्स लगाए और सिर्फ तीन अनफोर्स्ड एरर किए। उन्होंने अपनी पहली सर्विस पर 89 प्रतिशत अंक जीते। मुकाबले में उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा।

शेल्टन ने मैच के दौरान 147 मील प्रति घंटे की रफ्तार से सर्विस भी की। जीत के बाद शेल्टन ने कहा, यह शानदार लगा। मैं अपनी रिटर्न गेम से बहुत खुश था। ग्राउंड से जिस तरह मैंने पहले अंक से खेला, मैं इसी स्तर का प्रदर्शन करना चाहता हूं। पूरे मैच के दौरान मैं जिस स्तर को बनाए रखने में सफल रहा, उससे मैं बेहद खुश हूं। उम्मीद है कि सेमीफाइनल में भी इस प्रदर्शन को आगे बढ़ा पाऊंगा।

लर्नर टीएन से होगी भिड़ंत

मॉन्ट्रियल टूर्नामेंट के ड्रॉ में बचे एकमात्र शीर्ष-10 खिलाड़ी शेल्टन का सेमीफाइनल में अमेरिका के 12वीं वरीयता प्राप्त लर्नर टीएन से मुकाबला होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक दो मुकाबले हुए हैं और दोनों में टीएन ने जीत दर्ज की है। इस साल इंडियन वेल्स के दूसरे दौर में भी टीएन ने शेल्टन को हराया था।

टीएन ने क्वार्टर फाइनल में डेनियल मेरिडा को 6-3, 6-2 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। 20 वर्षीय टीएन ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

टीएन ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल खेला था। इसके बाद इंडियन वेल्स में पहली बार मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचे और जेनेवा में अपने करियर का पहला क्ले कोर्ट खिताब भी जीता।

शेल्टन के खिलाफ मुकाबले को लेकर टीएन ने कहा, बेन चाहे किसी भी स्थिति में हों, वह अच्छी सर्विस करेंगे। वह बेसलाइन से तेज शॉट लगाएंगे। इस समय वह काफी आत्मविश्वास के साथ खेल रहे हैं। मैंने उन्हें पहले खेलते हुए देखा और वह बहुत, बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

मयंक डागर ने की सार्थक रंजन की तारीफ, जिस तरह हमारे कप्तान खेल रहे हैं, वह शानदार है

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में मंगलवार को वेस्ट दिल्ली लायंस को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत में गेंदबाज मयंक डागर और कप्तान सार्थक रंजन की अहम भूमिका रही।

जीत के बाद डागर ने कहा, यह हमारे लिए बेहद शानदार और एकतरफा जीत थी। हमने गेंदबाजी में उन्हें कम स्कोर पर रोका और फिर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

उन्होंने टीम के संतुलन की तारीफ करते हुए कहा, हमारा संयोजन बहुत अच्छा है। हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका पता है और टीम में यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। हम सभी के बीच तालमेल बहुत अच्छा चल रहा है। अगर आप हमारी बल्लेबाजी देखें तो हमारे मध्यक्रम और निचले मध्यक्रम को अभी तक बल्लेबाजी करने का मौका ही नहीं मिला है। यह अच्छी बात है क्योंकि हमारे शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जिम्मेदारी ले रहे हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

डागर ने कप्तान सार्थक रंजन की शानदार फॉर्म की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जिस तरह हमारे

कप्तान खेल रहे हैं, वह शानदार है। हमने अंडर-16 और अंडर-19 स्तर से काफी क्रिकेट साथ खेली है। इसलिए मैंने उन्हें एक खिलाड़ी और एक इंसान के तौर पर आगे बढ़ते हुए देखा है। वह वास्तव में इस अवसर के हकदार हैं।

डागर ने मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिए। अपनी खास विकेट सेलिब्रेशन के बारे में उन्होंने बताया कि यह फुटबॉल स्टार पॉल पोग्बा से प्रेरित है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में पॉल पोग्बा से प्रेरित है।

कनाडा ओपन: नाओमी ओसाका को हराकर एलेना रायबाकिना सेमीफाइनल में

एजेंसी

मॉन्ट्रियल। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कजाखस्तान की एलेना रायबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए जापान की नाओमी ओसाका को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

ओसाका ने मुकाबले की शानदार शुरूआत की और रायबाकिना की मैच की पहली ही सर्विस गेम में ब्रेक हासिल कर लिया। अगले गेम में रायबाकिना के पास वापसी का मौका था, लेकिन ओसाका ने तीन ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए अपनी सर्विस बरकरार रखी। इसके बाद रायबाकिना पूरे सेट में एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और ओसाका ने पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया।

रायबाकिना ने दूसरे सेट में अपनी लय हासिल की। हालांकि वह शुरूआती तीन सर्विस गेम में से दो में अपनी सर्विस गंवा बैठीं, लेकिन ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने भी दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ी और मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया।

रायबाकिना ने टाईब्रेक 7-5 से जीतकर मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंचा दिया।

तीसरे सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। रायबाकिना जब 2-3 से पीछे थीं और उनकी सर्विस पर तीन ब्रेक प्वाइंट थे, तब उन्होंने शानदार धैर्य दिखाया। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल चार ब्रेक प्वाइंट बचाकर अपनी सर्विस कायम रखी और मुकाबले की दिशा बदल दी।

इसके बाद ओसाका दबाव में नजर आईं। 3-4 से पीछे होने के बाद सर्विस गंवाने पर उन्होंने अपना रैकेट पटककर निराशा जाहिर की। रायबाकिना ने इसके बाद शानदार अंदाज में मैच समाप्त किया और लगातार तीन ऐस लगाकर जीत सुनिश्चित कर दी।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन घोषित, हेजलवुड की वापसी

एजेंसी

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की टीम में वापसी हुई है, जबकि स्कॉट बोलैंड को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी की तिकड़ी पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और हेजलवुड एक बार फिर साथ नजर आएगी।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टेस्ट की पूर्व संध्या पर पुष्टि की कि बोलैंड पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे।

हेजलवुड करीब आठ महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज नाथन लियोन भी टीम में लौटे हैं। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह एशेज के अंतिम चरण में नहीं खेल पाए थे। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने अपनी जगह बरकरार रखी है और उनके साथ ब्यू वेबस्टर भी टीम में शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने लगातार दो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों के साथ उतरने का फैसला किया है।

बोलैंड ने पिछली गर्मियों में एशेज श्रृंखला के सभी पांच टेस्ट खेले थे। उस दौरान कमिंस, हेजलवुड और लियोन के अलग-अलग समय पर उपलब्ध नहीं रहने के कारण उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, आने वाले व्यस्त कार्यक्रम में बोलैंड ऑस्ट्रेलिया की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलिया के 21 टेस्ट तक खेलने की संभावना है।

रॉटरडैम डॉकर्स की जर्सी लॉन्च, जोंटी रोड्स और जॉन अब्राहम ने किया अनावरण

फायरफ्लाइज डॉट एआई बनी आधिकारिक जर्सी पार्टनर

एजेंसी

मुंबई। यूरोप में क्रिकेट को नई पहचान देने की तैयारी कर रही यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र से पहले रॉटरडैम डॉकर्स ने अपनी आधिकारिक जर्सी लॉन्च कर दी है। मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में टीम के सह-मालिक और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स, अभिनेता एवं सह-मालिक जॉन अब्राहम और फ्रेंचाइजी के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक मधुकर श्री की मौजूदगी में जर्सी का अनावरण किया गया।

इस अवसर पर फ्रेंचाइजी ने फायरफ्लाइज डॉट एआई को अपना आधिकारिक जर्सी पार्टनर बनाने की घोषणा भी की। कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ कृष्ण रमीनेनी रॉटरडैम डॉकर्स के फाउंडिंग इन्वेस्टर के रूप में भी टीम से जुड़ गए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य क्रिकेट,

तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बीच तालमेल को बढ़ावा देना है।

जोंटी रोड्स ने कहा कि रॉटरडैम यूरोप का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है और डॉकर्स की कोशिश यूरोप में क्रिकेट के विकास के लिए मजबूत आधार तैयार करने की होगी। उन्होंने खास तौर पर नीदरलैंड्स सहित यूरोप के युवा क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलने और सीखने का अवसर देने की बात कही। जॉन अब्राहम ने कहा कि ईटीपीएल के जरिए नीदरलैंड्स, आयरलैंड और स्कॉटलैंड में जमीनी स्तर पर क्रिकेट प्रतिभाओं को विकसित करने का अवसर मिलेगा। उनका मानना है कि इस लीग से क्रिकेट को वैश्विक खेल बनाने की दिशा में मदद मिल सकती है।

रॉटरडैम डॉकर्स ईटीपीएल के उद्घाटन मुकाबले में 26 अगस्त को वूरबर्ग में एम्स्टर्डम फ्लेम्स के खिलाफ अभियान शुरू करेगा। टीम के सह-मालिकों में जोंटी रोड्स, जॉन अब्राहम और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस शामिल हैं। डु प्लेसिस टीम की अगुवाई करेंगे। टीम में हेनरिक क्लासेन, एनरिक नॉर्खिया, लोगान वैन बीक और रोएलोफ वैन डर मर्वे जैसे अनुभवी टी20 खिलाड़ी भी शामिल हैं।

व्यापार

स्टॉक मार्केट में आरडी इंडस्ट्रीज की मजबूत शुरुआत, फायदे में रहे आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। लेड और लेड एलॉय के प्रोडक्ट्स तैयार करने और उनकी रिसाइक्लिंग करने का काम करने वाली कंपनी आरडी इंडस्ट्रीज के शेयरों ने स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया।

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 53 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 38.87 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 73.60 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 35.85 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 72 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 73.60 रुपये के स्तर तक पहुंचा। हालांकि, बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इसने

65.77 रुपये के स्तर तक गोता भी लगाया। बाजार में पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद कंपनी के शेयर 67.45 रुपये के स्तर पर बने हुए थे। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 14.45 रुपये यानी 27.26 प्रतिशत के फायदे में थे।

आरडी इंडस्ट्रीज का 425.87 करोड़ रुपये का आईपीओ पांच से सात अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से धांसू रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 138.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 202.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 266.75 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 47.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 को लोस की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को विपक्ष के हंगामे के बीच खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को चर्चा के बिना ध्वनि मत से अपनी मंजूरी दे दी। इसके साथ ही लोकसभा की कार्यवाही 13 अगस्त सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने लोकसभा में विचार और पारित करने के लिए 'खान और खनिज (विकास और विनियमन) (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया। इसके बाद लोकसभा ने विपक्षी दलों के हंगामें के बीच बिना चर्चा के इस विधेयक को पारित कर दिया।

लोकसभा से पारित 'खान और खनिज (विकास और विनियमन) (संशोधन) विधेयक, 2026' पुराने खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957' में और संशोधन करता है। इस विधेयक का उद्देश्य देश में महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) की खोज को बढ़ावा देना और खनन क्षेत्र को निवेश के अनुकूल बनाना है।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ शिपरॉकेट का आईपीओ, 14 अगस्त तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी

नई दिल्ली। एसएमई और बड़े रिटेलर्स को ई-कॉमर्स सॉल्यूशन मुहैया कराने वाली कंपनी शिपरॉकेट का 1,617.48 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 14 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 18 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 19 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 02 बजे तक इस आईपीओ को 62 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 92 रुपये से लेकर 97 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 154 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 154 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,938 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,94,194 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 2,002 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 16,67,61,566 शेयर

जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 885 करोड़ रुपये के 9,12,99,203 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 732 करोड़ रुपये के 7,54,62,363 शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिक से अधिक 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए एक्सिस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं, केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

कोलकाता नगर निगम में वार्डों की संख्या बढ़ाने का बिल ध्वनिमत से पारित, सीएम बोले - बाद में होगा परिसीमन

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता नगर निगम के वार्डों की संख्या बढ़ाने से संबंधित कोलकाता म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (अमेंडमेंट) बिल, 2026 बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में ध्वनिमत से पारित हो गया। शहरी विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने सदन में विधेयक पेश किया। विधेयक पर चर्चा के बाद इसे ध्वनिमत से मंजूरी दी गई।

विधानसभा अध्यक्ष रथिंद्र बोस ने विधेयक पर मतदान की प्रक्रिया कराई। विधेयक में कोलकाता नगर निगम अधिनियम, 1980 की धारा-5 में संशोधन का प्रस्ताव है। इसके तहत निगम में निर्वाचित पार्षदों की संख्या 144 से बढ़ाकर 209 करने का प्रावधान किया गया है।

विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष की ओर से भी सदस्यों ने अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी चर्चा में हिस्सा लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल विधेयक के जरिए केवल वार्डों की संख्या बढ़ाई जा रही है। वार्डों की सीमाओं और मतदाताओं की संख्या का अंतिम निर्धारण बाद की प्रक्रिया में होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि चुनाव आयोग वार्डों की सीमाओं और मतदाताओं से जुड़े विषयों को लेकर दो सर्वदलीय बैठकें करेगा। इन बैठकों में राजनीतिक दलों से सुझाव लिए जाएंगे। इसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया पूरी कर अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी।

विधेयक के उद्देश्यों और कारणों में कहा गया है कि कोलकाता नगर निगम के वार्डों की संख्या में संशोधन वार्डवार आबादी, आवासीय स्वरूप, भौगोलिक परिस्थितियों और निगम से जुड़े आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। विधेयक के लागू होने की तारीख राज्य सरकार राजपत्र में अधिसूचना के जरिए तय करेगी।

विधेयक पर हुई चर्चा में तृणमूल कांग्रेस के शोभनदेव चटर्जी, भाजपा के रितेश तिवारी, मंत्री अरूप कुमार दास, भाजपा के शंकर सिकदर, तृणमूल कांग्रेस के जावेद अहमद खान, भाजपा की सरबरी मुखर्जी, भाजपा के सजल घोष, तृणमूल कांग्रेस के फिरहाद हकीम और मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने हिस्सा लिया। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने भी चर्चा में भाग लेते हुए परिसीमन की प्रक्रिया को लेकर सरकार का पक्ष स्पष्ट किया।

कोलकाता पुलिस के हर डिवीजन में बनेगा अपराध अभिलेख ब्यूरो, आयुक्त ने दिया निर्देश

एजेंसी

कोलकाता। पुलिस की डिजिटल व्यवस्था को और मजबूत एवं प्रभावी बनाने के लिए कोलकाता पुलिस के प्रत्येक डिवीजन में अब ह्यडिविजनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरोह्न (डीसीआरबी) बनाया जाएगा। मंगलवार को कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने इस संबंध में निर्देश जारी किया।

मुख्य रूप से इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) के तहत पुलिस की डिजिटल व्यवस्था को मजबूत और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। आईसीजेएस का मुख्य उद्देश्य पुलिस, अदालत, अभियोजन, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, चिकित्सा संस्थानों और सुधारगृहों के बीच डिजिटल माध्यम से सूचनाओं के आदान-प्रदान और समन्वय को अधिक तेज तथा सटीक बनाना है। डीसीआरबी अपराध अभिलेख अनुभाग, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो, कोलकाता पुलिस की अन्य इकाइयों और आपराधिक न्याय प्रणाली से नियमित संपर्क बनाए रखेगा। आवश्यकता पड़ने पर रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय को भी भेजी जाएगी। प्रत्येक डीसीआरबी में उपनिरीक्षक, सहायक उपनिरीक्षक और कांस्टेबल समेत करीब आठ पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। इससे विभिन्न आपराधिक मामलों से जुड़े अभिलेखों और सूचनाओं के डिजिटल प्रबंधन तथा उनके आदान-प्रदान को अधिक व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

आरजी कर जैसी घटनाएं रोकने के लिए आध्यात्मिक जागरण जरूरी : शुभेंदु अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को आद्यापीठ में कहा कि आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई दुष्कर्म और हत्या जैसी घटनाओं से समाज को बचाने के लिए धार्मिक एवं आध्यात्मिक जागरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोगों में पापबोध और अच्छे-बुरे का विवेक जगाने के लिए गीता का अध्ययन कराया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समझदार और जिम्मेदार मनुष्य बनने के लिए धार्मिक तथा आध्यात्मिक चेतना जरूरी है। इससे व्यक्ति में पाप का बोध पैदा होता है और वह गलत कार्यों से दूर रहने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि आर.जी. कर जैसी घटना को रोकने के लिए लोगों को गीता पढ़ानी चाहिए और उनका आध्यात्मिक जागरण करना चाहिए।

उन्होंने भगवा रंग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवा केवल धर्म या राजनीति का रंग नहीं है। यह शौर्य, त्याग, कर्तव्य, तपस्या और संयम का प्रतीक है। समाज में इन मूल्यों को स्थापित करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल केवल संस्कृति की राजधानी नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता की भी राजधानी है। अनेक महान संत और मनीषियों ने इस भूमि पर जन्म लेकर आध्यात्मिक जागरण का संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि केवल माथे पर चंदन लगाने से काम नहीं चलेगा। धार्मिक और आध्यात्मिक संस्थाओं को मजबूत करने तथा उनके विकास के लिए भी प्रयास करना होगा।

मुख्यमंत्री ने आद्यापीठ के विकास में सहयोग का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि आद्यापीठ के महाराज ने उन्हें बताया है कि यहां के शिक्षण संस्थान आर्थिक कठिनाइयों से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्थानों के लिए जो संभव होगा, वह किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि कम बोलना और अधिक काम करना चाहिए।

असम की बाढ़ को सीएम शुभेंदु ने बताया - भयावह, 10 करोड़ रुपये की सहायता का किया ऐलान

एजेंसी

कोलकाता। असम में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच पश्चिम बंगाल सरकार ने पड़ोसी राज्य की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 10 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। विधानसभा के विशेष अधिवेशन में बुधवार को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने असम के बाढ़ हालात को भयावह बताते हुए यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में बाढ़ के कारण अब तक 100 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल का असम के साथ विशेष संबंध है और संकट की इस घड़ी में राज्य उसके साथ खड़ा है। उन्होंने बताया कि सिक्कीम, मणिपुर और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों ने असम के लिए सहायता की घोषणा की है और पश्चिम बंगाल भी मुख्यमंत्री राहत कोष से 10 करोड़ रुपये देगा। उल्लेखनीय है कि असम इस समय गंभीर बाढ़ की चपेट में है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार बाढ़ से प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान जारी है तथा कई जिलों में बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से राज्य में अब तक मौतों का आंकड़ा 100 तक पहुंच चुका है।

अंडाल एयरपोर्ट से दक्षिण भारत के लिए अधिक उड़ान सेवाओं की मांग

एजेंसी

पश्चिम बर्दवान। पश्चिम बर्दवान सहित पूरे दक्षिण बंगाल में संचार, व्यापार-वाणिज्य, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आसनसोल उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने अंडाल स्थित काजी नजरुल इस्लाम एयरपोर्ट से अधिक उड़ान सेवाएं शुरू करने की मांग उठाई है। मंगलवार रात मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के काजी नजरुल इस्लाम एयरपोर्ट, अंडाल पहुंचने के दौरान आसनसोल उत्तर के विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी सहित कई भाजपा नेता और जनप्रतिनिधि मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान दुगार्पुर पूर्व के विधायक चंद्रशेखर बंद्योपाध्याय, महिला नेत्री काकोली घोष और आशा शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने अंडाल एयरपोर्ट से दक्षिण भारत के विभिन्न शहरों के लिए उड़ान सेवाओं का विस्तार करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बर्दवान और दक्षिण बंगाल के लोगों को बेहतर हवाई संपर्क मिलने से व्यापार, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे। विधायक ने मुख्यमंत्री के समक्ष अंडाल एयरपोर्ट से अधिक संख्या में नियमित उड़ानें शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। खासकर दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों के साथ सीधा हवाई संपर्क बढ़ाने से इस पूरे औद्योगिक क्षेत्र को काफी लाभ मिलने की उम्मीद है।

कृष्णेंदु मुखर्जी की मांग पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी सकारात्मक रुख दिखाते हुए संबंधित जिलाधिकारी को इस संबंध में आवश्यक जानकारी लेने और आगे की कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

अंडाल का काजी नजरुल इस्लाम एयरपोर्ट पश्चिम बर्दवान सहित पूरे दक्षिण बंगाल के लिए महत्वपूर्ण हवाई संपर्क केंद्र है। यहां से उड़ान सेवाओं का विस्तार होने पर आसनसोल, दुगार्पुर और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों के साथ-साथ बीरभूम, बांकुड़ा और अन्य जिलों के लोगों को भी इसका लाभ मिल सकता है।

संक्षिप्त खबरें

नवादा के विकास को लेकर सांसद ने अमित शाह से की मुलाकात

नवादा। भाजपा नेता एवं नवादा सांसद विवेक ठाकुर ने संसद भवन में बुधवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार की। इस दौरान नवादा के बिकास के लिएव विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। सांसद विवेक ठाकुर ने मुलाकात के दौरान नवादा संसदीय क्षेत्र के वारिसलीगंज में प्रस्तावित चीनी मिल के शीघ्र संचालन का दायित्व इंडियन पोटाश लिमिटेड (क्ढछ) को सौंपने का आग्रह किया। इस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए संबंधित विभाग को इसकी संभावनाओं पर आवश्यक कार्य करने का निर्देश दिया। सांसद विवेक ठाकुर ने कहा यह चीनी मिल नवादा लोकसभा सहित पूरे दक्षिण बिहार के किसानों की समृद्धि, रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

तीन साल के मासूम की गला दबाकर हत्या, महिला को उम्रकैद

सीवान। सीवान जिले के दरौली थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में तीन वर्षीय मासूम की गला दबाकर हत्या करने के मामले में सीवान की अदालत ने महिला अभियुक्त रागनी देवी को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने अभियुक्त पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामला 23 दिसंबर 2022 का है। गोपालपुर निवासी बजरंगी कुमार के तीन वर्षीय पुत्र सुमन्त कुमार उर्फ बबुआ की गला दबाकर हत्या कर दी गयी थी। घटना के बाद दरौली थाने में कांड संख्या 364/22 दर्ज किया गया था। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 201 और 34 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान के माध्यम से साक्ष्य एकत्रित किये और उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक मो. यहिया खान ने मामले की पैरवी की। न्यायालय में विचारण के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर महिला अभियुक्त रागनी देवी, पति वाल्मीकि सिंह, निवासी गोपालपुर, थाना दरौली को दोषी पाया गया। इसके बाद एडीजे-09, सीवान की अदालत ने रागनी देवी को आजीवन कारावास तथा 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनायी। अर्थदंड नहीं देने पर दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। सीवान पुलिस ने बताया कि गंभीर आपराधिक मामलों में वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान के माध्यम से साक्ष्य जुटाकर न्यायालय में प्रस्तुत किये जा रहे हैं। साथ ही मामलों का त्वरित विचारण कराकर दोषियों को सजा दिलाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है।

कटिहार में 'हर घर तिरंगा' का कारवां, देशभक्ति के रंग में रंगा शहर

एजेंसी

कटिहार। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के आलोक में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिला के जनप्रतिनिधियों और जिलाधिकारी के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा में हजारों छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरा शहर देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। यह भव्य तिरंगा यात्रा कटिहार समाहरणालय परिसर से शुरू होकर अंबेडकर चौक और हनुमान मंदिर के रास्ते कारगिल चौक तक गई और पुनः कारगिल चौक से लौटकर समाहरणालय परिसर में समाप्त हुई। इस आयोजन में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के हजारों छात्र-छात्राएं, शिक्षक, शहर के गणमान्य नागरिक तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि शामिल हुए।

सभी ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा, सम्मान और देशभक्ति की भावना का जोरदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, राष्ट्र के प्रति गौरव एवं देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। उन्होंने सभी जिलेवासियों से आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने और इस अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ने की अपील की। उल्लेखनीय है कि यह राष्ट्रव्यापी अभियान 09 अगस्त से 17 अगस्त तक चलाया जा रहा है।

सुखानी में 136 लीटर विदेशी शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

किशनगंज। शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सुखानी थाना पुलिस ने वाहन जांच के दौरान 136 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने शराब तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे एक टेम्पो को जब्त करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार दोनों आरोपी अररिया जिले के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर जिले में अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सुखानी थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बंगाल की ओर से एक टेम्पो में शराब की खेप लाई जा रही है सूचना के आधार पर पुलिस ने इंडियन ढाबा के सामने हाइवे पर वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान बंगाल की ओर से आ रहे हरे रंग के टेम्पो (रजिस्ट्रेशन नंबर इफ्8ढ5664) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान टेम्पो से 136 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से टेम्पो चालक सूरज मंडल, निवासी अररिया, और कृष कुमार, निवासी जयप्रकाश नगर, थाना व जिला अररिया, को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि शराब की खेप अररिया जिले ले जाई जा रही थी। पुलिस अब शराब के स्रोत और इसे खपाने वाले नेटवर्क का पता लगाने के लिए फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज की जांच कर रही है।

मामले में सुखानी थाना कांड संख्या 46/2026 दर्ज कर बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने शराब के साथ टेम्पो और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष मन्नु कुमारी सहित पुलिसकर्मी शामिल थे।

दिल्ली में जदयू सांसदों ने नीतीश कुमार से की मुलाकात, जनहित एवं विकास कार्यों पर हुई विस्तृत चर्चा

एजेंसी

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सांसदों ने बुधवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार से दिल्ली स्थित 9, सुनहरी बाग के उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान नीतीश कुमार ने पार्टी सांसदों से संसद के दोनों सदनों में उठाए जा रहे जनहित और बिहार के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों की जानकारी ली। उन्होंने सांसदों से अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति और उनके क्रियान्वयन की स्थिति को लेकर भी विस्तृत फीडबैक लिया।

सांसदों ने अपने-अपने लोकसभा क्षेत्रों में संचालित विभिन्न विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की अद्यतन स्थिति से नीतीश कुमार को अवगत कराया। इस दौरान क्षेत्रीय समस्याओं के साथ-साथ विकास कार्यों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

नीतीश कुमार ने सांसदों से जनहित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ संसद में उठाने का आग्रह किया। उन्होंने विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर नजर रखने और आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार सक्रिय रहने पर भी जोर दिया।

उन्होंने सांसदों से अपने-अपने क्षेत्रों में जनता से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से समझने और संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक स्तर पर पहल करने को कहा। बैठक में लोकसभा में जदयू संसदीय दल के नेता दिलेश्वर कामत, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, देवेशचंद्र ठाकुर, आलोक कुमार सुमन, रामप्रीत मंडल, विजयलक्ष्मी देवकी और सुनील कुमार मौजूद रहे।

इसके अलावा बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता और जदयू के कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ भी बैठक में उपस्थित रहे।

पोखर में डूबने से युवती की मौत, परिजन में मचा कोहराम

एजेंसी

सुपौल। मरौना थाना क्षेत्र की बेलही पंचायत के वार्ड संख्या-05 में बुधवार को पोखर में डूबने से 21 वर्षीय युवती की मौत हो गई। मृतका स्थानीय निवासी जाविर हुसैन की पुत्री फातमा खातून है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि गांव में भी मातम पसरा है।

फातमा खातून बुधवार को अपने घर के समीप स्थित पोखर में नहाने गई थी। नहाने के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पोखर में उसकी तलाश शुरू की। काफी प्रयास के बाद ग्रामीणों ने युवती को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही मरौना थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के संबंध में जानकारी जुटा रही है।घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अचानक हुए हादसे से परिवार के लोगों को गहरा सदमा पहुंचा है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव और आसपास के क्षेत्रों में कई ऐसे पोखर हैं, जिनमें पानी काफी गहरा है। नहाने के दौरान लोगों के डूबने की आशंका बनी रहती है।ग्रामीणों ने लोगों से पोखर और तालाब में नहाने के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। मरौना के अंचलाधिकारी अभिजीत कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, गुरुवार 13 अगस्त 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति भवन के एट होम समारोह में दिखेगी छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक एवं जनजातीय विरासत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक एवं जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को 15 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस स्वागत समारोह एट होम में विशेष स्थान मिलेगा। भारत की स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़, गोवा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की जीवंत लोक एवं पारंपरिक कला परंपराओं के माध्यम से संस्कृति, समुदाय और प्रकृति के बीच गहरे संबंध को रेखांकित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन के अनुसार, समारोह में राज्य की ओर से गेंड़ी और गौर मड़िया नृत्य प्रमुख आकर्षण होंगे। हरेली पर्व से जुड़ा गेंड़ी नृत्य ऊंची बांस की गेंड़ियों पर कलाकारों के संतुलन, फुर्ती और कौशल को प्रदर्शित करता है। यह छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में विशेष रूप से मुड़िया और गोंड जनजातीय समुदायों की पारंपरिक लोक संस्कृति से जुड़ा है और वर्षा ऋतु की शुरुआत में हरेली तिहार के अवसर पर किया जाता है। वहीं, बस्तर के मड़िया समुदाय से जुड़ा गौर मड़िया नृत्य पारंपरिक वेशभूषा और विशिष्ट शिरोभूषण के माध्यम से जनजातीय जीवन, वीरता और प्रकृति के साथ समुदाय के गहरे संबंध को अभिव्यक्त करता है।

परिसीमन के खिलाफ तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्ताव पारित, लोकसभा की 543 सीटें स्थायी रखने की मांग

चेन्नई। लोकसभा में सांसदों की मौजूदा संख्या 543 को स्थायी बनाए रखने और प्रस्तावित परिसीमन के कारण दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधित्व पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को रोकने की मांग को लेकर तमिलनाडु विधानसभा ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने विधानसभा में यह प्रस्ताव पेश किया। चर्चा के बाद इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही मुख्यमंत्री विजय ने सरकार की ओर से प्रस्ताव रखा और सदन को संबोधित किया। प्रस्ताव में केंद्र सरकार से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या को स्थायी रूप से बनाए रखने तथा राज्यों के बीच सीटों के बंटवारे में स्थिरता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। इसके साथ ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को बिना किसी देरी के मौजूदा 543 लोकसभा सीटों के आधार पर वर्ष 2029 के आम चुनाव में लागू करने की मांग की गई है। प्रस्ताव पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि केंद्र सरकार को महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं के लिए कोई रियायत नहीं, बल्कि उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि एक महिला के सशक्त होने से एक परिवार आगे बढ़ता है और हजारों महिलाओं के सशक्त होने से पूरा देश आगे बढ़ता है। उन्होंने महिलाओं को राजनीति में समान अवसर देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि उन्हें राजनीतिक व्यवस्था में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

जगदंबिका पाल ने विपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली। संसद में जारी गतिरोध के बीच रांची में युवाओं के आंदोलन को लेकर भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष रांची के घटनाक्रम पर चुप्पी साधे है क्योंकि उसे आशंका है कि इस मुद्दे पर उसे सवालों का जवाब देना पड़ेगा। संसद परिसर के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए जगदंबिका पाल ने कहा कि विपक्ष जिस तरह रांची की घटना पर मौन है, उससे स्पष्ट है कि वह इन सवालों का सामना नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में इस विषय पर जवाब देने की अपनी तैयारी स्पष्ट कर दी है। इसके बावजूद विपक्ष चर्चा से बच रहा है। भाजपा सांसद ने कहा कि देश की जनता सब देख रही है और उसे यह भी दिखाई दे रहा है कि कौन चर्चा से भाग रहा है। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष के पास सवाल हैं तो उसे सदन में चर्चा में शामिल होना चाहिए और सरकार के जवाब को सुनना चाहिए। पाल ने कहा कि लोकतंत्र में संसद महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और जवाबदेही का सबसे बड़ा मंच है। ऐसे में किसी मुद्दे पर चर्चा की मांग करने के बाद चर्चा का अवसर आने पर उससे पीछे हटना उचित नहीं है।

ईरान के साथ हालात 'बिल्कुल ठीक' : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ हालात को बिल्कुल ठीक बताया है और दावा किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) पर अमेरिका का पूर्ण नियंत्रण है। ट्रंप ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, ईरान के साथ सब ठीक चल रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमारा पूरा कंट्रोल है। हमारा उस पर कंट्रोल है, किसी और का नहीं। सिर्फ हमारा। हमारी नेवी जबरदस्त है। उन्होंने खुद को ईरान पर भरोसा करने वाला आखिरी व्यक्ति भी बताया। महत्वपूर्ण यह है कि 18 जून की रात तेहरान और वाशिंगटन ने 28 फरवरी से शुरू हुए टकराव को खत्म करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। हालांकि, 8 जुलाई को ट्रंप ने घोषणा की कि युद्धविराम अब लागू नहीं है। 12 जुलाई को हमलों के एक और दौर के बाद ईरान ने घोषणा की कि जब तक इस क्षेत्र में अमेरिकी दखल खत्म नहीं होता, तब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहेगा। अगले दिन, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का संरक्षक बनेगा। उन्होंने ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी भी फिर से लागू कर दी। रविवार को ट्रंप ने कहा कि उनके प्रशासन ने ईरान के साथ समझौते की कोशिशें कम कर दी हैं और वे इस प्रक्रिया को धीमा कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने सांसदों के साथ विशेष बाइक रैली को दिखाई झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा 2026' अभियान के तहत उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को सांसदों के साथ विशेष बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित यह रैली राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में निकाली गई।

रैली में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, राजीव रंजन सिंह, गजेंद्र सिंह शेखावत, वीरेंद्र कुमार, जी. किशन रेड्डी और जितेंद्र सिंह सहित कई सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

इस अवसर पर देशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान और एकता का संदेश देने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि 'वंदे मातरम्' भारत की आजादी की लड़ाई में लोगों के भीतर देशभक्ति की भावना जगाने वाली सबसे बड़ी प्रेरणा बना। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम ने भाषा, क्षेत्र और धर्म से ऊपर उठकर पूरे देश को एक सूत्र में बांधा और 'वंदे मातरम्' इस राष्ट्रीय चेतना का सबसे सशक्त प्रतीक रहा।

उन्होंने हाल ही में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के श्री विजयपुरम स्थित फ्लैग प्वाइंट पर तिरंगा फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरूआत का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह वही ऐतिहासिक स्थान है जहां सुभाष चंद्र बोस ने 30 दिसंबर 1943 को तिरंगा फहराकर अंडमान-निकोबार को ब्रिटिश शासन से मुक्त घोषित किया था।

रैली में शामिल सांसदों और युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देश की एकता, अखंडता और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के संकल्प, आकांक्षाओं और सपनों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन करने के साथ-साथ देश की नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य का भी उत्सव है।

इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक निकली तिरंगा यात्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की उपस्थिति में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में बुधवार को इंडिया गेट से कर्तव्य पथ तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम देशभर में चल रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थियों आदि ने भी भागीदारी की और हाथों में तिरंगा थामकर राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान की भावना को व्यक्त किया। यह तिरंगा यात्रा इंडिया गेट से शुरू होकर रफी मार्ग, कर्तव्य पथ तक निकाली गई। यात्रा में दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह सहित बड़ी संख्या में युवा एवं नागरिक भी उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली एवं कॉलेज विद्यार्थियों के साथ एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। युवाओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर पूरे उत्साह के साथ यात्रा में हिस्सा लिया। यह भागीदारी स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों के प्रति सम्मान और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भूमिका का संदेश देती नजर आई।

इस अवसर पर नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा आज जनभागीदारी का एक सशक्त अभियान बन चुका है। तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रगौरव की भावना से देश का हर वर्ग उत्साहपूर्वक इस अभियान से जुड़ रहा है। उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि इस स्वतंत्रता दिवस अपने अमर शहीदों को नमन करते हुए हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ें और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को और मजबूत करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त केवल स्वतंत्रता का उत्सव ही नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को याद करने का भी अवसर है। आजादी के बाद भारत ने अनेक चुनौतियों को पार करते हुए विकास, विज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और आधारभूत संरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह यात्रा देश के करोड़ों नागरिकों के परिश्रम, संकल्प और सामूहिक योगदान की कहानी है। हर राष्ट्र की यात्रा में चुनौतियां और सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है, लेकिन स्वतंत्रता दिवस हमें यह देखने का अवसर देता है कि हमने कहां से शुरूआत की थी और आज कहां तक पहुंचे हैं।

जम्मू-कश्मीर की वंदे मातरम् व 'हर घर में तिरंगा' मुहिम देश के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गई है: उपराज्यपाल

एजेंसी

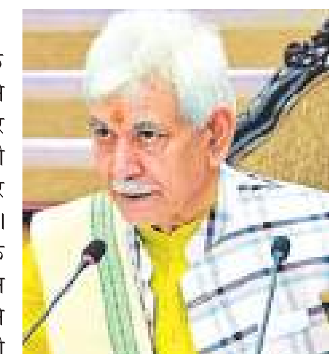

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि हर घर तिरंगा मुहिम लोगों की जागरूकता का एक उत्सव और देशप्रेम की परंपरा बन गई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे तिरंगे की भावना को न केवल छतों पर बल्कि अपने विचारों, चरित्र और कार्यों में भी ऊंचा बनाए रखें। श्रीनगर के एसकेआईसीसी से तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद श्रीनगर के बॉटनिकल गार्डन में तिरंगा महोत्सव समारोह को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि 2022 में शुरू की गई हर घर तिरंगा मुहिम का मकसद हर भारतीय के मन में तिरंगे के प्रति सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव को फिर से जगाना है।

उन्होंने कहा कि जब लाखों घरों में तिरंगा लहराता है तो सिर्फ.झंडा ही नहीं लहराता बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के दिल एक ही भावना, एक ही विश्वास और एक ही संकल्प से जुड़ जाते हैं। सिन्हा ने कहा कि यह मुहिम लोगों की जागरूकता का उत्सव और देशप्रेम की परंपरा बन गई है जो हर भारतीय को उनकी मातृभूमि से और गहराई से जोड़ती है।

उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हर घर तिरंगा के साथ-साथ हम बंकिम चंद्र चटर्जी के वंदे मातरम के 150 शानदार साल भी मना रहे हैं। मेरा मानना है कि अगर तिरंगा हमारे देश की आत्मा है तो वंदे मातरम उस आत्मा की अमर आवाज है। सिन्हा ने कहा कि जब विदेशी ताकतों ने हमारे आत्मविश्वास को कुचलने की कोशिश की तो यही गीत अनगिनत देशभक्तों की आवाज में गूंजा था। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम के 150 साल का जश्न सिर्फ.गीत का सम्मान करना नहीं है बल्कि राष्ट्रीय चेतना के जागरण, आत्मविश्वास, साहस व आत्म-सम्मान की भावना को नमन करना है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि वंदे मातरम् हमारी संस्कृति की अमर आवाज है। यह हमारी एकता का प्रतीक है।

वंदे मातरम अभियान में हिस्सा लेने के लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों को बधाई देते हुए सिन्हा ने कहा कि उनकी कोशिशें पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गई हैं। उन्होंने कहा कि आपने साबित कर दिया है कि देश के प्रति प्रेम ही लोगों की चेतना बन जाता है। तभी इतिहास एक नई दिशा लेता है। सिन्हा ने कहा कि उन्हें गर्व है कि जम्मू-कश्मीर के युवाओं और नागरिकों ने इस अभियान में केंद्र शासित प्रदेश को देश में सबसे अच्छा बनाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने इस अभियान में हिस्सा लिया है और मैं यह गुजारिश करना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर अगले चरण में भी नंबर वन बना रहे।

उज्जैन में महाकाल का भांग-चंदन और रजत आभूषणों से हुआ श्रृंगार

राजा स्वरूप में सजे

उज्जैन (मध्य प्रदेश)। श्रावण मास की अमावस्या यानी हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल की भस्म आरती विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और दिव्य श्रृंगार के साथ संपन्न हुई।

बुधवार तड़के करीब 2:30 बजे मंदिर के कपाट खोले गए। मंदिर के पट खुलने के बाद सबसे पहले वीरभद्र जी को प्रणाम कर स्वस्तिवाचन किया गया। उनकी आज्ञा प्राप्त करने के बाद चांदी का द्वार खोला गया और गर्भगृह में भगवान महाकाल सहित अन्य देवी-देवताओं का पूजन किया गया। इसके बाद पुजारियों ने भगवान का श्रृंगार उतारकर विधि-विधान से पूजन-अभिषेक की प्रक्रिया शुरू की। भगवान महाकाल का पहले पवित्र जल से अभिषेक किया गया। इसके बाद दूध, दही, घी, शहद, शक्कर और फलों के रस से तैयार पंचामृत से भगवान का अभिषेक और पूजन किया गया।

अभिषेक के पश्चात बाबा महाकाल का भांग, चंदन और विभिन्न आभूषणों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल राजा स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते नजर आए। भगवान को शेषनाग

असम में बाढ़ से 441 गांव घिरे, 112718 नागरिक प्रभावित

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में अभी भी बाढ़ से 441 गांव घिरे हैं और 112718 नागरिक प्रभावित हैं। नदियों का जलस्तर लगातार कम हो रह है। इससे कई जिलों में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। मगर कई जिलों में बाढ़ का असर अब भी है। यहां के प्रभावित लोग राहत शिविरों के साथ ही तटबंधों पर प्लास्टिक के टेंट में आश्रय लिए हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा प्रतिदिन समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को हर संभव कदम उठाने का निर्देश दे रहे हैं। वह मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ प्रभावित इलाकों का दौरा भी कर रहे हैं। स्वयंसेवी संगठन एवं निजी स्तर पर भी लोग प्रभावितों की मदद में जुटे हुए हैं।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 11 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार, धनसिरि नदी (नुमलीगढ़) तथा कुसियारा नदी (श्रीभूमि) इलाके में खतरे के निशान से अभी भी ऊपर बह रही है। अब तक बाढ़ से 102 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी भी गोलाघाट, शिवसागर, होजाई, जोरहाट, दरंग, लखीमपुर और नगांव जिला बाढ़ से घिरे हुए हैं। इन जिलों के 25 राजस्व मंडलों के कुल 441 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य के कुल 112718 नागरिक बाढ़ से प्रभावित हैं। 10879.03 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।

बाढ़ में राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन एवं नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक जुटे हुए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में मंगलवार को सरकार ने 67 मेडिकल टीमों को तैनात किया। इस दौरान 10 नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। नावों के जरिए 121 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

तिरंगा यात्राः शेखावत का युवाओं से विकसित भारत बनाने का संकल्प लेने का आह्वान

- तिरंगा भारत की विविधता को एकता के सूत्र में बांधने वाला प्रतीक है
- 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 9 अगस्त से 15 अगस्त के बीच देश भर में निकाली जाती है

एजेंसी

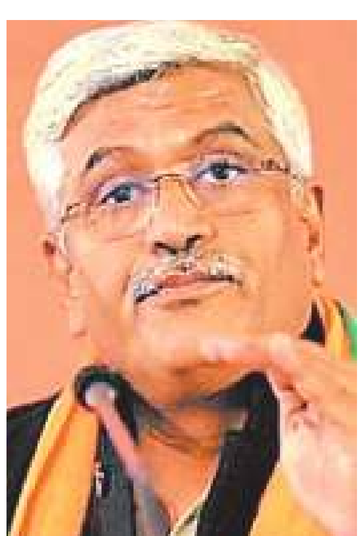

नई दिल्ली। देश को विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ आयोजित तिरंगा यात्रा में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटनमंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने युवाओं और देशवासियों से राष्ट्र निर्माण में एकजुट होकर योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि तिरंगा भारत की विविधता को एकता के सूत्र में बांधने वाला प्रतीक है और इसे साक्षी मानकर प्रत्येक नागरिक को देश को विकसित बनाने के लिए स्वयं को समर्पित करना चाहिए।

शेखावत ने कहा कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर देश उन अमर हुतात्माओं को सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहता है, जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के प्रति सम्मान प्रकट करने का सबसे सार्थक तरीका यही है कि देशवासी भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लें और इसके लिए मिलकर काम करें।

उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल राष्ट्रीय ध्वज के साथ निकलने वाला कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की एकता, राष्ट्रीय गौरव और नागरिक जिम्मेदारी का संदेश देने वाला अभियान है। यात्रा के माध्यम से लोगों को स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों और राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

शेखावत ने इस वर्ष के आयोजन को विशेष बताते हुए कहा कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का अवसर भी देश मना रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान वंदे मातरम् ने लोगों में राष्ट्रभक्ति और आजादी के लिए संघर्ष की प्रेरणा जगाई थी। इसलिए तिरंगा यात्रा के साथ वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ का स्मरण नई पीढ़ी को स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। 2026 में राष्ट्रीय आयोजनों में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने को विशेष रूप से रेखांकित किया जा रहा है।

महत्वपूर्ण है कि तिरंगा यात्रा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम है। यह मुख्य रूप से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 9 अगस्त से 15 अगस्त के बीच देश भर में निकाली जाती है। संस्कृति मंत्रालय इसके लिए नोडल मंत्रालय के तौर पर काम करता है और राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, शिक्षण संस्थानों तथा सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करता है।

दशकों बाद ऊपरी गंगा में लौटी हिल्सा मछली

एजेंसी

नई दिल्ली। दशकों तक ऊपरी गंगा से लगभग गायब रही प्रतिष्ठित हिल्सा मछली ने वापसी की है। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के टांडा खुर्द गांव के पास हिल्सा मिलने को गंगा की पारिस्थितिकी, जलीय जैव विविधता और नदी पर निर्भर मछुआरा समुदायों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। ऐतिहासिक रूप से हिल्सा बंगाल की खाड़ी से गंगा नदी के रास्ते वाराणसी, प्रयागराज और उससे आगे तक प्रवास करती थी। हालांकि, 1975 में फरक्का बैराज के चालू होने के बाद इसके प्रवासी मार्ग में गंभीर बाधा आई और मध्य एवं ऊपरी गंगा में हिल्सा की संख्या में भारी गिरावट हुई।भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र ने बुधवार को जानकारी दी कि हिल्सा के संरक्षण और पुनर्वास के लिए आई सी ए आर -केंद्रीय अंतदेर्शीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान , बैरकपुर और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने 2019 से दीर्घकालिक कार्यक्रम शुरू किया।

जून 2026 तक इस अभियान के तहत 3.85 लाख से अधिक किशोर और वयस्क हिल्सा नदी में छोड़ी गईं। इसके साथ 40 लाख से अधिक निषेचित अंडे गंगा में छोड़े गए।

केंद्र ने बताया कि लगभग 9.4 लाख हैचरी-उत्पादित स्पॉन छोड़े गए। मछलियों की टैगिंग, निगरानी और प्रवास का अध्ययन किया गया। कृत्रिम प्रजनन और स्टॉक संवर्धन जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। अनुसंधान केंद्र के मुताबिक 2023 से 2025 के दौरान निगरानी में छोड़ी गई हिल्सा को मिजार्पुर तक ऊपर की ओर जाते हुए दर्ज किया गया था। अब चंदौली जिले में दो हिल्सा मिलने से इसके ऐतिहासिक प्रवास क्षेत्र की बहाली के संकेत और मजबूत हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित। प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741